राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

क्रांति समय

कार्यालय ऑफिस

क्रांति समय दैनिक समाचार में
प्रेसनोट, नोटिस, वेपार संबंधित संपर्क करें
पता:- एस.टी.पी.आई-सुरत-395023
संपर्क नं.-7490923915
ईमेल:-info.krantisamay@gmail.com

सुरत गुजरात से प्रकाशित, मुंबई, उत्तरप्रदेश, बिहार, राजस्थान, मध्यप्रदेश, उत्तरांचल, उत्तराखंड, दिल्ली, हरियाणा में प्रकाशित

सुरत-गुजरात, संस्करण मंगलवार 13 मई 2025 वर्ष-8,अंक-83 पृष्ठ-08 मूल्य-01 रूपये

Website : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

पाकिस्तान के खिलाफ ऑपरेशन सिंदूर पर भारत की तीनों सेनाओं ने जॉइंट प्रेस ब्रीफिंग में पाकिस्तान को चेतावनी देते हुए कहा कि अगर उसने

दोबारा दुस्साहस किया तो अगली लड़ाई पिछली जैसी नहीं होगी

हम जब चाहें, जहां चाहें मार सकते हैं...

देश के कवच को नहीं भेद सकी चाइना मेड मिसाइलें, तुर्की के ड्रोन और पाक की मिराज

नई दिल्ली।

भारतीय वायुसेना के एयर मार्शल एके भारती ने सोमवार को एक मीडिया ब्रीफिंग को संबोधित करते हुए कहा कि भारत की लड़ाई आतंकवादियों के खिलाफ है, और यह दुखद है कि पाकिस्तान ने हस्तक्षेप करने का फैसला किया। उन्होंने यह टिप्पणी भारत और पाकिस्तान के बीच 10 मई को हुए युद्ध विराम समझौते के दो दिन बाद 12 मई को नई दिल्ली में आयोजित तीनों सेनाओं की जॉइंट प्रेस ब्रीफिंग में की। एयर मार्शल एके भारती ने कहा, यह एक अलग तरह का युद्ध था और ऐसा होना तय था। भगवान न करे, लेकिन अगर आगे कोई और लड़ाई होती है, तो वह पिछले से बिल्कुल अलग होगी। यह एक बिल्ली और चूहे का खेल है और हमें अपने विरोधी को मात देने के लिए उससे हमेशा एक अदम आगे रहना होगा। आर्मी से डीजीएमओ लेफ्टिनेंट जनरल राजीव घई, नेवी से वाइस एडमिरल एएन प्रमोद और एयरफोर्स से एयर मार्शल अवधेश कुमार भारती ने ऑपरेशन सिंदूर पर जानकारी दी। भारत की तीनों सेनाओं ने जॉइंट प्रेस ब्रीफिंग में पाकिस्तान को चेतावनी देते हुए कहा कि अगर उसने दोबारा कोई दुस्साहस किया तो हम उस पर जब चाहे और जहां चाहे हमला कर सकते हैं। बता दें कि 7 मई को भारत ने ऑपरेशन सिंदूर की शुरुआत की थी, जिसमें 22 अप्रैल को पहलगाम में हुए आतंकी हमले के जवाब में पाकिस्तान और पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर में 9 आतंकी शिविरों को निशाना बनाया गया था। इसके अगले दो दिन 8 और 9 मई की रात को पाकिस्तान ने ड्रोन और मिसाइलों से भारत पर हमला करने का असफल प्रयास किया। भारत ने अपने दमदार एयर डिफेंस सिस्टम के बलबूते न सिर्फ पाकिस्तान के हर हमले को नाकाम कर दिया, बल्कि दुश्मन के 11 एयरबेसों पर सटीक हमला करके उसे बैकफुट पर ला दिया। भारत के हमले इतने सटीक और प्रभावी थे कि पाकिस्तान को सीजफायर की गुहार लगानी पड़ी। एयर मार्शल एके भारती ने बताया कि पाकिस्तान की तरफ से किए गए हमले में चाइनीज ओरिजन की मिसाइल शामिल थीं, इनमें लॉन्ग रेंज रॉकेट थे, यूए1 थे, चीनी ओरिजन के कुछ कॉप्टर्स और ड्रोन थे। इन्हें हमारे एयरडिफेंस सिस्टम ने मार गिराया।

हमारी लड़ाई आतंकियों से थी

एयर मार्शल भारती ने कहा कि हमारी लड़ाई आतंकवादियों के साथ है। हमारी लड़ाई पाकिस्तानी मिलिट्री के साथ नहीं है। पाकिस्तान की सेना ने आतंकियों का साथ दिया, तो हमने उसका जवाब दियासेना ने कहा, हम जरूरत पडने पर तैयार और तत्पर हैं एयर मार्शल एके भारती ने कहा कि यह स्पष्ट शब्दों में कहना चाहता हूं कि सभी मिलिट्री बेस, सिस्टम ऑपरेशनल हैं और जरूरत पडने पर तैयार और तत्पर हैं।

हमारे पायलट 24 घंटे अलर्ट मोड में थे

वाइस एडमिरल एएन प्रमोद ने बताया कि नौसेना सर्विलांस, डिटेक्शन में लगी हुई थी। हमने मल्टीपल सेंसर्स और इनपुट्स दिए। हमने उन खतरों को पहचाना, जिन्हें तुरंत न्यूट्रिलाइज्ड किया जाना था। ड्रोन, हाईस्पीड मिसाइल और एयरक्राफ्ट की जानकारी दी गई, ये एडवांस राडार के जरिए दी गई। हमारे पायलट रात और दिन में ऑपरेट करने के लिए तैयार थे। हमारे एयरक्राफ्ट कैरियर में मिग-29 एक्शन के लिए तैयार थे। संदिग्ध दुश्मन जहाज को कई सौ किमी पास आने का मौका हमने पास के सालों में नहीं दिया है।

तीनों सेनाएं ने मिलकर काम किया

आपने सुना होगा, जब हौसले बुलंद हों तो मंजिलें कदम चूमती हैं। ऑपरेशन सिंदूर के दौरान तीनों सेनाएं मिलकर काम कर रही थीं। हमारे 140 करोड़ भारतीय हमारे पीछे खड़े थे। इसके लिए हम आपको सैल्यूट करते हैं। लेफ्टिनेंट जनरल राजीव घई ने कहा कि आज मैं इस युद्ध के अहम पहलू के बारे में बता रहा हूं। हमें एयर डिफेंस ऑपरेशन सिंदूर की कार्रवाई को समझने की आवश्यकता है। मैंने कल बताया था कि पिछले कुछ सालों में आतंक की गतिविधियों के कैरेक्टर में बदलाव आ रहा था।

पहला कॉलम

भारत के पूर्व उच्चायुक्त पार्थसारथी ने कहा, असीम मुनीर एक कट्टरपंथी, उसका अंहकार टूटा

प्रधानमंत्री, रक्षा मंत्री, विदेश मंत्री और तीनों सेना प्रमुख बधाई के पात्र

नई दिल्ली।

पाकिस्तान में भारत के पूर्व उच्चायुक्त जी पार्थसारथी ने ऑपरेशन सिंदूर में भारतीय सशस्त्र बलों की भूमिका की जमकर सराहना की। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के बुद्धिमत्ता की प्रशंसा कर कहा कि पाकिस्तान के सेना प्रमुख ने अपने दुस्साहस की कीमत चुकाई। पाकिस्तानी सेना प्रमुख के बारे में पार्थसारथी ने कहा, समस्या यह है कि पाकिस्तान के पास अब मुनीर नामक एक सेना प्रमुख है। असीम मुनीर एक कट्टरपंथी है और मुनीर को व्यक्तिगत रूप से विश्वास था कि वह भारत से मुकाबला कर सकता है, इसलिए मुनीर सहित पूरे पाकिस्तान को इसकी कीमत चुकानी पड़ी। पार्थसारथी ने कहा कि शरीफ बंधु प्रधानमंत्री के रूप में सेना के युद्धों में फंस गए हैं। पूर्व भारतीय दूत ने कहा कि ऑपरेशन सिंदूर पाकिस्तान के अंदर बहुत सी सोच को जन्म देगा। उन्होंने कहा, (पाकिस्तानी) सेना पंजाबी है। इसमें न्यूनतम प्रतिनिधि हैं, या मुहाजेर, बलूच, सिंधी या कोई और। इसलिए, वे इसमें शामिल नहीं होने जा रहे हैं और वे पंजाबियों को दोषी ठहराने जा रहे हैं। यह अंदर ही अंदर होने वाला है, कम से कम राजनीतिक पक्ष में, और हमें बस दृढ़ रहना है। पार्थसारथी ने कहा, मुझे लगता है कि यह एक निर्णायक जीत है। उन्होंने कहा, प्रधानमंत्री, रक्षा मंत्री, विदेश मंत्री से लेकर तीनों सेनाओं के प्रमुखों को बधाई दी जानी चाहिए, क्योंकि इस संघर्ष के लिए हमने तीनों सेनाओं, थल, वायु और नौसेना को तैनात किया है। और इसलिए यह युद्ध में सिर्फ़ सेना की जीत नहीं है, यह भारत के सभी सशस्त्र बलों और इसलिए भारत के लोगों की जीत है।

गुजरात में सोशल मीडिया पर राष्ट्रविरोधी पोस्ट करने पर 14 लोगों के खिलाफ एफआईआर दर्ज

गांधीनगर।

भारत और पाकिस्तान के बीच तनावपूर्ण माहौल के बीच भारतीय सेना द्वारा शुरू किए गए ऑपरेशन सिंदूर के दौरान सोशल मीडिया पर राष्ट्र विरोधी, नकारात्मक और मनोबल गिराने वाली पोस्ट करने वाले 14 व्यक्तियों के खिलाफ गुजरात पुलिस ने मामला दर्ज कर सख्त कार्रवाई की है। गृह राज्य मंत्री हर्ष संघवी ने ऐसे राष्ट्रविरोधी और घृणास्पद पोस्ट करने वाले तत्वों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करने के निर्देश दिए थे। इसके साथ ही राज्य के पुलिस महानिदेशक विकास सहाय ने सोशल मीडिया पर सेना के मनोबल को कमजोर करने वाली राष्ट्र विरोधी, नकारात्मक और झूठी जानकारी, अफवाहों या पोस्ट पर नजर रखने, तुरंत मामला दर्ज करने और ऐसे तत्वों के खिलाफ तत्काल सख्त कार्रवाई करने के राज्य पुलिस को आदेश दिए थे7 गुजरात पुलिस की खुफिया शाखा और सोशल मीडिया निगरानी इकाई द्वारा ऐसी गतिविधियों पर कड़ी नजर रखी गई। इस बीच, राष्ट्र-विरोधी, जन-विरोधी और सैन्य-विरोधी पोस्ट करने के आरोप में 14 व्यक्तियों के खिलाफ एफआईआर दर्ज की गई है। जिसमें खेड़ा जिले में 2, भुज में 2, जामनगर, जूनागढ़, वापी, बनासकांठा, आणंद, अहमदाबाद, सूरत शहर, वडोदरा, पाटण और गोधरा जिलों में एक-एक समेत कुल 14 एफआईआर दर्ज कर सख्त कार्रवाई की गई है।

पीएम मोदी ने देश की मां, बहनों, बेटियों को समर्पित किया सेना का पराक्रम

नई दिल्ली।

ऑपरेशन सिंदूर की सफलता के बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सोमवार को राष्ट्र के नाम संबोधन में कहा कि बीते कुछ दिनों में देश का शौर्य और संयम देखने को मिला। उन्होंने यह पराक्रम देश की माताओं, बहनों और बेटियों को समर्पित करते हुए सशस्त्र बलों को सलाम किया। प्रधानमंत्री मोदी ने अपने संबोधन में कहा, पिछले कुछ दिनों में हम सभी ने अपने देश की शक्ति और संयम दोनों को देखा है।

मैं हर भारतीय की ओर से भारत की वीर सेनाओं, हमारे सुरक्षा बलों, हमारी खुफिया एजेंसियों, हमारे वैज्ञानिकों को नमन करता हूं। हमारे वीर सैनिकों ने ऑपरेशन सिंदूर के लक्ष्यों की प्राप्ति के लिए असीम शौर्य का प्रदर्शन किया है। मैं उनकी वीरता, उनके साहस, उनके पराक्रम को आज हमारे देश की हर माता, बहन और बेटी को समर्पित करता हूं। पीएम मोदी ने कहा कि 22 अप्रैल को पहलगाम में आतंकियों ने जो बर्बरता दिखाई, उसने देश को झकझोर दिया।

छुट्टियां मना रहे लोगों को आतंकवादियों ने धर्म पूछकर, उनके परिवार के सामने बेरहमी से मौत के घाट उतारा। इस घटना के बाद हमने आतंकियों को मिट्टी में मिलाने के लिए सेना को पूरी छूट दी। उन्होंने कहा कि आतंकवादियों को खत्म करने के लिए हमने भारतीय सशस्त्र बलों को पूर्ण अधिकार दिए हैं।

आज हर आतंकवादी और आतंकी संगठन हमारी बेटियों और बहनों की गरिमा और गौरव को नुकसान पहुंचाने की कोशिश के परिणामों को समझता है।

उन्होंने कहा, ऑपरेशन सिंदूर सिर्फ एक नाम नहीं है। यह देश की सामूहिक भावनाओं और लचीलेपन का एक शक्तिशाली प्रतीक है।

ऑपरेशन सिंदूर की सफलता का जिक्र करते हुए पीएम मोदी ने कहा कि ऑपरेशन सिंदूर के उद्देश्यों को प्राप्त करने के लिए हमारे बहादुर सैनिकों ने अद्वितीय साहस का परिचय दिया।

उन्होंने कहा कि भारत द्वारा किए गए इन हमलों में सौ से अधिक खूंखार आतंकवादियों का सफाया कर दिया गया। पिछले ढाई-तीन दशकों से पाकिस्तान में खुलेआम भारत के खिलाफ साजिश रच रहे कई आतंकी मास्टरमाइंडों को भारत ने एक ही हमले में ढेर कर दिया है। प्रधानमंत्री मोदी ने आगे कहा कि भारत की कार्रवाई से पाकिस्तान गहरी निराशा और हताशा में डूब गया।

वह बौखला गया और इसी घबराहट में उसने एक और दुस्साहस करने की हिम्मत की।

आतंकवाद के खिलाफ भारत की कार्रवाई का समर्थन करने की बजाय पाकिस्तान ने भारत को ही निशाना बनाना शुरू कर दिया।

पाकिस्तान ने हमारे स्कूलों, कॉलेजों, गुरुद्वारों, मंदिरों और आम नागरिकों के घरों को निशाना बनाया। उसने हमारे सैन्य प्रतिष्ठानों को भी निशाना बनाया।

लेकिन इसमें भी पाकिस्तान की पोल खुल गई। दुनिया ने देखा कि कैसे पाकिस्तान के ड्रोन और मिसाइल भारत के सामने तिनके की तरह बिखर गए।

शहीद इम्तियाज के भाई ने कहा, पाकिस्तान को दुनिया के नक्शे से मिटा देना चाहिए

पटना।

जम्मू-कश्मीर के आरएस पुरा सेक्टर में पाकिस्तान की गोलीबारी में शहीद हुए बीएसएफ सब-इंस्पेक्टर मोहम्मद इम्तियाज का पार्थिव शरीर पटना लाया गया। पटना एयरपोर्ट के स्टेट हैंगर में उन्हें श्रद्धांजलि दी गई, इसके बाद उनका पार्थिव शरीर पैतृक गांव नारायणपुर ले जाया जाएगा। जहां राजकीय सम्मान के साथ उन्हें सुपुर्दे-खाक किया जाएगा। इस मौके पर शहीद के भाई मो. असलम ने गुस्सा जाहिर कर कहा, पाकिस्तान को दुनिया के नक्शे से मिटा देना चाहिए। वहीं, शहीद के बेटे इमरान ने दुखी होकर कहा, मुझे खबर मिली कि पापा घायल हुए हैं। लेकिन वे देश के लिए शहीद हो गए। मैं उनसे मिल भी नहीं सका। वीरगति को प्राप्त हुए मोहम्मद इम्तियाज के बेटे इमरान ने कहा, हम बस इतना ही कहना चाहते हैं कि हमें अपने पिता पर गर्व है और हम उन सभी शहीदों को नमन करते हैं जिन्होंने देश के लिए अपना बलिदान दिया। शहीद मोहम्मद इम्तियाज के परिवार में पत्नी, दो बेटे और दो बेटियां हैं। उनकी शहादत की खबर से गांव में शोक की लहर है, लेकिन उनकी बहादुरी पर ग्रामीणों को गर्व भी है। पटना एयरपोर्ट पर श्रद्धांजलि समारोह में मुख्यमंत्री नीतीश कुमार, मंत्री मंगल पांडे, श्रवण कुमार, कृष्ण कुमार मंटू, नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव, बीजेपी प्रदेश अध्यक्ष दिलीप जायसवाल, जेडीयू प्रदेश अध्यक्ष उमेश सिंह कुशवाहा, आरजेडी सांसद संजय यादव और मंत्री नितिन नवीन मौजूद रहे।

टूर ऑपरेटरों ने तुर्किये और अजरबैजान का किया बॉयकॉट, पाक का साथ देने का नतीजा भुगतेंगे दोनों देश

सूरत। भारत और पाकिस्तान के बीच तनाव के बीच भारतीय टूर ऑपरेटरों ने आर्तकियों को पनाह देने वाले पाकिस्तान का समर्थन करने वाले देश अजरबैजान और तुर्किए को लेकर बड़ा फैसला लिया है। टूर ऑपरेटरों ने भारत का समर्थन न करने वाले अज़रबैजान और तुर्किये का बॉयकॉट करने का ऐलान किया है7 सूरत में कई टूर ऑपरेटरों ने भी दोनों देशों की यात्राओं का स्वैच्छिक बहिष्कार करने की घोषणा की है। प्राप्त जानकारी के मुताबिक भारतीय टूर ऑपरेटरों ने आतंकी देश पाकिस्तान का समर्थन करने वाले अजरबैजान और तुर्किये के खिलाफ कड़ा फैसला लिया है। भारतीय टूर ऑपरेटरों ने पाकिस्तान का समर्थन करने वाले अज़रबैजान और तुर्किये के टूर पैकेज रद्द कर दिए हैं। इस बीच सूरत में कई टूर ऑपरेटरों ने भी दोनों देशों की यात्राओं का स्वैच्छिक बहिष्कार करने की घोषणा की है।

फ्रांस और इजराइल ने पाकिस्तान को लताड़ा, तुम्हारी औकत नहीं हथियारों को मार गिराया

ऑपरेशन सिंदूर का खुलकर किया समर्थन

नई दिल्ली।

भारत की कूटनीति ताकत अब अपना असली रंग दिखा रही है। एक ओर पाकिस्तान बौखलाया हुआ है। वहीं दूसरी ओर दुनिया के बड़े बड़े मुल्क खुलकर भारत के समर्थन कर रहे हैं। इन देशों ने न सिर्फ भारत का साथ दिया बल्कि पाकिस्तान को कड़ा संदेश भी दिया। लेकिन इन सब से इतर भारत के साथ डिप्लोमैटिक सपोर्ट और फिर राफेल पर झूठ फैलाने वालों को जवाब दिया गया। फ्रांस ने कहा कि हमारे पास कोई जानकारी नहीं कि कोई राफेल गिराया गया है। फ्रांस ने कहा कि भारत का ऑपरेशन आतंक के खिलाफ है और पूरा समर्थन के लायक है। फ्रांस ने ऑपरेशन सिंदूर पर भारत का साथ देकर साबित कर दिया कि वहां सिर्फ हथियार बेचने वाला नहीं बल्कि भारत का सच्चा सहयोगी देश है। पाकिस्तानी सेना ने झूठा दावा किया कि भारतीय वायुसेना के पांच विमानों को मार गिराया है, इसमें तीन फ्रांसीसी निर्मित राफेल भी शामिल हैं। पाकिस्तान के सैन्य प्रवक्ता लेफ्टिनेंट जनरल अहमद शरीफ ने बताया कि पहले भारतीय हवाई हमलों के प्रतिशोध में पाकिस्तानी हवाई क्षेत्र के भीतर से इन विमानों को निशाना बनाया गया। वहीं पाक पीएम ने राफेल को मार गिरने की जानकारी का सोर्स सोशल मीडिया बताया था। भारत और इजरायल का रिश्ता नया नहीं है। लेकिन इस बार इजरायल ने केवल हथियार नहीं दिए बल्कि खुलकर साथ दिया। इजरायल ने कहा कि हेरोन ड्रोन और बराक 8 जैसे हथियारों का भारत ने प्रभावी इस्तेमाल किया। इससे पाकिस्तान की कमर टूट गई। पाकिस्तानी मीडिया और मुनीर की सेना ये मान रही है कि इजरायली हथियारों से सबसे ज्यादा नुकसान हुआ। पाकिस्तान ने फतह-2 बैलिस्टिक मिसाइल दागी, इस भारत के बराक-8 मिसाइल डिफेंस सिस्टम ने सिरसा में रोक दिया। बराक-8 भारत व इजराइल के सहयोग से तैयार लंबी दूरी वाली सतह से हवा में मार करने वाली मिसाइल है। डीआरडीओ और इजराइल एयरोस्पेस इंडस्ट्रीज ने तैयार किया है। डीआरडीओ के अनुसार, इसमें 70 प्रतिशत टेक्निक भारत की है।

बराक- 8 मध्यम दूरी के लड़ाकू विमान, हेलीकॉप्टर, एंटी शिप मिसाइल, ड्रोन के साथ-साथ क्रूज मिसाइलों और अन्य हवाई खतरे को नष्ट करने में सक्षम है। इसकी मारक क्षमता 70 से 100 किमी तक है। परमाणु हथियार ले जाने में सक्षम मिसाइल में अधिक उन्नत खोज की सुविधा और लंबी दूरी तक जाने की क्षमता है।

10 लाख का इनामी खालिस्तानी आतंकी गिरफ्तार

संदिग्ध दस्तावेज और सामान बरामद

पटना।

बिहार की मोतिहारी पुलिस और राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) ने संयुक्त कार्रवाई में खालिस्तानी आतंकी कश्मीर सिंह उर्फ बलबीर सिंह को गिरफ्तार कर लिया। एनआईए को गुप्त सूचना मिली थी कि पंजाब का वांटेड आतंकी कश्मीर सिंह मोतिहारी में छिपा हुआ है। इसके बाद नगर थाना क्षेत्र में छापेमारी की गई, जिसमें आतंकी को दबोच लिया गया। पुलिस के मुताबिक, आतंकी के पास से कई संदिग्ध दस्तावेज और सामान बरामद किए गए हैं। जांच के लिए एक विशेष टीम गठित की गई है, जो यह पता लगा रही है कि आतंकी मोतिहारी कैसे पहुंचा और स्थानीय स्तर पर किससे संपर्क में था। एनआईए ने 2023 में कश्मीर सिंह उर्फ बलबीर सिंह पर 10 लाख रुपए का इनाम घोषित किया था। वह देश के विभिन्न हिस्सों में आतंकवादी गतिविधियों और हिंसक साजिशों को अंजाम देने के आरोप में वांछित था।

कांग्रेस नेता डोटासरा ने कहा, केंद्र बताए अमेरिका से मध्यस्थता क्यों करवानी पड़ी?

जयपुर।

राजस्थान कांग्रेस प्रदेशाध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा ने सीजफायर के मुद्दे पर अमेरिकी हस्तक्षेप पर मोदी सरकार पर निशाना साधा। कांग्रेस नेता डोटासरा ने कहा कि हमारी सेना ने वीरता का परिचय देकर पाकिस्तान को घुटने पर लगा दिया था। लेकिन इस बीच राष्ट्रपति ट्रंप ने पोस्ट करके युद्ध विराम की घोषणा की। ट्रंप ने कश्मीर के मामले को भी अंतरराष्ट्रीय स्तर पर सुलझाने की बात कही है। कांग्रेस नेता ने कहा कि देश जानना चाहता है कि केंद्र को अमेरिका से मध्यस्थता क्यों करवानी पड़ी? इसके लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को सर्वदलीय बैठक और संसद का विशेष सत्र बुलाना चाहिए। डोटासरा ने कहा कि देश का कोई भी नागरिक कतई स्वीकार नहीं कर सकता कि कश्मीर के मामले में कोई तीसरा देश हस्तक्षेप करे, यह पूरी तरीके से सरकार के ऊपर सवाल खड़े करता है। देश के सभी राजनीतिक दल और जनप्रतिनिधि भी जानना चाहते हैं कि अमेरिका के किस दबाव के चलते सीजफायर की बात माननी पड़ी? जब नरेंद्र मोदी प्रधानमंत्री नहीं थे तब एक के बदले सौ सिर लाने की बात करते थे। गृहमंत्री अमित शाह और रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह बार-बार पाक अधिकृत कश्मीर को भारत में मिलाने की बात करते थे, आज वे इस मसले पर क्यों चुप हैं, ऐसी क्या नौबत आई कि अमेरिका की बात माननी पड़ी? डोटासरा ने जयपुर में बुलाई गई सर्वदलीय बैठक में पार्टी प्रदेशाध्यक्षों को नहीं बुलाए जाने पर सवाल उठाए। डोटासरा ने कहा कि सर्वदलीय बैठक में सत्ताधारी पार्टी के प्रदेशाध्यक्ष मदन राठौड़ को नहीं बुलाया। सरकार में पूरी तरीके से ब्यूरोक्रेट हावी है, जो नहीं चाहते कि सर्वदलीय बैठक में सभी को बुलाया जाए। डोटासरा ने कहा कि समय रहते भजनलाल सरकार को इसकी सुध लेनी चाहिए, क्योंकि जिस तरह से सरकार में नौकरशाह हावी है, मंत्रियों की नहीं चल रही है उससे आने वाले दिनों में सरकार के खिलाफ जनता में आक्रोश पनप सकता है।

पांच दिन में सवाई मानसिंह स्टेडियम को दूसरी बार मिली बम से उड़ानें की धमकी

जयपुर।

जयपुर के सवाई मानसिंह स्टेडियम को फिर बम से उड़ानें की धमकी मिली है। सोमवार को खेल परिषद के ईमेल पर धमकी मिली। मेल में लिखा गया कि ऑपरेशन सिंदूर के सफल होने के बाद अब सवाई मानसिंह स्टेडियम को बम से उड़ाया जाएगा। खेल परिषद के अधिकारियों ने मेल के बारे में पुलिस कंट्रोल रूम को सूचना दी। इस के बाद पुलिस टीम, क्यूआरटी, बम निरोधक दस्ता सहित कई टीमें एसएमएस स्टेडियम पहुंची है। सर्च ऑपरेशन जारी है। स्टेडियम के मुख्य मैदान, स्टेडियम में बने हॉस्टल, खेल परिषद के ऑफिस और आरसीए एकेडमी में भी सर्च ऑपरेशन जारी है। अब तक की जांच में किसी भी तरह की संदिग्ध वस्तु बरामद नहीं हुई है। खेल विभाग के सचिव और राजस्थान स्पोर्ट्स काउंसिल के चेयरपर्सन नीरज कुमार पवन ने कहा कि 5 दिन में दूसरी बार सवाई मानसिंह स्टेडियम में बम होने की धमकी मिली है। इसके बाद स्टेडियम को खाली करवा कर सघन सर्च ऑपरेशन किया जा रहा है। जो शाम तक जाती रहेगा। इस दौरान स्टेडियम में खिलाड़ियों की और कर्मचारियों का प्रवेश बंद रहेगा। अब तक किसी भी तरह की कोई संदिग्ध वस्तु नहीं मिली है। लेकिन एंटी बम स्क्वाड और पुलिस प्रशासन द्वारा लगातार सर्च जारी है। एसएमएस स्टेडियम को 8 मई को भी बम से उड़ाने की धमकी मिली थी। खेल परिषद के अध्यक्ष पवन ने बताया कि सुबह 9:13 पर ईमेल आया था। कर्मचारियों ने ईमेल को ओपन करके देखा, तब उसमें स्टेडियम को बम से उड़ने की धमकी दी गई थी। मेल में लिखा- ऑपरेशन सिंदूर के सफल होने के बाद अब एसएमएस

स्टेडियम को बम से उड़ाया जाएगा। एसएमएस स्टेडियम के बाहर का इलाके और बिल्डिंग को सर्च किया गया था। सर्च के दौरान कुछ भी नहीं मिला था।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

भारतीय सेना के साहस को सलाम

लेखक-संजय गोस्वामी)

ऑपरेशन सिंदूर 25 जो बीते कुछ दिनों पहले हुई उसमें किसी के साहस हिम्मत और शौर्य को सलाम किया जाए तो वो निश्चित रूप से भारतीय सेनाओं को जाता है जिंदगी और मौत को बीच किसी की नहीं बल्कि देश की परवाह की आप सब टीवी पर देख रहे थे लेकिन जरा सोचिये बॉर्डर पर 24घण्टा डटे रहना कितना मुश्किल होता है ना खाने की चिंता ना सोने की ना ही परिवार की चिंता उसे आप कुछ समय के लिए अपने ऊपर ले कर देखें तो मालूम होगा कितना कठिन टास्क होता है इसलिए पाकिस्तान को मुँह की खानी पड़ी और सीजफायर को तोड़ने के बाद भी के बादे भी पीछे ढकेला है तभी दोबारा सीजफायर पर बात बनी उनका शौक है बस तिरंगा, अपना देश और देश के प्रति समर्पण,की भावना है अमेरिका खुद ही अपनी तारीफ का पूल बांध रहा था तभी चीन ने पाकिस्तान को सपोर्ट कर दिया और पुनः पाकिस्तान को लगा, गेंद हमारे पाले में आ गया है और सीजफायर का उलंघन किया और जब पाकिस्तान को लगा सारा बेकार अस्त्र चीन से मिल रहें हैं जो मार गिराया जा रहा है तो बाद में थक कर सीजफायर को लागू करना पड़ा क्योंकि भारत का पाकिस्तान से नहीं वल्कि आतंकवादी से था जिन्होंने 9मई को 27से अधिक पर्यटक को बेरहमी से धर्म का झूठ फैलाकर हत्या कर दि अब ऐ सबाल आ रहा है कि भारत सरकार के सुरक्षा में चूक हुई लेकिन इजराइल पर जब हमास आतंकियों ने सैकड़ो लोगों से ज्यादा को क़त्ल कर दिया और 200को बंधक बना लिया जो 7अक्टूबर 23 में हुई लेकिन उसकी सबसे पावरफूल इंटेलीजेंन्सी मौसाद को भी खबर नहीं मिली देखिए इसमें होता क्या है आप किसी टूरिस्ट स्थान पर जा रहें हैं तो वहाँ मुश्किल से 2 -4 सुरक्षाकर्मी रहते हैं सब जगह कहाँ देखा होगा वो तो वहाँ के लोगों के विश्वास पर जाते हैं जिसकी अधिक जिम्मेदारी राज्य सरकार की होती है और जहाँ तक ऐ कहा जाता है मालूम था तो बताना चाहिए था सही नहीं कहा जा सकता है क्योंकि प्राइममिनिस्टर की हाई लेवल सुरक्षा रहती है और वो किसी कार्यक्रम के उद्देश्य से जाते हैं जरा सी चूक भारी पर सकती है और मान लीजिये बता दिया और आतंकवादी को पता चल गया तो वो सतर्क हो जायेंगे और आप ही कहँगे रूइमर था गलत था अतः आतंकवादी भी अपनी पूरी ट्रैनिग से आते हैं और स्थानीय लोगों से बिना मिले ऐ संभव नहीं होता है जब क़ोई उसको वहाँ टिकाया होगा तो ऐ देश के साथ गद्दारी है जम्मू काश्मीर भारत का अभिन्न अंग है फिर भी पता नहीं क्यों पाकिस्तान ने इसे भी अपना दावा करता है जो खुद ही काश्मीर के कुछ हिस्सों को कब्जे में लिए हुए है और पता नहीं क्यों अमेरिका भी बेबजह इसे मुद्दा बनाता आ रहा है यही सब गलतफहमी के कारण आतंकवादी को पैर पसारने का मौका मिल गया और पाकिस्तान की सेना व आईएसआई उसका पाल पोषण बड़े प्यार से करती आ रही है अतः ऑपरेशन सिंदूर भारत को ऐ भी सिखाया है कि अब उन सब पर रहम ना करो जो बुरे वक़्त में आतंकवादी का साथ देते हैं तुर्की जब वहाँ भारी भूकंप आया तो भारत ने सबसे पहले अपनी आपदा टीम को भेजी थी लेकिन उसने पाकिस्तान को ड्रोन और जंगी जहाज मुहैया कराया और अमेरिका ने पाकिस्तान को आई एफम विश्व बैंक से हजारों करोड़ का लोन भी दिला दिया जो दिवालिया था अतः अब भारत का सही में क़ोई दोस्त है तो रूस और इजराइल जो हमेशा भारत के साथ खड़ा नजर आता है चीन से तो क़ोई सामान खरीदना ही नहीं चाहिए भारत के पास था रूस का स400 डिफेन्स सिस्टम जो बहुत से ड्रोन और मिसायल को मार गिराया आज सब भारत के नए एयर डिफेंस सिस्टम स400 की बात कर रहे है जिसने सीमा पर घनघोर युद्ध आरंभ होते ही दुश्मनो द्वारा दागी गई एक भी मिसाइल या ड्रोन को भारतीय सरजमीं पर गिरने से पहले ही अद्भुत तरीके से मार गिराया द्य इस सिस्टम ने जो कमाल कर दिखाया है उसको देख देख कर अगर आपको गर्व महसूस हो रहा है तो इस व्यक्ति को जी भर के याद करना और हमेशा अपने दिलो में बसाए रखना भारतीय सेना के साहस को सलाम के साथ पूर्व के रक्षा मंत्री को भी सलाम. यही तो मां भारती का वो सपूत था द्य यही तो वो दूरदर्शी और हीरे को पहचानने की पारखी नजर रखने वाला जौहरी था जिसने रक्षा मंत्री रहते हुए सबसे पहले स400 एयर डिफेंस सिस्टम की खूबियों को बखूबी पहचान लिया था और स400 को भारत की रक्षा के लिए खरीदने की प्रक्रिया शुरू की थी वक्त से पहले भारत का ये अनमोल नगीना हमसे बिछड़ गया द्य स्वर्गीय मनोहर पर्रिकर जी को ये कृतज्ञ देश भारत हमेशा याद रखेगा द्य कुछ लोग चले जाते है और फिर लौट के नहीं आते....पर देश के लिए ऐसा कर जाते हैं कि देश सदैव उनके प्रति कृतज्ञ रहता है। सादर नमन ऐसे दूरदर्शी सोच के नेता के लिए जिन्होंने आगे आने वाले खतरे से देश को उत्तम एयर डिफेंस सिस्टम खरीदने की नींव रखी जिसने सरहद की रक्षा की है हालांकि भारत के डी आर डी ओ द्वारा बनाए गए एयर डिफेंस सिस्टम भी जो भारत द्वारा निर्मित थे वो भी कारगर साबित हुए इसमें कुछ मीडिया ने गलत सूचना या डिफेन्स के बिना जानकारी के सूचना दि वो सही नहीं है ऐ एक सामरिक प्रणाली है हमें इसके बारे में कभी पब्लिक में शेयर नहीं करते हैं जैसे किसी ने ब्रमोहस्थ मिसाईल की सूचना दि और उसकी खासियत भी बता दि जिससे विरोधी देश अब उसकी तोड़ को निकालना चाहेगा, बस सिर्फ ताकत देखो और उसकी जानकारी सेना के प्रवक्ता पर छोड़ दीजिये कभी सेना के प्रवक्ता उसकी पूर्ण जानकारी साझा नहीं करेंगे ऐ सुपरसोनिक है या हायपरसोनिक इससे हमें क्या मतलब हम जंग में अपनी बहादुरी और टेक्नोलॉजी दोनों का इस्तेमाल कर रहें हैं और हमारा लक्ष्य टारगेट को हिट किया बस इतना ही बताना चाहिए युद्ध में आजकल एक देश दूसरे देश पर फोस्फोरस बम का इस्तेमाल करते हैं लेकिन कभी बोलते नहीं है किस मिसायल की मारक क्षमता कितनी है इसे हम जानकारी साझा क्यों करें, अमेरिका केवल ट्वीट ही किया बीच में कूद पड़ा ऐ सही नहीं है भारत एक आत्मनिर्भर देश है और 140 करोड़ लोगों का शांतिपूर्ण देश है और कभी किसी देश की आत्मरक्षा को बनाए रखता है और मित्रता चाहता है पहले जो 2008 में मुंबई में आतंकी हमले हुए वो तो कितनों का जान ले लिया और इसकी रूपरेखा 6महीने पहले से ताज होटल में बारूद रखें गए उस समय पाकिस्तान का पूरा हाथ था लेकिन उस समय केवल डोसीयर सौंप कर ही अपने घुटने टेक दिए लेकिन भारत एक लोकतान्त्रिक देश है अतः इसका दोष अपने ऊपर ही आता है क्योंकि सरकार आप चुनते हैं अतः हमें हमेशा लोकतान्त्रिक प्रक्रिया पर विश्वास करना चाहिए किसी भी समस्या के लिए पूरा देश उसमें हिस्सा लेता है अतः इसका दोष सरकार पर देने से क़ोई फायदा नहीं है अगर आपको अच्छा लगता है तो चुनना नहीं तो मत चुनना लेकिन एक चीज हमेशा याद रखना भारत की सेना ही हमारी रक्षा करती है पहले लड़ाकू विमानरूस के पुराने सब मिग 21,1978 के ज़माने के थे और अब फ्रांस का भारत द्वारा 36 राफेल विमानों से लैस है, जो भारत सरकार और जेट विमानों के फ्रांसीसी निर्माता डसॉल्ट के बीच हुए सौदे के तहत 2020 और 2022 के बीच वितरित किए गए अतः देश अब रक्षा के क्षेत्र में तेजी से आगे बढ़ रहा है और डिफेन्स ही आपके देश को एक ताकतवर देश बना सकती है और ताकत के दम पर ही आपका डंका विश्व में बजेगा देश के पूर्व राष्ट्रपति अबुल कलाम ने देश को बहुत सी मिसायल टेक्नोलॉजी दि है मुस्लिम होते हुए भी एक सच्चा हिंदुस्तानी यही हमारी देश की ताकत है जो शत्रु के पूर्ण रूप से मिट्टी में मिलाएगा,हमारे जो निर्दोष नागरिक के रक्त को बहाया है तो उसका अंजाम भी भुगतना पड़ेगा इंडियन आर्मी में भर्ती इतनी आसानी से नहीं होता है ऑपरेशन सिंदूर 25 जो बीते कुछ दिनों पहले हुई उसमें किसी के साहस हिम्मत और शौर्य को सलाम किया जाए तो वो निश्चित रूप से भारतीय सेनाओं को जाता है जिंदगी और मौत को बीच किसी की नहीं बल्कि देश की परवाह की आप सब टीवी पर देख रहे थे लेकिन जरा सोचिये बॉर्डर पर 24घण्टा डटे रहना कितना मुश्किल होता है ना खाने की चिंता ना सोने की ना ही परिवार की चिंता उसे आप कुछ समय के लिए अपने ऊपर ले कर देखें तो मालूम होगा कितना कठिन टास्क होता है इसलिए पाकिस्तान को मुँह की खानी पड़ी और सीजफायर को तोड़ने के बाद भी भारतीय सेना ने पीछे ढकेला है तभी दोबारा सीजफायर पर बात बनी उनका शौक है बस तिरंगा, अपना देश और देश के प्रति समर्पण,की भावना है अमेरिका खुद ही अपनी तारीफ का पूल बांध रहा था तभी चीन ने पाकिस्तान को सपोर्ट कर दिया और पुनः पाकिस्तान को लगा, गेंद हमारे पाले में आ गया है और सीजफायर का उलंघन किया और जब पाकिस्तान को लगा सारा बेकार अस्त्र चीन से मिल रहें हैं जो मार गिराया जा रहा है तो बाद में थक कर सीजफायर को लागू करना पड़ा. क्योंकि भारत का पाकिस्तान से नहीं वल्कि आतंकवादी से था जिन्होंने 9मई को 27से अधिक पर्यटक को बेरहमी से धर्म का झूठ फैलाकर हत्या कर दि अब ऐ सबाल आ रहा है कि भारत सरकार के सुरक्षा में चूक हुई लेकिन इजराइल पर जब हमास आतंकियों ने सैकड़ो लोगों से ज्यादा को क़त्ल कर दिया और 200को बंधक बना लिया जो 7अक्टूबर 23 में हुई लेकिन उसकी सबसे पावरफूल इंटेलीजेंन्सी मौसाद को भी खबर नहीं मिली देखिए इसमें होता क्या है आप किसी टूरिस्ट स्थान पर जा रहें हैं तो वहाँ मुश्किल से 2 -4 सुरक्षाकर्मी रहते हैं सब जगह कहाँ देखा होगा वो तो वहाँ के लोगों के विश्वास पर जाते हैं जिसकी अधिक जिम्मेदारी राज्य सरकार की होती है और जहाँ तक ऐ कहा जाता है मालूम था तो बताना चाहिए था सही नहीं कहा जा सकता है क्योंकि प्राइममिनिस्टर की हाई लेवल सुरक्षा रहती है और वो किसी कार्यक्रम के उद्देश्य से जाते हैं जरा सी चूक भारी पर सकती है और मान लीजिये बता दिया और आतंकवादी को पता चल गया तो वो सतर्क हो जायेंगे और आप ही कहँगे रूइमर था गलत था अतः आतंकवादी भी अपनी पूरी ट्रैनिग से आते हैं और स्थानीय लोगों से बिना मिले ऐ संभव नहीं होता है जब क़ोई उसको वहाँ टिकाया होगा तो ऐ देश के साथ गद्दारी है जम्मू काश्मीर भारत का अभिन्न अंग है फिर भी पता नहीं क्यों पाकिस्तान ने इसे भी अपना दावा करता है जो खुद ही काश्मीर के कुछ हिस्सों को कब्जे में लिए हुए है और पता नहीं क्यों अमेरिका भी बेबजह इसे मुद्दा बनाता आ रहा है यही सब गलतफहमी के कारण आतंकवादी को पैर पसारने का मौका मिल गया और पाकिस्तान की सेना व आईएसआई उसका पाल पोषण बड़े प्यार से करती आ रही है ..

संपादकीय

गोली चली तो गोला

पहलगाम आंतकी हमले के बाद तेजी से बदले घटनाक्रम के चलते 'ऑपरेशन सिंदूर' शुरू होते ही पाक स्थित बहावलपुर, मुरीदके व मुजफ्फराबाद में आतंकी ठिकानों को सेना ने मिट्टी में मिला दिया। फिर एक बार भारतीय सेना प्रोफेशनल मानकों पर खरी उतरी। जिसमें वायुसेना-नौसेना की महत्वपूर्ण भूमिका रही। 'ऑपरेशन-सिंदूर' की कामयाबी से बौखालए पाक ने एलओसी समेत कई शहरों पर हमले किये, जिसे हमारे प्रतिरक्षातंत्र ने विफल किया। विदेशी डिफेंस सिस्टम के साथ मिलाकर बनायी गई कई परतों वाली प्रतिरक्षा प्रणाली ने पाकिस्तान के तमाम हमले विफल कर दिए। तमाम विदेशी रक्षा विशेषज्ञों ने इस प्रणाली की मुक्त कंठ से प्रशंसा की। भारत के मारक हमलों के सामने असहाय पाकिस्तान ने अमेरिका, सऊदी अरब व चीन जैसे देशों से सीज़ फायर के लिये गुहार लगायी। लेकिन भारत ने अपनी शर्तों पर सीज़ फायर पर सहमति जतायी। साथ ही साफ किया कि भविष्य में कोई आतंकी घटना देश में होती है तो उसे युद्ध के तौर पर लिया जाएगा। प्रधानमंत्री ने दो टूक शब्दों में कहा कि सीमा पार से यदि कोई गोली चली तो उसका जवाब गोले से दिया जाएगा। सीज़ फायर के लिये प्रयास कर रहे अमेरिका को भी यह स्पष्ट कर दिया गया। वहीं दूसरी ओर विपक्ष लगातार कहता रहा कि इस मामले में तीसरे देश की भूमिका कतई स्वीकार नहीं की जाए। अमेरिकी राष्ट्रपति के कश्मीर में मध्यस्थता के कथन को भी सिरे से खारिज किया गया। उल्लेखनीय है कि न्यूयार्क टाइम्स की एक खबर के अनुसार प्रधानमंत्री ने अमेरिकी उप राष्ट्रपति जेडी वेंस को साफ बताया था कि पाकिस्तान की किसी भी हरकत की प्रतिक्रिया विनाशकारी साबित हो सकती है। निस्संदेह, भारत की सटीक कार्रवाई और पाकिस्तान के हमलों को विफल बनाने से दुनिया में स्पष्ट संदेश गया कि भारत एशिया की एक बड़ी शक्ति है। यह भी कि भारत अपनी सुक्षा को लेकर न केवल सतर्क है बल्कि पाकिस्तानी हमलों को विफल बनाने की ताकत भी रखता है। भारतीय सेनाओं का उत्कृष्ट प्रदर्शन इसकी मिसाल है। आधुनिक तकनीक व मजबूत प्रतिरक्षा तंत्र के बूते भारत पाक के सैन्य प्रतिष्ठानों, हवाई अड्डों व प्रतिरक्षा प्रणाली को करारी चोट देने में सफल हुआ। पाक को इसकी बड़ी कीमत चुकानी पड़ी। वहीं उसके मित्र तुर्की व चीन द्वारा दिए गए हथियारों, ड्रोन व प्रतिरक्षा प्रणाली को भारतीय सेनाओं ने नेस्तनाबूद कर दिया। हमने दुनिया को बताया कि हम अपनी संप्रभुता और नागरिकों की सुरक्षा से कोई समझौता नहीं करेंगे। वहीं यदि पाकिस्तान ने फिर आतंकवादियों को मदद-हथियार देकर भारत पर हमले करवाये तो उसकी हर हरकत का जवाब पहले से ज्यादा ताकतवर होगा। हालांकि, शनिवार को हुए समझौते के कुछ ही घंटों के बाद सीज़ फायर के अतिक्रमण ने बता दिया कि पाकिस्तान में चुनी हुई सरकार के बजाय सेना ही समांतर रूप से सत्ता चला रही है। जिसे भारत-पाक के बीच शांति पसंद नहीं है। तभी भारत ने स्पष्ट किया है कि पाक के साथ बातचीत राजनीतिक, ईएएम स्तर पर या एनएसए के बजाय सिर्फ डीजीएमओ स्तर पर ही होगी।

सत्य, भक्ति और संवाद के अग्रदूत देवर्षि नारद

(लेखक - योगेश कुमार गोयल)

(देवर्षि नारद जयंती (13 मई) पर विशेष)

नारद मुनि की छवि को एक चुगलखोर अर्थात् इधर की उधर करने वाले और आपस में भिड़ाकर क्लेश कराने वाले पौराणिक चरित्र के रूप में गढ़ दिया गया है लेकिन वास्तव में उनका प्रमुख उद्देश्य प्रत्येक भक्त की पुकार भगवान तक पहुंचाना ही परिलक्षित होता रहा है। वे एक लोक से दूसरे लोक में भ्रमण करते हुए संवाद-संकलन का कार्य कर एक सक्रिय एवं सार्थक संवाददाता की भूमिका निभाते रहे हैं। संवाद के माध्यम से वे तोड़ने का नहीं बल्कि जोड़ने का कार्य करते हैं और पत्रकारिता के प्रथम पितृ पुरूष हैं। देवताओं के ऋषि होने के साथ-साथ वे ब्रह्माण्ड के प्रथम दिव्य पत्रकार के रूप में लोकमंडल के संवाददाता हैं। उन्हें देवताओं का दिव्य दूत और संचार का अग्रणी साधक माना गया है। उन्हें ब्रह्माण्ड का पहला ऐसा संदेशवाहक अर्थात् पत्रकार माना जाता है, जो एक लोक से दूसरे लोक की परिक्रमा करते हुए सूचनाओं का आदान-प्रदान किया करते थे। मान्यता है कि देवर्षि नारद का जन्म ज्येष्ठ माह के कृष्ण पक्ष की प्रतिपदा के दिन हुआ था। इसीलिए प्रतिवर्ष इसी दिन नारद जयंती मनाई जाती है, जो इस वर्ष 13 मई को मनाई जा रही है। इस दिन भगवान विष्णु तथा माता लक्ष्मी का पूजन करने के पश्चात् देवर्षि नारद की पूजा की जाती है। अपनी वीणा की मधुर तान से भगवान विष्णु का गुणगान करने और अपने श्रीमुख से सदैव नारायण-नारायण का जप करते हुए विचरण करने वाले नारद को महर्षि व्यास, महर्षि वाल्मीकि तथा महाज्ञानी शुकदेव का गुरू माना जाता है। कुछ शास्त्रों में नारद मुनि को त्रिकालदर्शी और विष्णु का अवतार भी माना गया है। श्रीमद्भागवद्पुराण के अनुसार सृष्टि में भगवान विष्णु ने देवर्षि नारद के रूप में तीसरा अवतार ग्रहण किया है। कुछ स्थानों पर उनका वर्णन बृहस्पति के शिष्य के रूप में भी मिलता है।

धार्मिक पुराणों के अनुसार अनेक कलाओं तथा विद्याओं में निपुण देवर्षि नारद को संगीत की शिक्षा ब्रह्माजी ने स्वयं दी थी और भगवान विष्णु ने उन्हें माया के विविध रूप समझाए थे। मान्यता है कि देवर्षि नारद ने ही भक्त प्रह्लाद, भक्त अम्बरीष, भक्त ध्रुव इत्यादि भगवान विष्णु के कई परम भक्तों को उपदेश देकर उन्हें भक्ति मार्ग में प्रवृत्त किया था। उन्होंने ही भृगु कन्या लक्ष्मी का विवाह भगवान विष्णु के साथ कराया। देवराज इन्द्र को समझा-बुझाकर देव नर्तकी उर्वशी का पुरुरवा के साथ परिणय सूत्र कराया। इसके अलावा वे कई अत्याचारी महाराक्षसों द्वारा जनता के उत्पीड़न का वृत्तांत भगवान तक पहुंचाकर उनके विनाश का माध्यम भी बने। महर्षि वाल्मीकि को रामायण की रचना करने के लिए प्रेरित किया। यही कारण है कि समस्त युगों, कालों, विधाओं और वर्गों में सम्मान के पात्र रहे नारद जी को सभी लोकों के समाचारों की जानकारी रखने वाले कवि, मेधावी नीतिज्ञ तथा एक प्रभावशाली वक्ता के रूप में स्मरण किया जाता है। जन-जन के हितकारी देवर्षि नारद किस प्रकार धरती पर विभिन्न प्राणियों को दुखी देखकर स्वयं भी दुखी हो जाया करते थे, इसका उल्लेख भी एक पौराणिक कथा में मिलता है। कथानुसार, एक बार देवर्षि नारद ने बैकुंठधाम जाकर भगवान विष्णु से निवेदन किया कि वे पृथ्वी पर लोगों को दुखी देखकर खुद बहुत दुखी हैं क्योंकि वहां धर्म के रास्ते पर चलने वाले लोगों का नहीं बल्कि गलत कार्य करने वालों का ही भला होता है। भगवान विष्णु ने कहा कि हे नारद! ऐसा नहीं है और जो कुछ भी हो रहा है, सब नियति के जरिये ही हो रहा है। उन्होंने पूछा कि आखिर ऐसा आपने क्या देख लिया, जिसके आधार पर आप यह कह रहे हैं? तब देवर्षि ने कहा कि उन्होंने जंगल में दलदली जमीन में फंसी एक गाय देखी। एक चोर वहां आया और गाय को दलदल में फंसी देखकर भी उसकी कोई मदद करने के बजाय वह उसी पर चढ़कर दलदल लांघकर निकल गया, जिसे आगे जाकर सोने की मोहरों से भरी एक थैली मिली। कुछ पलों बाद वहां एक वृद्ध साधु आए, जिन्होंने काफी प्रयासों के बाद गाय को दलदल से बाहर निकाल दिया लेकिन थोड़ा आगे जाने पर वही साधु एक गहरे गड्ढे में गिरकर घायल हो गए। आखिर यह कौनसा न्याय है? देवर्षि की बातें सुनने के पश्चात् भगवान विष्णु ने कहा कि जो चोर गाय पर चढ़कर भाग गया था, उसकी किस्मत में तो एक बड़ा खजाना था लेकिन उसके इस पाप के कारण उसे केवल कुछ ही मोहरें मिली जबकि साधु को गड्ढे में इसलिए गिरना पड़ा क्योंकि उनके भाग्य में मृत्यु लिखी थी लेकिन गाय को बचाने के कारण उनके पुण्य बढ़ गए और उनकी मृत्यु एक छोटी सी चोट में बदल गई। भगवान विष्णु ने उन्हें समझाते हुए कहा कि किसी भी इंसान के कर्म से ही उसका भाग्य तय होता है। सद्गुणों के अथाह भंडार और समस्त शास्त्रों में प्रवीण देवर्षि नारद को शास्त्रों में मन का ऐसा भगवान कहा गया है, जो किसी भी होनी-अनहोनी को समय रहते पहचान लेते हैं। उन्हें वेदों और उपनिषदों का मर्मज्ञ, न्याय तथा धर्म का तत्वज्ञ, शास्त्रों का प्रकांड विद्वान, इतिहास व पुराण विशेषज्ञ, औषधि ज्ञाता, योगनिष्ठ, ज्योतिष एवं संगीत विशारद, भक्ति रस का प्रमुख तथा अतीत की बातों को जानने वाला माना गया है। वे एक ऐसे पौराणिक चरित्र हैं, जो तत्वज्ञान में परिपूर्ण हैं। पच्चीस हजार श्लोकों वाला प्रसिद्ध 'नारद पुराण' देवर्षि द्वारा ही रचा गया है, जिसमें उन्होंने भगवान विष्णु की भक्ति महिमा के साथ-साथ मोक्ष, धर्म, संगीत, ब्रह्मज्ञान, प्रायश्चित इत्यादि कई विषयों की मीमांसा प्रस्तुत की है। इसके अलावा संगीत का एक उत्कृष्ट ग्रंथ 'नारद संहिता' भी है।

(लेखक साढ़े तीन दशक से पत्रकारिता में निरंतर सक्रिय वरिष्ठ पत्रकार हैं)

(चिंतन- मनन)

श्रम रहित परिश्रम

महर्षि वेदव्यास किसी नगर से गुजर रहे थे। उन्होंने एक कीड़े को तेजी से भागते हुए देखा। मन में सवाल उठा- एक छोटा सा कीड़ा इतनी तेजी से क्यों भागा जा रहा है? उन्होंने कीड़े से पूछा- ऐ क्षुद्र जंतु! तुम इतनी तेजी से कहां जा रहे हो? कीड़ा बोला- हे महर्षि, आप तो इतने ज्ञानी हैं, यहां क्षुद्र कौन और महान कौन? क्या इनकी सही-सही परिभाषा संभव है? महर्षि सकपकाए। फिर सवाल किया- अच्छा बताओ कि तुम इतनी तेजी से कहां भागे जा रहे हो? इस पर कीड़े ने कहा-अरे! मैं तो अपनी जान बचाने के लिए भाग रहा हूं। देख नहीं रहे कि पीछे कितनी तेजी से बैलगाड़ी चली आ रही है।

कीडे के उत्तर ने महर्षि को फिर चौंकाया। वह बोले- पर तुम तो इस कीट योनि में पड़े हो। यदि मर गए तो तुम्हें दूसरा और अच्छा शरीर मिलेगा। इस पर कीड़ा बोला- महर्षि! मैं तो कीड़े की योनि में रहकर कीड़े का आचरण कर रहा हूं, पर ऐसे प्राणी बहुत हैं जिन्हें विधाता ने शरीर तो मनुष्य का दिया है, पर वे मुझ कीड़े से भी गया-गुजरा आचरण कर रहे हैं। महर्षि उस नन्हे से जीव के कथन पर सोचते रहे, फिर उन्होंने उससे कहा- चलो, हम तुम्हारी सहायता कर देते हैं। कीड़े ने पूछा- किस तरह की सहायता? महर्षि बोले-तुम्हें उठाकर मैं आने वाली बैलगाड़ी से दूर पहुंचा देता हूं। इस पर कीड़े ने कहा- धन्यवाद! श्रम रहित पराश्रित जीवन विकास के सारे द्वार बंद कर देता है। मुझे स्वयं ही संघर्ष करने दीजिए। महर्षि को कोई जवाब न सूझा।

विचार मंथन

न्यायमूर्ति वर्मा - इस्तीफा या महाभियोग?

(लेखक- सनत जैन)

देश की न्यायिक प्रणाली उस मोड़ पर खड़ी है, जहां नैतिकता, जवाबदेही और संवैधानिक मूल्यों की कसौटी पर हाईकोर्ट के एक वरिष्ठ न्यायाधीश का आचरण परखा जा रहा है। दिल्ली उच्च न्यायालय के पूर्व न्यायाधीश यशवंत वर्मा के आवास पर भारी मात्रा में नकदी बरामद होने और उसके बाद शुरू हुई जांच ने न्यायपालिका की छवि पर गहरा असर डाला है। जब मुख्य न्यायाधीश संजीव खन्ना ने व्यक्तिगत रूप से हस्तक्षेप कर उनसे इस्तीफा देने को कहा, तो यह स्पष्ट था, कि यह मामला सिर्फ कानूनी नहीं, नैतिक दृष्टि से न्यायपालिका के लिए गंभीर मामला है। न्यायमूर्ति वर्मा ने यह कहते हुए इस्तीफा देने से इनकार कर दिया कि यह उनके आत्मसम्मान के खिलाफ है। उनके खिलाफ साजिश रची गई है। यह बयान उस विश्वास को और चोट पहुंचाता है, जो देश की जनता न्यायपालिका पर भगवान के समान आस्था रखती है। जब आरोप इतने गंभीर हों, हाईकोर्ट के तीन मुख्य न्यायाधीशों की जांच समिति की रिपोर्ट भी आरोप की पुष्टि करे, तब यह तर्क कि 'यह साजिश है। एक जिम्मेदार संवैधानिक पद पर बैठे व्यक्ति के लिए अपर्याप्त कारण प्रतीत होता है। अब सवाल उठता है क्या न्यायमूर्ति वर्मा महाभियोग के जरिए हटाए जाएंगे, या अंतिम समय पर इस्तीफा देंगे? भारत का संविधान इस प्रक्रिया को स्पष्ट करता है। किसी उच्च न्यायालय के न्यायाधीश को हटाना अत्यंत कठिन और दीर्घ कालीन प्रक्रिया है, जिसके लिए संसद के दोनों सदनों में दो-तिहाई बहुमत की आवश्यकता होती है। यह लोकतंत्र की मजबूती और न्यायपालिका की स्वायत्तता का प्रतीक है। ऐसे मामलों में यह प्रक्रिया विलंब का कारण भी बन जाती है। वहीं वर्तमान संदर्भ में दोषियों को संरक्षण देने का काम भी करती है। इस संकट के समय में हमें यह नहीं भूलना चाहिए, कि संविधान सर्वोपरि है। न्यायपालिका ही सर्वोच्च संस्था है जो संविधान के अनुसार गुण और दोष के आधार पर फैसला करती है। न्यायपालिका की सर्वोच्चता का अर्थ यह नहीं कि वह जवाबदेही से मुक्त है। एक न्यायाधीश का आचरण न केवल उसके पद के अनुरूप गरिमा तय करता है बल्कि पूरे न्यायिक तंत्र की विश्वसनीयता से जुड़ा हुआ होता है। आज देश की निगाहें इस घटनाक्रम पर हैं। अगर न्यायमूर्ति वर्मा स्वयं त्यागपत्र देकर उच्च नैतिक मानदंड स्थापित करते, तो यह एक उदाहरण बनता। यदि उन्होंने त्यागपत्र नहीं दिया, तो महाभियोग ही वह रास्ता है जो यह सिद्ध करेगा, भारत में कानून से ऊपर कोई नहीं है। यह अवसर है, न्यायपालिका के आत्ममंथन का, सुप्रीम कोर्ट के मुख्य न्यायाधीश संजीव खन्ना ने न्यायपालिका की सर्वोच्चता को बरकरार रखने के लिए राष्ट्रपति और प्रधानमंत्री को कार्रवाई करने के लिए पत्र लिखा है। न्यायपालिका की जवाबदेही को मजबूत बनाए रखने के लिए संसद के पास यह मामला भेजा है। वह जज के मामले में उपयुक्त निर्णय लें। अगर न्याय के मंदिर को लेकर अविश्वास आ जाए, तो लोकतंत्र की नींव डगमगा सकती है। न्यायपालिका के प्रति आम नागरिकों की आस्था बनी रहे। विधायिका और कार्यपालिका के साथ-साथ न्यायपालिका भी अपना काम संविधान की भावना के अनुरूप आचरण करते हुये संविधान के नैतिक सिद्धांतों के आधार पर निर्णय करेंगे, तभी संविधान की रक्षा हो सकेगी। न्यायपालिका ने यह कार्यवाही कर साबित कर दिया है, न्यायपालिका की भी जवाबदेही संविधान के प्रति है। उसे भी संविधान के अनुसार अपने अधिकारों और कर्तव्यों के साथ कार्य करना होता है। न्यायाधीश यदि अपने पद और अधिकारों का दुरुपयोग करते हैं, तो वह भी दंडित होने के पात्र हैं। सर्वोच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश 13 मई को सेवानिवृत होने जा रहे हैं। उसके पहले उन्होंने राष्ट्रपति को पत्र भेजकर अपने संवैधानिक दायित्व को पूरा किया है। उन्होंने राष्ट्रपति और प्रधानमंत्री को हाईकोर्ट के न्यायाधीश यशवंत वर्मा पर उपयुक्त कार्यवाही करने के लिए लिखा है। निश्चित रूप से इससे न्यायपालिका की साख बनी रहेगी। हाईकोर्ट और सुप्रीम कोर्ट के जजों की सर्वोच्चता को बनाए रखने के लिए यह जरूरी था। सुप्रीम कोर्ट और हाईकोर्ट के जज संविधान के न्याय सिद्धांतों के आधार पर बिना किसी दबाव, बिना किसी भय और लालच के न्याय कर सकें।

संविधान ने जो दायित्व न्यायपालिका को सोंपा है, उसके अनुसार नागरिकों के मूल अधिकारों को संरक्षित कर पाएंगे, यह आशा की जाती है।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

एल्युमीनियम की वायदा कीमतों में मामूली तेजी

नई दिल्ली। हाजिर बाजार में मांग बढ़ने और सटोरियों के ताजा सौदे करने से वायदा बाजार में एल्युमीनियम की कीमत सोमवार को एक रुपये बढ़कर 235.40 रुपये प्रति किलोग्राम हो गईं। मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) में जून में आपूर्ति वाले वाले एल्युमीनियम की कीमत एक रुपये बढ़कर 235.40 रुपये प्रति किलोग्राम हो गई। इसमें 697 लॉट के लिए कारोबार हुआ। विश्लेषकों ने बताया कि उपभोक्ता उद्योगों की मांग के बीच कारोबारियों के ताजा सौदे करने से वायदा बाजार में एल्युमीनियम कीमतों को समर्थन मिला।

भारत मालदीव को देगा 50 मिलियन डॉलर की वित्तीय सहायता

नई दिल्ली। भारत ने मालदीव को आर्थिक सहायता प्रदान करने के लिए 50 मिलियन अमेरिकी डॉलर के ट्रेजरी बिल के रोलओवर का ऐलान किया है। मालदीव के विदेश मंत्री ने भारत सरकार और डॉ. एस जयशंकर को धन्यवाद दिया और इस साथ मित्रता को मजबूत करने का संकेत दिया। भारतीय उच्चायोग के अनुसार भारतीय स्टेट बैंक ने मालदीव के अनुरोध पर 50 मिलियन अमेरिकी डॉलर के सरकारी ट्रेजरी बिल को एक और वर्ष के लिए सब्सक्राइब किया है। इसके माध्यम से मालदीव को आपातकालीन वित्तीय सहायता प्राप्त होगी। मार्च 2019 से भारत सरकार एसबीआई ऐसे कई ट्रेजरी बिलों की सदस्यता की सुविधा प्रदान कर रही है और सालाना, ब्याज-मुक्त तरीके से मालदीव सरकार को रोलओवर कर रही है। यह सुविधा मालदीव को आपातकालीन वित्तीय सहायता के रूप में एक अनूठी सरकार-से-सरकार व्यवस्था के तहत दी गई है।

आईपीओ लाने पर तीन से पांच वर्ष में कर सकते हैं विचार: जॉपर सीओओ

नई दिल्ली। बीमा प्रौद्योगिकी कंपनी जॉपर वर्तमान में अपने परिचालन को बढ़ाने पर ध्यान केंद्रित कर रही है और अगले तीन से पांच वर्ष में सार्वजनिक होने पर विचार कर सकती है। इसके लिए वह निवेशकों से 2.5 करोड़ अमेरिकी डॉलर की विकास पूंजी जुटा रही है। कंपनी के सह-संस्थापक और मुख्य परिचालन अधिकारी (सीओओ) ने कहा` कि हमारे कारोबार का सकल मुनाफा सकारात्मक है। हम वर्तमान में सार्वजनिक होने की योजना बना रहे हैं, लेकिन हमें लगेगा कि सही समय है और हम अपने निवेशकों को उच्च पूर्वानुमान की पेशकश कर सकते हैं। जॉपर वर्तमान में 1,200 शहरों में मौजूद है और 40 बीमा कंपनियों के साथ गठजोड़ किया है। कंपनी ने विस्तार में तेजी लाने और नए युग की प्रौद्योगिकी में निवेश करने के लिए नई पूंजी जुटाने की योजना बनाई है। जॉपर की इस कदम से बीमा क्षेत्र में नई ऊर्जा और उत्पादकता की चर्चा हो रही है, जिससे उसकी वृद्धि में एक महत्वपूर्ण कदम साबित हो सकता है।

ट्रेड डील के असर में सोने की कीमतों में गिरावट

नई दिल्ली। रविवार देर रात अमेरिका और चीन के बीच हुई ट्रेड डील ने वैश्विक बाजारों को हिला दिया। सोने की कीमतों में गिरावट देखी गई। विश्लेषकों का मानना है कि सोना और सोने के दाम पर दूरी अब कम हो सकती है। जानकारों के अनुसार, यदि सोना 3270 डॉलर के नीचे गिरता है, तो भारतीय बाजार में सोने की कीमतें 90,000 रुपये प्रति 10 ग्राम तक पहुंच सकती हैं। पिछले कुछ दिनों सोने की कीमतों में तेजी देखी जा रही थी, लेकिन ट्रेड डील के बाद इसमें कमी आई है। वैश्विक बजट और निवेशकों की निगाहें अब सोमवार के अमेरिकी बाजार पर हैं, जिससे सोने की कीमतों पर कितना प्रभाव होगा, वह समय दिखाएगा। विशेषज्ञों का कहना है कि सोने में गिरावट एक अच्छा निवेश अवसर हो सकता है। यदि सोना 2800-3000 डॉलर की रेंज में आता है, तो निवेशकों के लिए यह अच्छा मौका हो सकता है, क्योंकि भविष्य में फिर से उछाल की संभावना है।

सी-डॉट की सिनर्जी क्वांटम के साथ साझेदारी, ड्रोन आधारित क्वाांटम सुरक्षित संचार को लेकर भारत की स्थिति होगी मजबूत

नई दिल्ली।

सेंटर फॉर डेवलपमेंट ऑफ टेलीमैटिक्स (सी-डॉट) ने सोमवार को ड्रोन आधारित क्वांटम सुरक्षित संचार को लेकर भारत की स्थिति मजबूत बनाने के लिए सिनर्जी क्वांटम इंडिया के साथ एक समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए। यह सुरक्षित संचार में देश की क्षमताओं को आगे बढ़ाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। इस साझेदारी का उद्देश्य विशेष रूप से ड्रोन बेस्ड सिस्टम के लिए कटिंग-एज क्वांटम की ड्रिस्ट्रिब्यूशन (क्यूकेडी) टेक्नोलॉजी को संयुक्त रूप से विकसित करना है। दूरसंचार विभाग (डीओटी) के तहत प्रमुख टेलीकॉम आरएंडडी संगठन सी-डॉट और क्वांटम टेक्नोलॉजी में विशेषज्ञता रखने वाली डीप-टेक कंपनी सिनर्जी क्वांटम पोलराइजेशन एनकोडिंग का इस्तेमाल कर बीबी84 प्रोटोकॉल बेस्ड क्यूकेडी सिस्टम बनाने के लिए मिलकर काम करेंगे। यह प्रोजेक्ट टेक्नोलॉजी रेडीनेस लेवल (टीआरएल) 6 या उच्चतर को लक्षित करेगी, जो क्वांटम-सुरक्षित संचार के विकास में महत्वपूर्ण प्रगति को दर्शाएगा। यह समझौता ज्ञापन आत्मनिर्भर भारत पहल के तहत स्वदेशी इनोवेशन को बढ़ावा देने के राष्ट्रीय लक्ष्य का समर्थन करता है। यह सहयोग उभरती हुई टेलीकॉम टेक्नोलॉजीज, विशेष रूप से क्वांटम कम्युनिकेशन में भारत की स्थिति को मजबूत करेगा, जो भविष्य के लिए महत्वपूर्ण इंफ्रास्ट्रक्चर को भविष्य के लिए सुरक्षित करने और डेटा सिक्योरिटी सुनिश्चित करने के लिए एक महत्वपूर्ण क्षेत्र है। दोनों संगठन समझौते के हिस्से के रूप में रिसर्च में सहयोग करेंगे। साथ ही राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय फंडिंग के लिए अनुदान प्रस्तावों का सह-विकास करेंगे और विद्वानों के लेखों और श्वेत पत्रों के माध्यम से अपने निष्कर्षों को प्रकाशित करेंगे। वे इस महत्वपूर्ण विषय पर जागरूकता फैलाने और ज्ञान साझा करने के लिए संगोष्ठियों, सम्मेलनों और प्रशिक्षण कार्यक्रमों की मेजबानी भी करेंगे। हस्ताक्षर समारोह में सी-डॉट के सीईओ डॉ. राजकुमार उपाध्याय ने कहा, क्वांटम टेक्नोलॉजीज अगली पीढ़ी के सुरक्षित संचार के लिए बहुत बड़ी संभावना रखती हैं। यह सहयोग स्वदेशी क्षमताओं के निर्माण और क्वांटम इनोवेशन में ग्लोबल लीडर के रूप में भारत की भूमिका में योगदान देने के हमारे साझा दृष्टिकोण को दर्शाता है।

वैश्विक मंच ने नवीकरणीय ऊर्जा क्षेत्र में भारत की प्रगति की सराहना की

सिंगापुर।

क्लाइमेट ग्रुप के मुख्य कार्यपालक अधिकारी हेलेन क्लार्कसन ने नवीकरणीय ऊर्जा क्षेत्र में भारत की प्रगति की सराहना की और कहा कि भारत एशिया के ऊर्जा बदलाव में अग्रणी भूमिका निभा रहा है। उन्होंने एशिया में ऊर्जा बदलाव में भारत की प्रगति को अप्रेरणादायक बताया और सौर ऊर्जा के प्रसार पर ध्यान देने की भारत की पहल की सराहना की। क्लार्कसन ने हाल ही में सिंगापुर में 'क्लाइमेट ग्रुप एशिया एक्शन समिट' का नेतृत्व किया था जिसमें व्यापारिक दिग्गजों और नीति निर्माताओं को एक चौंकाने वाला मंच पर आने का मौका मिला था। उन्होंने कहा कि वित्त वर्ष 2024-25 तक भारत की कुल स्थापित नवीकरणीय ऊर्जा क्षमता 220 गीगावाट तक पहुंच गई है। विशेष रूप से प्रोत्साहित करते हुए क्लार्कसन ने कहा कि एशिया के पास ढेर सारे अवसर हैं और वहां कुछ संकटों को हल करने की जरूरत है। उन्होंने साहसिक नेतृत्व, अभिनव समाधान और दीर्घकालिक विचार की आवश्यकता को जोर दिया और सरकारों से सहमति की अपील की। इस समिट से प्रेरित होकर भारत ने अपनी सौर ऊर्जा बढ़ाने की पहल कर रहा है, जिससे देश के जलवायु लक्ष्यों की स्थिरता में मदद मिलेगी। भारत की ऊर्जा बदलाव में अग्रणी भूमिका को सार्थक बनाने के लिए इसी दिशा में अगली कदम उठाने की आवश्यकता है।

भारतीय सर्राफा बाजार में सोना और चांदी की कीमतों में गिरावट

सोने का भाव 2,500 तक गिरकर लगभग 93,100 प्रति 10 ग्राम, चांदी 97,000 प्रति किलोग्राम

नई दिल्ली।

भारतीय सर्राफा बाजार में सोमवार को सोना और चांदी की कीमतों में बड़ी गिरावट दर्ज की गई है। विशेषज्ञों के मुताबिक, वैश्विक बाजार में मंदी, डॉलर की मजबूती और निवेशकों की कम मांग के कारण सोना और चांदी की कीमतें नीचे आ गई हैं। इंडिया बुलियन एंड ज्वैलर्स एसोसिएशन के अनुसार सोमवार को 24 कैरेट सोने का भाव 2,500 तक गिरकर लगभग 93,100 प्रति 10 ग्राम पहुंच गया है। वहीं 22 कैरेट सोने की कीमत 85,300 प्रति 10 ग्राम के आसपास है। चांदी की कीमत भी` गिरकर 97,000 प्रति किलोग्राम तक पहुंच गई है। इस गिरावट के माध्यम से खरीदारों के लिए सोना और चांदी खरीदने का सुनहरा अवसर हो सकता है, खासकर उनके लिए जो शादी-विवाह या निवेश के लिए इन धातुओं की खरीद कर रहे हैं। अनुमान है कि यह गिरावट भविष्य में अच्छे निवेश के अपेक्षाकृत असर डाल सकती है। विभिन्न प्रमुख शहरों में सोना और चांदी की कीमतें इस प्रकार हैं- दिल्ली 24 कैरेट सोना 93,200/10 ग्राम, 22 कैरेट सोना 85,400/10 ग्राम, मुंबई 24 कैरेट सोना 93,050/10 ग्राम, 22 कैरेट सोना 85,250/10 ग्राम, जयपुर 24 कैरेट सोना 93,300/10 ग्राम, 22 कैरेट सोना 85,500/10 ग्राम, चेन्नई 24 कैरेट सोना 93,400/10 ग्राम, 22 कैरेट सोना 5,600/10 ग्राम और लखनऊ 24 कैरेट सोना 93,250/10 ग्राम, 22 कैरेट सोना 85,450/10 ग्राम। इसी तरह, चांदी की कीमतें भी देखी गई हैं जो 95,000 प्रति किलोग्राम तक पहुंची।

संघर्ष विराम के बाद उछला बाजार

सेंसेक्स 2975 अंक , निफ्टी 916 अंक ऊपर आया

मुम्बई।

भारत-पाकिस्तान के बीच संघर्ष विराम के बाद सोमवार को भारतीय शेयर बाजार भारी उछाल के साथ बंद हुआ। सप्ताह के पहले ही कारोबारी दिन बाजार में ये उछाल दुनिया भर से मिले अच्छे संकेतों के साथ ही खरीदारी से आया है। दिन भर के कारोबार के बाद 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 2975.90 अंक बढ़कर 82,429.90 के स्तर पर बंद हुआ। वहीं 50 शेयरों वाला नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी भी 916.70 अंकों की बढ़त के साथ ही 24,924.70 पर बंद हुआ। आज कारोबार के दौरान लार्जकैप से लेकर मिड और स्मॉलकैप कंपनियों के शेयरों जमकर उछले। इस दौरान रिलायंस से लेकर लेकर एचडीएफसी बैंक तक के शेयरों में उछाल रहा।

आज जिन 10 शेयरों में सबसे अधिक तेजी रही । उनमें लार्जकैप कंपनियों में इफोसिस शेयर (7.91फीसदी), एचसीएल टेक शेयर 6.35 फीसदी, टाटा स्टील शेयर (6.16 फीसदी), टीसीएस शेयर (5.17फीसदी), रिलायंस शेयर (4.27फीसदी) वहीं मिडकैप कंपनियों में शामिल रेलवे के शेयर आवीएनएल में 11.02 फीसदी की बढ़त रही। स्मॉलकैप शेयरों में बजाज इलेक्ट्रिक के शेयर में 14.92 फीसदी की बढ़त रही। बाजार में तेजी के 5 बड़े कारण बाजार में तेज के पीछे भारत और पाकिस्तान के बीच संघर्ष विराम से तनाव कम होने की संभावन को बताया जा रहा है। वहीं दूसरा कारण अमेरिका और चीन के बीच कारोबार को लेकर करार होना है।

वहीं कंपनियों के तिमाही परिणामों के सकारात्मक रहने से भी बाजार को को बल मिला। वहीं एक अन्य कारण 14,000 करोड़ रुपये के निवेश को माना गया है। वहीं गत सप्ताह बाजार गिरावट पर

बंद हुआ था। इससे पहले आज सुबह सेंसेक्स और निफ्टी तेजी के साथ खुले। एचडीएफसी बैंक, रिलायंस इंडस्ट्रीज और आईसीआईसीआई बैंक जैसे शेयरों में तेजी से भी बाजार को सपोर्ट मिला।

सेंसेक्स सुबह 1000 से ज्यादा अंक उछलकर 80,803.80 पर खुला। सुबह की शुरुआत में यह 1845.75 अंक की तेजी के साथ 81,300.22 अंक पर कारोबार कर रहा था। सेंसेक्स की 30 कंपनियों में से 29 के शेयर हरे निशान में थे।

इसी तरह निफ्टी भी तेजी के साथ 24,420.10 अंक पर खुला। सुबह शुरुआत के बाद यह 574.65 अंक की जबरदस्त रैली के साथ 24,582.65 पर था।

धूम, जमकर कर रही कमाई

नई दिल्ली।

भारत में बनी कारें विदेशों में धूम मचा रही हैं। भारत की 6 कार मॉडल घरेलू बाजार की तुलना में अंतरराष्ट्रीय बाजारों में ज्यादा बिक रही हैं और जमकर कमाई कर रही हैं। हाल ही में जारी आंकड़ों से पता चलता है। इन कारों में होंडा की सिटी और एलिवेट, निसान की सनी और मैग्नाइट, हुंडई की वरना और जीप की मेरिडियन शामिल हैं।

सोसायटी ऑफ इंडियन ऑटोमोबाइल मैन्युफैक्चरर्स (एसआईएएम) के अनुसार, यह परिवर्तन भारत में इन मॉडलों की मांग में गिरावट और कंपनियों द्वारा वैश्विक बाजारों में इनकी क्षमता को पहचानने तथा वहां अपना ध्यान बढ़ाने के कारण है। होंडा एलिवेट को भारत में सितंबर 2023 में लॉन्च किया गया था, लेकिन इसकी घरेलू बिक्री सुस्त रही। इसके बावजूद वित्त वर्ष 2025 में एलिवेट की 45,167 इकाइयों का निर्यात किया गया, जबकि घरेलू बिक्री सिर्फ 22,321 इकाइयों तक सीमित रही।

हुंडई वरना के साथ भी कुछ ऐसा ही हुआ। भारत में सेडान की मांग में गिरावट के कारण वर्ना को अपेक्षित सफलता नहीं मिली, लेकिन मध्य पूर्व, अफ्रीका और लैटिन अमेरिका जैसे क्षेत्रों में इसकी लोकप्रियता ने हुंडई को बड़ा निर्यात आधार प्रदान किया। वित्त वर्ष 2025 में वर्ना की 50 हजार से अधिक इकाइयां निर्यात की गईं। इसी तरह निसान की मैग्नाइट और

जीप मेरिडियन ने भी अंतरराष्ट्रीय बाजारों में अच्छा प्रदर्शन किया। कंपनियों ने उत्पादन बनाए रखने और आपूर्तिकर्ताओं के साथ अनुबंधों को पूरा करने के लिए निर्यात को अपनी रणनीति का हिस्सा बना लिया है।

जिनेवा में अमेरिका-चीन के बीच हुआ बड़ा व्यापारिक सौदा

टैरिफ में सीधे 115 फीसदी की कटौती

नई दिल्ली।

दुनिया की दो सबसे बड़ी अर्थव्यवस्थाओं अमेरिका और चीन ने आपसी व्यापार विवाद को कम करने अगले 90 दिनों के लिए अधिकतर टैरिफ (आयात शुल्क) घटाने पर सहमति जताई है। अब तक दोनों देशों के बीच 125 फीसदी तक के टैरिफ लगाए जा रहे थे, जिन्हें घटाकर 10 फीसदी कर दिया गया है यानि टैरिफ में सीधे 115 फीसदी की कटौती की गई है। हालांकि फेंटानिल से जुड़ी चीनी वस्तुओं पर अमेरिका की 20 फीसदी की ड्यूटी पहले की तरह बनी रहेगी, जिससे चीन पर कुल टैरिफ 30 फीसदी रहेंगे। यह समझौता स्विट्जरलैंड के जिनेवा में एक सप्ताहांत की बैठक के दौरान हुआ, जिसमें अमेरिकी ट्रेजरी सचिव स्कॉट बेसेन्ट और व्यापार प्रतिनिधि जेमीसन ग्रेयर ने भाग लिया। स्कॉट बेसेन्ट ने कहा` कि हमारी बातचीत बहुत सफल रही। यहां जिनेवा की शांत और संतुलित जगह ने बातचीत को सकारात्मक दिशा दी। उन्होंने बताया कि 90 दिनों तक दोनों पक्ष टैरिफ में भारी कटौती करेंगे और इस दौरान आर्थिक और व्यापारिक नीतियों पर बातचीत जारी रखी जाएगी। इस फैसले से वैश्विक बाजारों में राहत की उम्मीद है और अमेरिका-चीन संबंधों में तनाव घटने की संभावना जताई जा रही है।

स्मार्टफोन आईक्यू नियो 10 को लॉन्च करने की तैयारी

नई दिल्ली।

भारत में आईक्यू अपने अपकमिंग मिड-रेंज स्मार्टफोन आईक्यू नियो 10को लॉन्च करने की तैयारी कर रहा है। इससे पहले ही इस स्मार्टफोन की पहली झलक पेश की है, जिसमें दो कलर वेरिएंट्स - इंफेरनों रेड और टीटानियम क्रोम का खुलासा किया गया है। इन वेरिएंट्स में कंपनी एक स्टाइलिश और प्रीमियम डिजाइन पेश करने जा रही है, जो यूजर्स को आकर्षित कर सकता है। आईक्यू नियो 10 का इंफेरनों रेड वेरिएंट डुअल-टोन फिनिश के साथ आता है, जो उसे एक आकर्षक लुक देता है। वहीं टीटानियम क्रोम वेरिएंट में सिंपल और क्लासी अपील है। दोनों वेरिएंट्स में स्क्वायर-कट कैमरा आइलैंड और डुअल कैमरा सेटअप दिया गया है, जो बैक पैनल से हल्का उभरा हुआ है। फोन के किनारे फ्लैट और कोने राउंड शेप में हैं, जो आजकल स्मार्टफोन्स में आम ट्रेंड बन गए हैं। आईक्यू नियो 10 की संभावित स्पेसिफिकेशन की बात करें तो यह फोन आईक्यू झेड10 टर्बो प्रो का रीब्रांडेड वर्जन हो सकता है। इसमें स्नैपड्रेगन 8एस जेन 4 एसओसी प्रोसेसर, 12जीबी रैम, 6.78 इंच एफएचडी प्लस 144एचझेड अमोलेड डिस्प्ले और 50एमपी प्लस 8एमपी डुअल रियर कैमरा सेटअप हो सकता है।

फोन में 7,000 एमएएच बैटरी हो सकती है, जो 120वॉट फास्ट चार्जिंग सपोर्ट करेगी।

कंपनी ने अपने फैंस के लिए एक खास मौका भी रखा है। आईक्यू 18 मई को मुंबई और मदुरै में स्नेक पीक सेसंश का आयोजन कर रहा है, जहां यूजर्स आईक्यू नियो 10 को लॉन्च से पहले एक्सपीरियंस कर सकते हैं। यह इवेंट्स पहले आओ, पहले पाओ के आधार पर होंगे, इसलिए इच्छुक यूजर्स को जल्दी रजिस्ट्रेशन करना जरूरी होगा। इन सेशन्स में बीजीएमआई गेमिंग टूर्नामेंट भी आयोजित किया जाएगा, जिसमें टॉप 3 टीमों को अमेजन वाउचर जीतने का मौका मिलेगा।

भारत-पाकिस्तान के बिजनेस ताल्लुकात में नजर आए बदलाव

जम्मू-कश्मीर और पंजाब में बढ़ा भंडारण

नई दिल्ली।

भारत और पाकिस्तान के बीच बढ़ती झड़प और दोनों देशों के खराब होते ताल्लुकात के बीच रोजमर्रा की जरूरतों का सामान बनाने वाली कंपनियों (एफएमसीजी) ने अपने उत्पादन संयंत्रों में काम के समय में बदलाव किए हैं। इन कंपनियों ने वितरकों को पर्याप्त भंडार का इंतजाम भी करने के लिए भी कह दिया है। वे अपने कर्मियों को सरकार के निर्देशों का पालन करने की भी हिदायत दे रही हैं। कुछ कंपनियों ने पाकिस्तान की सीमा से सटे राज्यों जम्मू कश्मीर, पंजाब और राजस्थान में वस्तुओं की उपलब्ता सुनिश्चित करने के लिए आपूर्तिकर्ताओं को अधिक सामान उपलब्ध करा रही हैं और उनसे तत्काल पैसे भी नहीं मांग रही हैं। एडब्ल्यूएल एग्री के एक वे रिष्ठ अे धिकारी ने बताया` कि फिरोजपुर में हमारी बासमती चावल प्रसंस्करण इकाई है जिसका ख्याल रखने की हमने पूरी कोशिश की है। हमारे कर्मचारी बगल में ही कर्मचारी आवास केंद्र में रहते हैं। पैकिंग थोड़ी धीमी गति से जरूर हो रही है मगर हमारे पास बासमती चावल के भंडार की कमी नहीं है। कंपनी के देश के तीन राज्यों में 15 गोदाम हैं और अब तक उसे कोई दिक्कत पेश नहीं आई है। उन्होंने कहा` कि हमने इन गोदामों में अधिक सामान भेजने शुरू कर दिए हैं और वितरकों को अधिक सामान इकट्ठा रखने के लिए कह रहे हैं। वितरक अमूमन 3-4 दिन का सामान खरीदतते हैं मगर हम उन्हें 7-8 दिन के भंडार का इंतजाम करने के लिए कह रहे हैं।

किआ सिरोज़ एसयूवी की कीमतों में बढ़ोतरी

नई दिल्ली।

किआ सिरोज़ एसयूवी की कीमतों में अब बढ़ोतरी हो गई है। इस एयूवी को भारतीय बाजार में फरवरी 2025 में लॉन्च की थी। अपने लांच के महज तीन महीने के भीतर ही इस एसयूवी की कीमतों में 5.56 प्रतिशत तक का इजाफा दर्ज किया गया है।

सबसे ज्यादा बढ़ोतरी इसके बेस वेरिएंट में देखने को मिली है, जिसकी कीमत अब करीब 50,000 रुपए तक बढ़ गई है। इस बढ़ोतरी के बाद अगर कोई ग्राहक इस एसयूवी को खरीदना चाहता है, तो उसे पहले की तुलना में अधिक भुगतान करना होगा। कंपनी ने इस मूल्यवृद्धि के पीछे कोई स्पष्ट कारण तो नहीं बताया, लेकिन अनुमान है कि मैन्युफैक्करिंग लागत में इजाफा, इनपुट मटेरियल की कीमतों में वृद्धि और बढ़ती डिमांड इसकी वजह हो सकती है। किआ सिरोज़ को लॉन्च के बाद से ग्राहकों से बेहतरीन प्रतिक्रिया मिली है। मार्च 2025 के आंकड़ों के अनुसार, कंपनी ने इस एसयूवी की 5,015 यूनिट्स की बिक्री की, जो कि इसके सेगमेंट के लिहाज से अच्छा प्रदर्शन माना जा रहा है।

हालांकि कीमतें बढ़ने के बाद अब देखना दिलचस्प होगा कि इसका ग्राहकों की बुकिंग और डिमांड पर क्या असर पड़ता है। कंपनी को भरोसा है कि किआ सिरोज़ के प्रीमियम फीचर्स, आकर्षक लुक और शानदार ड्राइविंग एक्सपीरियंस के चलते ग्राहकों की रुचि बनी रहेगी। अगर कोई ग्राहक इस एसयूवी को खरीदने की सोच रहा है, तो थोड़ी ज्यादा कीमत चुकानी पड़ सकती है, लेकिन यह अब भी अपने फीचर्स और परफॉर्मेंस के लिहाज से एक वैल्यू फॉर मनी विकल्प माना जा रहा है।

एप्पल के आईफोन का भारत से अमेरिका में निर्यात में भारी बढ़ोतरी

17,000 करोड़ का आंकड़ा पार

नई दिल्ली।

एप्पल ने 2025 के अप्रैल में भारत से अमेरिका के लिए आईफोन के निर्यात में बड़ी बढ़ोतरी देखी है।

कंपनी के तीन वेन्डर्स द्वारा सरकार को दी गई रिपोर्ट के मुताबिक, अप्रैल में आईफोन का निर्यात 17,219 करोड़ से अधिक हुआ, जो पिछले साल के 7,971 करोड़ से 116 प्रतिशत अधिक है।

एप्पल ने दूसरी तिमाही की इनकम कॉल में घोषणा की है कि अब से अमेरिका के लिए ज्यादातर आईफोन भारत से ही भेजे जाएंगे। इस गतिविधि के दौरान, चेन्नई से शिकागो तक कई विमानों में आईफोन भेजे गए हैं। 2023 में, एप्पल ने भारत में तीसरी सालगिरह मनाते हुए 8,772 करोड़ मूल्य के आईफोन का उत्पादन किया था, जिसमें से 57 प्रतिशत यानी 4,987 करोड़ का निर्यात हुआ था। अप्रैल 2024 में उत्पादन 10,894 करोड़ हुआ और निर्यात 7,971 करोड़ रहा, जो कुल उत्पादन का 73 प्रतिशत था। अब, अप्रैल 2025 में कुल उत्पादन 21,400 करोड़ तक पहुंच गया, जिसमें 81 प्रतिशत यानी 17,300 करोड़ का निर्यात भारत से हुआ और ज्यादातर इन आईफोन को अमेरिका के लिए भेजा गया। एप्पल ने 2024 के दिसंबर से निर्यात में वृद्धि की है क्योंकि अमेरिका ने चीन से आईफोन आयात पर 20 प्रतिशत शुल्क लगा दिया है, जबकि भारत से आईफोन निर्यात पर कोई शुल्क नहीं है।

अगर अमेरिका भारत से पूरी तरह आईफोन की मांग पूरी करता है, तो अगले 18 महीनों में भारत में आईफोन उत्पादन को दोगुना करना पड़ेगा, जो 1.89 लाख करोड़ से बढ़कर 3.5 लाख करोड़ हो सकता है। 7,971 करोड़ से बढ़ते हुए 17,219 करोड़, भारत से अमेरिका के लिए आईफोन निर्यात में भारी वृद्धि दर्ज की गई है।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

टेस्ट करियर को खुशी से याद रखूंगा: विराट

मुम्बई।

अनुभवी बल्लेबाज विराट कोहली ने सोमवार को टेस्ट क्रिकेट से संन्यास की घोषणा कर दी। 36 साल के विराट ने इसके बाद कहा कि मैंने अपना सर्वश्रेष्ठ टीम को दिया है और मैं खुशी से अपने टेस्ट करियर को याद करुंगा। कोहली ने पिछले साल ही टी20 अंतरराष्ट्रीय से संन्यास ले लिया था अब केवल एकदिवसीय प्रारुप में ही खेलेंगे। उन्होंने अब तक भारत की ओर से 123 टेस्ट मैच खेले हैं जिसमें उन्होंने 46.85 के औसत और 30 शतकों की सहायता से 9230 रन बनाए हैं। कोहली ने सोशल मीडिया में कहा, ''जब मैं खेल के इस प्रारूप से दूर जा रहा हूं तो मेरे लिए यह आसान नहीं है पर ये सही लगता है। मैंने इसे अपना सबकुछ दिया है और इसने भी मुझे उम्मीदों से कहीं अधिक बढ़कर दिया है। उन्होंने कहा, ''मैं खेल के लिए, मैदान पर खेलने वाले लोगों के लिए और हर उस व्यक्ति के लिए आभार लेकर जा रहा हूं जिसने मुझे इस दौरान खेलते हुए देखा। विराट से पहले रोहित शर्मा ने भी पिछले सप्ताह टेस्ट प्रारुप से संन्यास ले लिया।

आईपीएल के 16 या 17 मई से फिर शुरु होने की संभावना

कोलकाता की जगह अहमदाबाद में हो सकता है फाइनल

मुम्बई।

भारत और पाकिस्तान के बीच संघर्ष विराम के कारण अब आईपीएल 2025 सत्र के बचे हुए मैच 16 या 17 मई से फिर शुरु होंगे। वहीं फाइनल का आयोजन स्थल कोलकाता से बदलकर अहमदाबाद किये जाने की संभावना है। आईपीएल संचालन परिषद के सदस्यों और भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) ने गत दिवस लीग को फिर से शुरू करने की योजना पर बात की थी। बीसीसीआई के उपाध्यक्ष राजीव शुक्ला ने कहा कि बोर्ड अभी कार्यक्रम बनाने पर काम कर रहा है। शुक्ला ने कहा, 'अभी तक आईपीएल पर कोई अंतिम फैसला नहीं हुआ है। बीसीसीआई अधिकारी समाधान पर काम कर रहे हैं। इसमें बीसीसीआई सचिव, आईपीएल अध्यक्ष फ्रेंचाइजी और सभी के साथ बातचीत हो रही है। इसलिए बहुत जल्द हमें फैसले के बारे में पता चल जाएगा। टूर्नामेंट को शीघ्र शुरू करने के प्रयास किए जा रहे हैं।

ये भी अटकलें हैं कि लीग लखनऊ सुपर जाइंट्स और रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) के बीच 9 मई का रद्द हुए मैच के साथ ही फिर से शुरु होगी। इसी कारण सभी टीमों को अपने खिलाड़ियों को वापस बुलाने के लिए कहा गया है। टूर्नामेंट 16 या 17 मई को लखनऊ में फिर से शुरू होगा। सबसे अधिक संभावना है कि मैच चार स्थानों पर आयोजित किए जाएंगे और दिल्ली तथा धर्मशाला को और मैचों की मेजबानी नहीं मिलेगी।

क्वालीफायर एक और एलिमिनेटर के लिए स्थल में कोई बदलाव नहीं होगा जिसकी मेजबानी हैदराबाद को करनी थी पर कोलकाता को एक जून को होने वाले फाइनल की मेजबानी नहीं मिलेगी क्योंकि मौसम विभाग के अनुसार उस दिन बारिश की संभावना है हालांकि अभी तक प्लेऑफ चरण के लिए स्थलों में कोई बदलाव नहीं किया गया है पर ऐसा लगता है कि बारिश कोलकाता की संभावना को देखते हुए फाइनल अहमदाबाद में खेला जा सकता है।

वहीं बीसीसीआई सचिव देवजीत सैकिया ने कहा, 'अगले कुछ दिनों में हम लीग के शेष मैचों की मेजबानी करने वाली फ्रेंचाइजी, प्रसारकों, प्रायोजकों और राज्य संघों के साथ परामर्श

शुरू करेंगे।

इस समय आईपीएल के महत्व को देखते हुए इसे फिर से शुरू करने के समय को अंतिम रूप देने से पहले भारत सरकार की मंजूरी लेना भी जरुरी होगा। यह संभव है कि पंजाब किंग्स और दिल्ली कैपिटल्स को गुरुवार को रद्द हुए मैच के लिए एक-एक अंक दिया जाए।

आईपीएल के लिए अब शायद ही वापस लौटें विदेशी खिलाड़ी

मुम्बई।

भारत ओर पाकिस्तान के बीच पिछले सप्ताह तनाव के कारण सीमावर्ती क्षेत्रों में ब्लैकआउट की स्थित थी और आईपीएल मुकाबले भी स्थगित कर दिये गये थे। ऐसे में सभी विदेशी खिलाड़ी अपने-अपने घरों को लौट गये थे। अब जबकि दोनो ही देशों के बीच संघर्षविराम शुरु हो गया है और हालात भी सामान्य होने लगे हैं। ऐसे में आईपीएल मुकाबले भी फिर शुरु होने की संभावना है। वहीं अब टीमें अपने विदेशी खिलाड़ियों को बुलाने लगी हैं पर माना जा रहा है कि कई खिलाड़ी शायद ही वापस लौटें। वहीं दूसरी ओर संकेत मिले हैं कि आईपीएल के शेष मैच 16 या 17 मई से शुरू हो जाएंगे और मई के अंत तक टूर्नामेंट समाप्त हो जाएगा। वहीं कहा जा रहा है कि जो भारत छोड़ चुके हैं उनके वापस लौटने की संभावना नहीं है। इसमें ज्यादातर ऑस्ट्रेलियाई खिलाड़ी शामिल हैं। इनमें तेज गेंदबाज जोश हेजलवुड और मिचेल स्टार्क का नाम सबसे ऊपर है। हेजलवुड इंजरी के कारण शायद ही वापस लौटें क्योंकि वह अधिकतर मैचों से बाहर रहे हैं जबकि स्टार्क के मैनेजर ने कहा है कि जिस तरह के तनाव से वह लौटे हैं उससे थक गये हैं और आराम चाहते हैं। इसके अलावा दक्षिण अफ्रीका के भी कुछ खिलाड़ियों के लौटने की संभावना नहीं क्योंकि ये अब

अगले माह होने वाले विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप फाइनल की तैयारी करेंगे। विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप फाइनल के लिए ऑस्ट्रेलिया की संभावित टी में मिचेल स्टार्क, जोश हेजलवुड, जोश इंग्लिस और पैट कमिंस हैं जबकि दक्षिण अफ्रीका की टीम में ट्रिस्टन स्टब्स, मार्को यानसेन, कगिसो रबाडा और लुंगी एनगिडी जैसे खिलाड़ी हैं। ऐसे में इनके आईपीएल के लिए वापसी की उम्मीद नहीं है।

मुझे करियर में बिना किसी कारण भी आलोचना झेलनी पड़ी है: रोहित

नई दिल्ली।

भारतीय एकदिवसीय क्रिकेट टीम के कप्तान रोहित शर्मा ने कहा है कि उन्हें अपने करियर में गैरजरुरी आलोचना का भी सामना करना पड़ा है। पिछले सप्ताह ही टेस्ट प्रारुप को अलविदा कहने वाले रोहित ने कहा कि कई बार उन्हें बिना किसी बात के भी आलोचना झेलनी पड़ी है। रोहित ने कहा कि आलोचना का कोई प्रभाव नहीं होता ऐसा नहीं है। इससे एक प्रकार से मानसिक दबाव पड़ता है। रोहित के बारे में माना जा रहा है कि बाएं हाथ के तेज गेंदबाजों के खिलाफ खेलने में उन्हें परेशानी रही है। इसी को लेकर उन्होंने कहा, मेरे बारे में ये भी कहा गया है कि मैं बाएं हाथ के तेज गेंदबाजों के सामने सहज तरीके से नहीं खेल पाता हूं। ऐसा होता है और ये खेल का हिस्सा है पर अगर आप हर बात को लेकर अपना बचाव नहीं कर सकते। अगर आप करते हैं तो आप अपना समय बर्बाद कर रहे होते हैं। अपना बचाव करना ही मेरा काम नहीं है। गौरतलब है कि रोहित ने पिछले सप्ताह टेस्ट प्रारुप से संन्यास ले लिया था जबकि पिछले साल उन्होंने एकदिवसीय प्रारुप को अलविदा कह दिया था। रोहित के अनुसार वह पहले की तरह ही एकदिवसीय अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट खेलते रहेंगे। रोहित ने एकदिवसीय क्रिकेट में 273 मैचों में 11,168 रन बनाए हैं जिसमें उनका औसत 48.76 का रहा है।

विराट ने टेस्ट क्रिकेट से संन्यास लिया

नई दिल्ली।

भारतीय क्रिकेट टीम के अनुभवी बल्लेबाज और पूर्व कप्तान विराट कोहली ने सोमवार को टेस्ट क्रिकेट से संन्यास की घोषणा कर दी। पिछले सप्ताह कप्तान रोहित शर्मा के टेस्ट प्रारुप से संन्यास लेने के बाद ही विराट ने भी संन्यास की इच्छा जतायी थी। वहीं भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) उन्हें टीम में बने रहने के लिए मना रहा था पर विराट ने उसके अनुरोध को नहीं माना और सोशल मीडिया के जरिये अपने संन्यास की आधिकारिक तौर पर घोषणा कर दी। विराट ने रोहित के साथ ही टी20 विश्व कप के बाद टी20 प्रारुप को भी अलविदा कह दिया था। ऐसे में अब वह भी रोहित की तरह केवल एकदिवसीय प्रारुप में ही खेलेंगे। विराट ने सोशल मीडिया में लिखा है 269 साइनिंग ऑफ। 269 उनका टेस्ट कैप का नंबर है। इसी के साथ ही उनके इंग्लैंड दौरे पर नहीं जाने की पुष्टि हो गयी है। अपने संन्यास की घोषणा करते हुए विराट ने सोशल मीडिया में लिखा, टेस्ट क्रिकेट में पहली बार बैगी ब्लू पहने हुए 14 साल हो चुके हैं। ईमानदारी से कहूं तो मैंने कभी नहीं सोचा था कि यह प्रारूप मुझे किस सफर पर ले जाएगा। इसने मेरी परीक्षा ली, मुझे आकार दिया और मुझे ऐसे सबक सिखाए, जिन्हें मैं जीवन भर साथ रखूंगा। सफेद कपड़ों में खेलना एक बहुत ही निजी अनुभव है। शांत परिश्रम, लंबे दिन, छोटे-छोटे पल, जिन्हें कोई नहीं देखता, लेकिन जो हमेशा आपके साथ रहते हैं। विराट ने साथ ही लिखा, मैं इस फॉर्मेट से दूर हो रहा हूं पर यह आसान नहीं है। हालांकि, यह सही लगता है। मैंने इसमें अपना सबकुछ दिया है, और इसने मुझे मेरी उम्मीद से कहीं ज्यादा मुझे दिया है। मैं दिल से आभार के साथ जा रहा हूं। खेल के लिए, उन लोगों के लिए जिनके साथ मैंने मैदान साझा किया और हर एक व्यक्ति के लिए जिसने मुझे इस दौरान देखा। मैं हमेशा अपने टेस्ट करियर को मुस्कुराते हुए देखूंगा। 269, साइनिंग ऑफ। गौरतब है कि इससे पहले बीसीसीआई ने विराट को इंग्लैंड दौरे के लिए कप्तान बने रहने को कहा था। इसके अलाव अंबाति रायुडू सहित कई क्रिकेटरों और प्रशंसकों ने भी उनसे संन्यास न लेने का अनुरोध किया था। माना जा रहा है कि विराट ने अपने संन्यास का फैसला एकदिवसीय प्रारुप में अपने कैरियर को लंबा करने लिया है।

सबसे सफल कप्तानों में शामिल रहे

विराट साल 2014 में ऑस्ट्रेलिया दौरे पर पहली बार टेस्ट टीम के कप्तान बनाए गए थे क्योंकि तब महेन्द्र सिंह धोनी ने बीच सीरीज में ही टेस्ट से संन्यास ले लिया था। विराट ने साल 2022 तक 68 टेस्ट में टीम इंडिया की कप्तानी की है जिसमें भारतीय टीम ने 40 मुकाबले जीते जबकि 11 टेस्ट मैचों का परिणान नहीं निकला। वह भारतीय टीम के सबसे सफल कप्तानों में शामिल रहे हैं

संक्षिप्त समाचार

फ्रेंच ओपन के लिए फार्म हासिल करना चाहते हैं जोकोविच

लंदन।

सर्बियाई टेनिस स्टार नोवाक जोकोविच का लक्ष्य 25 मई से शुरु होने वाले फ्रेंच ओपन टेनिस टूर्नामेंट से पहले अपना फार्म हासिल करना है। इसी कारण 24 बार के ग्रैंड स्लैम विजेता जोकोविच ने जिनेवा ओपन में वाइल्डकार्ड वे प्रवेश लिया है। जिससे वह अपना फॉर्म और फिटनेस हासिल कर सकें। जोकोविच का प्रदर्शन पिछले कुछ समय से अच्छा नहीं रहा है। मोंटे कार्लो और मैड्रिड ओपन में शुरुआती दौर में ही बाहर हो गए थे, और अपने पिछले तीन मैच लगातार हार चुके हैं। वहीं उन्होंने इस बार एटीपी मास्टर्स 1000 टूर्नामेंट रोम ओपन से नाम वापस ले लिया था हालांकि उन्होंने टूर्नामेंट से हटने का कोई आधिकारिक कारण नहीं बताया है पर कहा जा रहा है कि वह फ्रेंच ओपन की तैयारियों पर ही ध्यान देना चाहते हैं। जोकोविच का यह सत्र अब तक अच्छा नहीं रहा है। वह ऑस्ट्रेलियन ओपन 2025 के सेमीफाइनल तक पहुंचे थे पर जर्मनी के एलेक्जेंडर ज्वेरेव के खिलाफ चोटिल होन के कारण बीच में ही उन्हें हटना पड़ा था। इसके बाद मियामी ओपन में वापसी से पहले उन्हें लगातार तीन मैचों में हार का सामना करना पड़ा था। यहां तक कि चेक गणराज्य के युवा खिलाड़ी जैकब मेनसिक से भी वह हार गये थे। उनके नाम अब तक 99 एटीप एटीपी खिताब है और वह उनका लक्ष्य फ्रेंच ओपन जीतकर सौवां एटीपी खिताब अपने नाम करना रहेगा।

भारत ए टीम की घोषणा आज होने की संभावना, अभिमन्यु ईश्वरन को मिल सकती है कप्तानी

मुम्बई।

भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) 13 मई को इंग्लैंड दौरे के लिए भारत ए टीम की घोषणा कर सकती है। भारतीय टीम को अगले माह जून में इंग्लैंड के दौरे पर जाना है और इससे पहले इंडिया ए को इंग्लैंड में 2 मैच खेलने हैं। भारतीय ए टीम को इस दौरे में इंग्लैंड लायंस से खेलना है। इंडिया ए टीम में खेलने वाले खिलाड़ियों के नाम तकरीबन तय है। इसकी कप्तानी अभिमन्यु ईश्वरन कप्तानी को मिल सकती है। इंडिया ए को तीन गैर आधिकारिक टेस्ट मैच खेलने हैं, जिनमें 30 से 2 जून तक और 6 से 9 जून तक इंग्लैंड लायंस के खिलाफ मैच है और 13 से 16 जून तक भारतीय टीम से खेलना है। ईश्वरन के अलावा शुरुआती टीम में चयन के लिए तनुश कोटियान, बाबा इंद्रजीत, आकाश दीप, करुण नायर जैसे खिलाड़ी शामिल हैं। ध्रुव जुरेल और नितीश रेड्डी शुरू में ए टीम का हिस्सा होंगे और बाद में उन्हें सीनियर टीम में शामिल किया जाएगा। शार्दुल ठाकुर का सीनियर टीम में शामिल होना तय है। वहीं ईशान किशन को शायद ही अवसर मिले। जुरेल और ऋषभ पंत के सीनियर टीम में होने के कारण ए टीम में उनके चयन की संभावनाएं नहीं हैं। श्रेयस अय्यर का चयन पक्का नहीं है। श्रेयस ने पिछले एक साल से अधिक समय से लंबे प्रारुप में नहीं खेला है। इसी कारण उन्हें जगह नहीं मिल रही।

टेस्ट में विराट की शानदार पारियां

मुम्बई।

भारतीय क्रिकेट टीम के अनुभवी बल्लेबाज विराट कोहली ने सोमवार को टेस्ट क्रिकेट से संन्यास की घोषणा कर दी। विराट के संन्यास के साथ ही उनकी 14 साल के टेस्ट करियर का समापन हो गया। रन मशीन के नाम से लोकप्रिय विराट ने अपने शानदार खेल से प्रशंसकों का बेशुमार प्यार हासिल किया है। वह अपने एक से बढ़कर एक परियों के कारण याद रखे जाएंगे।

पुणे में बनाया सर्वश्रेष्ठ टेस्ट स्कोर 254 रन

विराट कोहली का करियर का सर्वश्रेष्ठ टेस्ट स्कोर 254 रन रहा है जो उन्होंने पुणे में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ 2019 सीरीज के दूसरे टेस्ट में बनाया था। कोहली ने करीब आठ घंटे तक बल्लेबाजी की और 33 चौकों और 2 छक्के लगाये। उन्होंने वर्नोन फिलेंडर और डेब्यू करने वाले एनरिक नॉर्टजे जैसे बेहतरीन दक्षिण अफ्रीकी गेंदबाजी आक्रमण को प्रभावहीन बना दिया था। कोहली के नाबाद दोहरे शतक से तब भारतीय टीम ने पांच विकेट पर 601 रन बनाये और अंत में एक पारी और 137 रनों की मैच जीता:

वहीं सेंचुरियन में 153 रन

2018 में सेंचुरियन में विराट ने विदेशी हालातों में अपनी सबसे अच्छी पारी खेली। मोर्ने मोर्कल, कैगिसो रबाडा और वर्नोन फिलेंडर जैसे दक्षिण अफ्रीकी तेज गेंदबाजी आक्रमण के खिलाफ कोहली ने 153 रन बनाए।कोहली दूसरे छोर पर विकेट गिरने के बावजूद जमे रहे। उनकी पारी में 15 चौके शामिल थे

2018 में एजबेस्टन में 149 रन

विराट कोहली ने 149 रन की शानदार पारी खेलकर आलोचकों को करारा जवाब दिया। यह इंग्लैंड में उनका पहला शतक भी था। 2014 में इंग्लैंड में अपने खराब प्रदर्शन के बाद भारी दबाव में श्रृंखला में शामिल होने के बाद कोहली ने जेम्स एंडरसन और स्टुअर्ट ब्रॉड जैसे मजबूत आक्रमण का सामना किया, जो एक बार फिर चुनौतीपूर्ण परिस्थितियों में था।

2016 में मुंबई में 235 रन

इंग्लैंड के भारत दौरे के चौथे टेस्ट में कोहली ने 235 रनों की शानदार पारी खेली जो उस समय टेस्ट क्रिकेट में उनका सर्वोच्च स्कोर था।

स्पिन के लिए मददगार साबित हो रही पिच पर इंग्लैंड के स्पिनरों और तेज गेंदबाजों का बखूबी सामना करते हुए उन्होंने ये पारी खेली

2014 में एडिलेड में 115 और 141 रन

एमएस धोनी की चोटिल होने के बाद पहली बार भारत के टेस्ट कप्तान के रूप में कार्यभार संभालते हुए कोहली ने दो शतकों के साथ आगे बढ़कर नेतृत्व किया। उन्होंने पहली पारी में 115 और दूसरी में 141 रन बनाए।

2027 एकदिवसीय विश्वकप क्वालीफाई करने इंग्लैंड को जीतनी होगी विस्टइंडीज के खिलाफ सीरीज

लंदन।

इंग्लैंड की टीम अपने नए कप्तान हैरी ब्रूक के नेतृत्व में अब वेस्टइंडीज के खिलाफ इसी माह शुरु होने वाली एकदिवसीय सीरीज में बड़ी जीत दर्ज कर 2027 विश्वकप के लिए क्वालीफाई करने की दौड़ में बने रहने उतरेगी। इसका कारण ये है कि इंग्लैंड की टीम के लिए 2027 एकदिवसीय विश्व कप के लिए क्वालीफाई करना मुश्किल होता जा रहा है। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद(आईसीसी) की एकदिवसीय रैंकिंग में वह आठवें नंबर पर खिसक गयी है। इंग्लैंड की टीम रैंकिंग में श्रीलंका, पाकिस्तान और अफगानिस्तान से भी नीचे आठवें स्थान पर आ गयी है। उसके केवल 84 रेटिंग अंक हैं। ऐसे में उसके लिए क्वालीफाई करना करना कठिन होता जा रहा है। ऐसे में वेस्ट टइंडीज के साथ 29 मई से 3 एकदिवसीय मैचों की सीरीज उसके लिए अहम। इस सीरीज में अगर वह जीती तो सातवें नंबर पर पहुंच जाएगी। वहीं अगर इस सीरीज में वेस्ट टइंडीज जीतती है तो इंग लैंड टीम 9वें पायदान पर पहुंच जाएगी। इससे विश्व कप के लिए क्वालीफाई करने में उसे और भी मुश्किलें आयेंगी, ऐसे में उसका लक्ष्य इस सीरीज में किसी भी प्रकार बड़ी जीत दर्ज करना रहेगा। अगर इंग्लैंड रैंकिंग के जरिए सीधे क्वालीफाई नहीं कर पाता है, तो उसे पहली बार विश्व कप क्वालीफायर खेलना पड़ सकता है। इंग्लैंड की टीम पिछले एक साल में 14 एकदिवसीय में से केवल तीन ही जीती है। इससे उसे रेटिंग अंक घटकर 84 हो गये हैं। एकदिवसीय विश्व कप 2027 में 14 टीमें हिस्सा लेंगी। इसमें सह मेजबान होने के कारण जिम्बाब्वे और दक्षिण अफ्रीका को पहले ही टूर्नामेंट के लिए प्रवेश मिल गया है। इसके अलावा एकदिवसीय रैंकिंग की शीर्ष आठ टीमों को ही टूर्नामेंट में अवसर मिलेगा। इंग लैंड रैंकिंग में वर्तमान में आठवें स्थान पर होने के साथ ही वेस्टइंडीज 83 रेटिंग अंक लेकर नौवें स्थान पर चल रही वेस्टइंडीज से एक अंक आगे हैं।

भारत ए टीम की घोषणा आज होने की संभावना, अभिमन्यु ईश्वरन को मिल सकती है कप्तानी

मुम्बई।

भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) 13 मई को इंग्लैंड दौरे के लिए भारत ए टीम की घोषणा कर सकती है। भारतीय टीम को अगले माह जून में इंग्लैंड के दौरे पर जाना है और इससे पहले इंडिया ए को इंग्लैंड में 2 मैच खेलने हैं। भारतीय ए टीम को इस दौरे में इंग्लैंड लायंस से खेलना है। इंडिया ए टीम में खेलने वाले खिलाड़ियों के नाम तकरीबन तय है। इसकी कप्तानी अभिमन्यु ईश्वरन कप्तानी को मिल सकती है। इंडिया ए को तीन गैर आधिकारिक टेस्ट मैच खेलने हैं, जिनमें 30 से 2 जून तक और 6 से 9 जून तक इंग्लैंड लायंस के खिलाफ मैच है और 13 से 16 जून तक भारतीय टीम से खेलना है। ईश्वरन के अलावा शुरुआती टीम में चयन के लिए तनुश कोटियान, बाबा इंद्रजीत, आकाश दीप, करुण नायर जैसे खिलाड़ी शामिल हैं। ध्रुव जुरेल और नितीश रेड्डी शुरू में ए टीम का हिस्सा होंगे और बाद में उन्हें सीनियर टीम में शामिल किया जाएगा। शार्दुल ठाकुर का सीनियर टीम में शामिल होना तय है। वहीं ईशान किशन को शायद ही अवसर मिले। जुरेल और ऋषभ पंत के सीनियर टीम में होने के कारण ए टीम में उनके चयन की संभावनाएं नहीं हैं। श्रेयस अय्यर का चयन पक्का नहीं है। श्रेयस ने पिछले एक साल से अधिक समय से लंबे प्रारुप में नहीं खेला है। इसी कारण उन्हें जगह नहीं मिल रही।

एक सप्ताह के अंदर दो दिग्गजों ने लिया संन्यास

रोहित को दिया था बोर्ड ने संकेत, विराट ने अपनी मर्जी से लिया

मुम्बई।

एक सप्ताह के अंदर ही भारतीय टीम के दो दिग्गजों कप्तान रोहित शर्मा और पूर्व कप्तान विराट कोहली ने टेस्ट प्रारुप को अलविदा कह दिया है। वहीं एक रिपोर्ट के अनुसार भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) ने रोहित को साफ संकेत दे दिये थे कि वह भविष्य की योजनाओं में शामिल नहीं हैं और उनका टेस्ट करियर अब पूरा हो गया है। ऐसे में रोहित के पास संन्यास की घोषणा के अलावा कोई अन्य विकल्प नहीं था। वहीं जहां तक विराट की बात है उन्होंने संन्यास की इच्छा जतायी थी जिसपर बोर्ड ने उनसे इंग्लैंड दौरे के लिए टीम में बने रहने को कहा था। बोर्ड की योजना विराट को कप्तान बनाने की थी पर वह तैयार नहीं हुए। इस मामले में बीसीआई भी बहुत ज्यादा हस्तक्षेप नहीं देना चाहती थी और उसने फैसला पूरी तरह विराट पर ही छोड़ दिया था। बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी में रोहित के साथ ही भारतीय टीम का प्रदर्शन बहुत ही खराब रहा था। इसके बाद से ही रोहित ने टेस्ट प्रारुप को अलविदा कहने की तैयारी शुरु कर दी थी। बीसीसीआई ने जब उन्हें अपनी बतायी तो उन्होंने संन्यास की घोषणा की दी। विराट कोहली ने भी बीसीसीआई से अच्छी इच्छा जाहिर की है कि वह टेस्ट से संन्यास लेना चाहते हैं। रिपोर्ट में दावा किया गया है कि बोर्ड ने इंग्लैंड दौरे के मद्देनजर उनसे टेस्ट से संन्यास पर फिर से विचार करने की गुजारिश की है। इतना ही नहीं, अखबार ने दावा किया है कि बीसीसीआई फिलहाल चाहती तो है कि विराट कोहली अभी संन्यास न लें, लेकिन वह इस मामले में बहुत ज्यादा दखल नहीं देना चाहती। फैसला पूरी तरह विराट कोहली पर छोड़ दिया है और अगर वह टेस्ट से संन्यास का

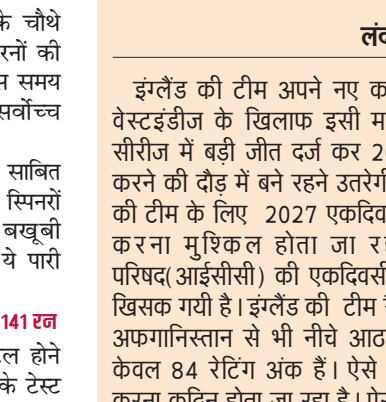

ऐलान करते हैं तो यह पूरी तरह से उनका निजी फैसला होगा।

आईपीएल: जीते हुए मैचों में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले पांच में से चार बल्लेबाज भारतीय

एक ही विदेशी खिलाड़ी को मिली जगह

मुम्बई। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के अब तक हुए 58 मुकाबलों में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) के स्टार खिलाड़ी विराट कोहली का प्रदर्शन काफी अच्छा रहा है। विराट जीते हुए मैचों में सबसे ज्यादा रन बनाने वाली शीर्ष पांच खिलाड़ियों में शामिल हैं। इस सत्र में अब तक जीते हुए मुकाबलों में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले खिलाड़ियों की जो सूची सामने आई है, जिसमें भारतीय बल्लेबाज छाये हुए हैं। इस सूची में पांच में से केवल एक ही विदेशी खिलाड़ी को जगह मिली है। इसमें शामिल **विराट** ने अब तक 11 मैचों में से 8 विजयी मुकाबलों में कुल 475 रन बनाए हैं। उनकी बल्लेबाज़ी की बदौलत आरसीबी अंक तालिका में दूसरे स्थान पर बनी हुई है और प्लेऑफ की दौड़ में भी वह शीर्ष खिलाड़ियों में शामिल हैं। इस सूची में दूसरे स्थान पर हैं गुजरात टाइटंस की टीम में शामिल इंग्लैंड के **जोस बटलर**। बटलर ने 8 पारियों में 380 रन बनाकर अपनी टीम को जीत दिलाने में अहम भूमिका निभाई है। गुजरात टाइटंस ने अब तक 11 में से 8 मैच जीते हैं, और बटलर के प्रदर्शन की इसमें अहम भूमिका रही है। वहीं तीसरे नंबर पर भी गुजरात के ही साई सुदर्शन हैं, जिन्होंने 8 पारियों में 340 रन बनाये हैं और लगातार टीम को तेज शुरुआत दिलायी है। गुजरात टाइटंस के ही कप्तान शुभमन गिल ने 8 पारियों में 331 रन बनाए हैं। इस सूची में पांचवें स्थान पर मुंबई इंडियंस के **सूर्यकुमार यादव** हैं, जिन्होंने 7 पारियों में 303 रन बनाए हैं। इसके साथ ही वे पूरे टूर्नामेंट में अब तक सबसे ज्यादा रन (510) बनाने वाले खिलाड़ी हैं।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

खाने के तुरंत बाद भूलकर भी न करें ये गलतियां, सेहत पर पड़ सकता है हानिकारक असर!

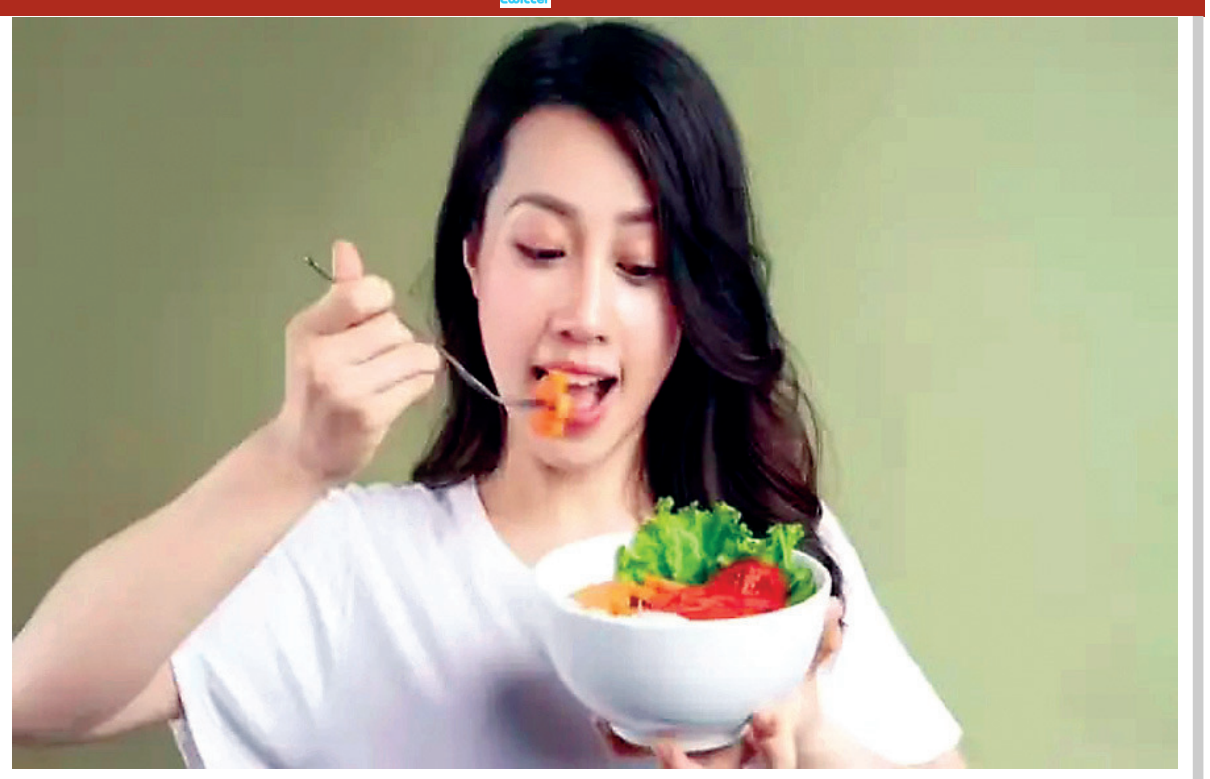

पैदल चलना शरीर के लिए लाभदायक है। इससे वजन घटाने और मधुमेह रोगियों को लाभ होता है, लेकिन कुछ लोगों के लिए खाने के बाद टहलना एक चुनौती हो सकती है। जी हां, डॉ. अनुज के अनुसार, खाने के बाद तीन छोटी सैर (प्रत्येक 10 मिनट) रक्त शर्करा को नियंत्रित करने में 30 मिनट की एक लंबी सैर से अधिक प्रभावी हो सकती है। यह बेहतर परिणाम देता है, खासकर अगर इसे खाने के तुरंत बाद किया जाए।

डायबेटोलोजिया पत्रिका में प्रकाशित 2016 के एक अध्ययन के अनुसार, भोजन के बाद 10 मिनट की सैर से टाइप-2 मधुमेह वाले लोगों में रक्त शर्करा नियंत्रण में सुधार होता है। भोजन के बाद टहलने से इंसुलिन संवेदनशीलता बढ़ती है और पाचन के दौरान ग्लूकोज का उपयोग बेहतर होता है, जिससे शर्करा के स्तर में तेजी से होने वाली वृद्धि कम होती है।

खाने के बाद टहलने के फायदे

1. ब्लड शुगर नियंत्रित करें – खाने के बाद शरीर को अधिक इंसुलिन की जरूरत होती है। पैदल चलने से शरीर की कोशिकाओं को अधिक ऑक्सीजन और ऊर्जा मिलती है, जिससे रक्त शर्करा का शीघ्र उपयोग होता है और स्तर को नियंत्रित करने में मदद मिलती है।

2. हृदय स्वास्थ्य- नियमित रूप से हल्का व्यायाम जैसे टहलना हृदय स्वास्थ्य को बेहतर बनाता है और शरीर में रक्त परिसंचरण में सुधार करता है।

3. वजन प्रबंधन- मधुमेह रोगियों के लिए वजन कम रखना बहुत महत्वपूर्ण है। पैदल चलने से कैलोरी बर्न होती है और वजन नियंत्रण में मदद मिलती है।

क्या कहते हैं विशेषज्ञ?

झारखंड के जन स्वास्थ्य अभियान में कार्यरत डॉक्टर अनुज कुमार कहते हैं कि खाने के बाद टहलना एक अच्छा व्यायाम है, लेकिन कुछ लोगों को खाने के बाद टहलने से बचना चाहिए। विशेषकर किसी भी पेट की सर्जरी के बाद।

खाने के बाद किसे टहलना नहीं चाहिए?

गैस्ट्रोपेरेसिस से पीड़ित लोगों में – इससे मतली या सूजन हो सकती है।

गंभीर हृदय रोग से पीड़ित लोगों में – खाने के बाद, रक्त प्रवाह पाचन पर केंद्रित होता है और परिश्रम के कारण हृदय पर दबाव पड़ सकता है।

हाइपोग्लाइसीमिया के रोगी – इंसुलिन या कुछ दवाओं का उपयोग करने वाले लोगों को चलते समय निम्न रक्त शर्करा का अनुभव हो सकता है।

आईबीएस) से पीड़ित लोग – यह एक गंभीर पाचन समस्या है। खाने के बाद टहलने से इसके लक्षण बढ़ सकते हैं।

कुछ लोगों को खाने के बाद चलने से चक्कर आना, सीने में दर्द या अत्यधिक थकान महसूस होती है, इसलिए उन्हें आराम करना चाहिए।

गर्मी में आग की भट्टी बन जाती है किचन, अपनी रसोई को ठंडा रखने के लिए करें ये 5 काम

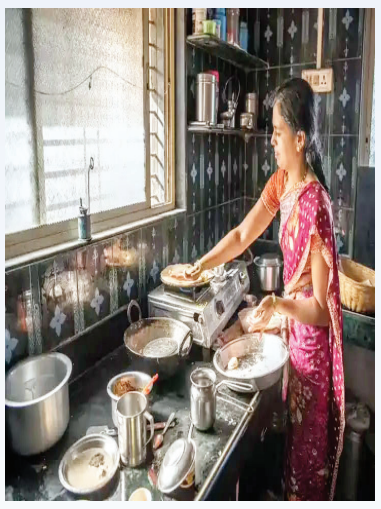

कभी-कभी गर्मियों में कूलर या एसी के बिना रहना असंभव लगता है। यह मौसम उन लोगों के लिए विशेष रूप से थकाने वाला होता है जो दिन-रात रसोई में खाना पकाने में बिताते हैं। अधिकतर महिलाओं को लंबे समय तक रसोई में काम करना पड़ता है। उबलते बर्तनों, गर्म ओवन और खराब वेंटिलेशन के कारण रसोईघर अक्सर भट्टी में बदल जाता है, जिससे खाना बनाना मुश्किल हो जाता है। इस तरह आप कुछ आसान टिप्स अपनाकर किचन को ठंडा और आरामदायक बना सकते हैं, जिससे किचन में गर्मी काफी हद तक कम हो सकती है और आप आराम से खाना बना सकते हैं।

पर्दे और हरियाली का उपयोग करें

यदि आपके रसोईघर में बड़ी खिड़कियां हैं, तो उन्हें दिन के समय बंद रखें, प्रकाश और गर्मी को रोकने के लिए हल्के रंग के सूती पर्दे का उपयोग करें। आप अलमारियों पर इनडोर कूलिंग प्लांट भी लगा सकते हैं। हरियाली आसपास के वातावरण को अधिक ठंडा और आरामदायक बना सकती है। इसके अलावा आप रसोईघर के बाहर भी कुछ पौधे लगा सकते हैं। रसोईघर से गर्मी बाहर निकालने के लिए समय-समय पर खिड़की भी खोलें।

चिमनी और एग्जॉस्ट पंखों का उपयोग करें

यदि आपके रसोईघर में चिमनी या एग्जॉस्ट फैन है तो गर्मियों में उनका प्रयोग करें। वे धुआं, भाप और नमी को कम करने में मदद करते हैं तथा शरीर को अधिक आरामदायक और सूखा रखते हैं। इससे आपका रसोईघर लंबे समय तक ठंडा रहेगा।

सुबह खाना पकाएँ

गर्मियों के मौसम में सुबह 11 बजे से दोपहर 1 बजे के बीच गर्मी बहुत अधिक होती है। इसलिए, गर्मी से बचने के लिए सुबह जल्दी खाना पकाने की कोशिश करें। कई लोग दोपहर का भोजन सुबह 11 बजे से 1 बजे के बीच बनाना शुरू कर देते हैं, जब सूरज चमक रहा होता है। नाश्ता तैयार करने के बाद, अपना दोपहर का भोजन जल्दी से पकाने की कोशिश करें, खासकर उन चीजों को जिन्हें तैयार करने में लंबा समय लगता है।

अगर घर में नहीं आ रही है पॉजिटिव वाइब्स? तो आज ही ट्राई करें सही कलर, फर्नीचर और डेकोरेशन टिप्स

हर व्यक्ति एक ऐसा घर खरीदने का सपना देखता है जहां उसे शांति, सुखद और सकारात्मक ऊर्जा महसूस हो। इसलिए लोग घर की साज-सज्जा और वास्तु पर तो विशेष ध्यान देते हैं, लेकिन जब बात सजावट और फर्नीचर की आती है तो लोग सस्ते सामानों की ओर भागते हैं। वहीं, अगर आप अपने घर को थोड़ी समझदारी और रचनात्मकता के साथ सजाते हैं, तो घर न सिर्फ खूबसूरत दिखता है, बल्कि उसमें रहने वाले लोग भी खुश रहते हैं। आज इस लेख में हम सराफ फर्नीचर के सीईओ रघुनंदन सराफ से जानेंगे कि कैसे आप कुछ खास टिप्स और आइडियाज से अपने लिविंग रूम को ज्यादा सकारात्मक, आकर्षक और आरामदायक बना सकते हैं।

सही रंगों का उपयोग

पूरा दिन बाहर बिताने के बाद घर आने पर हर कोई शांति और आराम पाना चाहता है। इसलिए, आपको अपने कमरे की दीवारों पर बेज, हल्का भूरा और टेराकोटा जैसे रंगों पर विचार करना चाहिए। ये रंग आंखों को सुखा देते हैं। इसके अलावा, आपको अपने घर में लकड़ी का फर्नीचर भी रखना चाहिए, जिसमें डाइनिंग टेबल, कॉफी टेबल और बुकशेल्फ़ शामिल हैं। ऐसा करने से आप अपने घर में प्रवेश करते ही सकारात्मक ऊर्जा का अनुभव करेंगे।

लाल और सुनहरे रंग में सजावट

रघुनंदन सराफ कहते हैं कि अगर आप अपने घर में सकारात्मक ऊर्जा और चमक लाना चाहते हैं तो आपको लाल और सुनहरे रंग का इस्तेमाल करना चाहिए। लाल रंग जोश और जुनून का प्रतीक है तथा सुनहरा रंग धन, समृद्धि और सौभाग्य का प्रतीक है। आपको घर के लिविंग रूम में लाल कुशन, सुनहरे बॉर्डर वाले दर्पण, लाल कुर्सियां ??और सुनहरे डिजाइन वाले लैंप और फूलदान रखने चाहिए।

हरे पौधे लगाएँ

घर को ताजा रखने के लिए आपको इनडोर पौधे लगाने चाहिए। मनी प्लांट और बांस जैसे पौधे सौभाग्य और समृद्धि के प्रतीक माने जाते हैं। ये न केवल दिखने में सुंदर हैं, बल्कि सकारात्मक ऊर्जा भी लाते हैं।

बहुउपयोगी फर्नीचर

सराफ का कहना है कि यदि आपका घर छोटा है और आपके पास फर्नीचर के लिए कम जगह है, तो आप सोफा-कम-बेड, स्टोरेज के साथ बेंच, एक्सटेंडेबल डाइनिंग टेबल और मल्टीफंक्शनल ओटोमन जैसे फर्नीचर खरीद सकते हैं और जगह भी बचा सकते हैं।

कांच या दर्पण वाला फर्नीचर

यदि आप अपने घर को बड़ा दिखाना चाहते हैं, तो आप कांच या कांच का फर्नीचर खरीद सकते हैं। आप कांच के टॉप वाली साइड टेबल या दर्पण वाली डाइनिंग टेबल खरीदकर जगह को बड़ा दिखा सकते हैं। हालाँकि, वास्तु के अनुसार आपको पूर्व या उत्तर दिशा में दर्पण या खिड़की लगानी चाहिए।

फेंग शुई से संबंधित आसान फर्नीचर सेटिंग टिप्स

अगर आप घर का माहौल शांत और खुशहाल रखना चाहते हैं तो आपको कुछ फेंगशुई टिप्स अपनाने चाहिए। आपको लिविंग रूम का सोफा दरवाजे की ओर रखना चाहिए, ताकि आने-जाने वाले लोगों पर नजर रखी जा सके। घर के फर्नीचर के कोने नुकीले नहीं होने चाहिए और घर में सामान ज्यादा बिखरा हुआ नहीं होना चाहिए। घर में सोफा और कुर्सियां हमेशा गोलाकार में रखनी चाहिए। ऐसा करने से घर में सकारात्मक ऊर्जा बनी रहती है।

कपड़े धोने के बाद नहीं होगा प्रेस करने का झंझट, बस अपनाएं ये स्मार्ट हैक्स

कपड़े प्रेस करना हम सभी के लिए निश्चित रूप से उबाऊ होता है। विशेषकर, कोई भी व्यक्ति गर्मी की दोपहर में गर्म लोहे के सामने खड़ा नहीं होना चाहता। ऊपर से गर्मी, उमस और दिनभर भागदौड़ के कारण हम अपने कपड़ों को प्रेस करने में अपना समय और मेहनत दोनों बर्बाद करते हैं। हो सकता है कि आप भी गर्मियों में कपड़ों को प्रेस नहीं करना चाहते हों, तो अब आपको परेशान होने की जरूरत नहीं है। जी हां, कुछ सरल उपाय हैं जिनका पालन करके आप अपने कपड़ों को बिना प्रेस किए भी ताजा और सिलवट रहित रख सकते हैं।

कपड़ों को बिना प्रेस किए भी सिलवटों से मुक्त रखना बिल्कुल भी मुश्किल नहीं है। सही कपड़े के चयन से लेकर कपड़े धोने के कुछ टिप्स तक, कई सरल टिप्स हैं जो आपका समय, प्रयास और पसीना बचा सकते हैं। इसलिए आज इस लेख में हम आपको कुछ सरल हैक्स के बारे में बता रहे हैं, जिन्हें अपनाकर आप बिना इस्त्री किए भी कपड़ों को रिंकल फ्री रख सकते हैं-

कपड़ों का चयन बुद्धिमानी से करें

जब आप गर्मियों के मौसम में कपड़े खरीद रहे हों तो आपको केवल उसके हल्के वजन पर ही ध्यान नहीं देना चाहिए। यकीनन, इस मौसम के लिए कपास एक अच्छा कपड़ा माना जाता है, लेकिन इसे काफी प्रेस करना पड़ता है। इसलिए, आपको ऐसे कपड़े का चयन करना चाहिए जिसे इस्त्री करने की आवश्यकता न हो। उदाहरण के लिए, आप लिनेन मिश्रण से लेकर रेयान, निट और स्ट्रेच फैब्रिक तक का चुनाव कर सकते हैं। यदि आपको कपड़े के बारे में ज्यादा जानकारी नहीं है, तो कपड़े खरीदते समय टैग पर रिंकल फ्री या नो आयरन की जांच कर लें।

कपड़ों को समझदारी से धोएं

आप अपने कपड़े कैसे धोते हैं, इससे भी बहुत फर्क पड़ता है। उदाहरण के लिए, मशीन में एक साथ बहुत सारे कपड़े न डालें जिससे उन्हें इधर-उधर घूमने के लिए जगह न मिले। इसके अलावा, कपड़े धोने के चक्र में फैब्रिक सॉफ़्नर या आधा कप सफेद सिरका मिलाएं, जिससे झुर्रियां कम हो जाएंगी। इसके अलावा, धोने के बाद हर कपड़े को अच्छी तरह हिलाएं और फैलाएं। शर्ट को हैंगर पर लटकाएं और उन्हें सही आकार में सुखाएं। इसके अलावा, झुर्रीदार कपड़ों के साथ ड्रायर में 2-3 बर्फ के टुकड़े डालें और 10 मिनट तक चलाएं। भाप से सिलवटें अपने आप हट जाएंगी।

घर पर बनाएं झुर्रियों से राहत देने वाला स्प्रे

आप कपड़ों पर प्रेस किए बिना ही झुर्रियां हटाने के लिए घर पर ही रिंकल रिलीफ स्प्रे तैयार कर सकते हैं। इसके लिए एक कप डिस्टिल्ड वाटर, एक चम्मच फैब्रिक सॉफ्टनर और एक चम्मच रबिंग अल्कोहल मिलाएं। आवश्यकतानुसार कपड़ों पर हल्का स्प्रे करें, फिर हाथ से सीधा करें। इसे 10 मिनट तक लटका कर सुखाएं।

स्टीमर के बिना भाप बनाने की तरकीब

यदि आपके पास स्टीमर नहीं है तो भी आप कपड़ों को सिलवट रहित बना सकते हैं। इसके लिए गर्म पानी से नहाते समय कपड़ों को बाथरूम में लटका दें। दरवाज़ा बंद कर दें और भाप को 10-15 मिनट तक अपना काम करने दें। इसके बाद अपने हाथों की मदद से कपड़ों को सीधा करें। सिलवटें आसानी से हटा दी जाएंगी।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

राम मंदिर परिसर में 14 देवालयों पर पांच जून को होगी प्राण प्रतिष्ठा

101 आचार्य कराएंगे ये अनुष्ठान

अयोध्या।

पांच जून, दिन गुरुवार, पर्व गंगा दशहरा... यह तारीख अब केवल पंचांग में नहीं, बल्कि भारतीय संस्कृत के स्वर्ण अक्षरों में दर्ज होगी। श्रीराम जन्मभूमि मंदिर में गंगा दशहरा के पावन अवसर पर एक नहीं, पूरे 14 देवालयों में एक साथ प्राण प्रतिष्ठा का आयोजन होगा। यह आयोजन केवल मूर्तियों को जीवंत करने का नहीं बल्कि पूरे राष्ट्र की आत्मा को पुन- धर्ममय करने का होगा। प्राण प्रतिष्ठा के क्रम में सबसे पहले शिवलिंग की प्रतिष्ठा होगी। राम जन्मभूमि परिसर में श्रीराम के साथ शिव भी पूजित-प्रतिष्ठित होंगे।

गंगा दशहरा के पावन अवसर पर रामनगरी एक बार फिर आस्था, भक्ति और सांस्कृतिक चेतना की अद्वितीय गवाह बनेगी। श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट की ओर से तीन दिवसीय प्राण प्रतिष्ठा महोत्सव की रूपरेखा बन रही है। तीन से पांच जून यह उत्सव होगा। हालांकि पूजन का क्रम 30 मई से ही शुरू हो जाएगा। काशी व अयोध्या के 101 आचार्य प्राण प्रतिष्ठा कराएंगे। 30 मई को ही परकोटा के शिव मंदिर में शिवलिंग की प्राण प्रतिष्ठा की जाएगी। शिवलिंग की प्राण प्रतिष्ठा के लिए शिव वास जरूरी होता है। 30 मई को शिव वास रहेगा, जिसके चलते इसी दिन शिवलिंग की प्राण प्रतिष्ठा कर ली जाएगी। इसके बाद 13 विग्रहों की प्राण प्रतिष्ठा गंगा दशहरा पर होगी।

सात दिवसीय अनुष्ठान के क्रम में पंचांग पूजन, वेदी पूजन, यज्ञ मंडप पूजन, अग्नि स्थापना, जल यात्रा होगी। यज्ञ मंडपम पूजन से अनुष्ठान का शुभारंभ होगा। इसके बाद जलाधिवास, औषधिवास सहित अन्य अधिवास होंगे। इस दौरान वैदिक आचार्य विभिन्न मंत्रों का जप, वाल्मीकि रामायण का पाठ, चारों वेदों का पाठ, रामचरित मानस का पारायण सहित अन्य अनुष्ठान करते रहेंगे।

मंदिरों में देव विग्रह की स्थापना के लिए संगमरमर के पत्थर के दो फीट ऊंचे सिंहासन भी बनाए गए हैं। इसी सिंहासन पर देव विग्रहों को प्रतिष्ठित किया जाएगा।

इन मंदिरों में होगी प्राण प्रतिष्ठा

परकोटा के छह मंदिर- भगवान शिव, सूर्य, गणपति, हनुमान, माता भगवती, माता अन्नपूर्णा

सप्त मंडपम के सात मंदिर- महर्षि वशिष्ठ, वाल्मीकि, अगस्त्य, विश्वामित्र, अहिल्या, शबरी, निषादराज

शेषावतार मंदिर में लक्ष्मण की मूर्ति

चार फुट ऊंचा होगा शिवलिंग

ओंकारेश्वर की नर्मदा का भी अयोध्या में रामलला के मंदिर से आध्यात्मिक जुड़ाव होगा। ओंकारेश्वर में नर्मदा से प्राप्त शिवलिंग परकोटे में निर्मित शिव मंदिर में प्रतिष्ठित किया जाएगा। यह शिवलिंग पिछले साल 22 अगस्त को अयोध्या लाया गया था। यह

चमकदार हल्के लाल रंग के शिवलिंग के रूप में है। इसकी ऊंचाई 48 इंच, चौड़ाई 15 इंच और व्यास 68 इंच है।

सीमा पर शांति, लेकिन घर लौटने से अब भी डर रहे लोग, गांवों में खतरे का साया, सेना और पुलिस अलर्ट पर

नई दिल्ली।

पहलगाम आतंकी हमले के बाद भारत द्वारा शुरू किए गए ऑपरेशन सिंदूर के उपरांत पहली बार भारत-पाकिस्तान सीमा पर शांति देखी गई है। शनिवार को हुए सीजफायर समझौते के बावजूद कुछ ही घंटों में पाकिस्तान ने फिर से इसका उल्लंघन किया। भारत की सख्त चेतावनी के बाद स्थिति फिलहाल नियंत्रण में है। 19 दिनों बाद पहली बार शनिवार रात सीमा पर पूरी तरह से सन्नाटा और शांति रही, लेकिन इसका असर सीमावर्ती गांवों में रहने वाले लोगों की मनःस्थिति पर अब भी साफ देखा जा सकता है, लोग अपने घरों को लौटने से कतरा रहे हैं। कश्मीर के उरी सेक्टर में स्थित गांवों के लोगों को हालिया हमलों के बाद सुरक्षित स्थानों पर भेज दिया गया था। रविवार को जब वे घर वापसी की तैयारी में थे, पुलिस ने उन्हें रोक दिया। बताया गया कि उनके गांवों के आसपास धमाके का खतरा अभी भी बना हुआ है, क्योंकि कई बम और गोला-बारूद निष्क्रिय नहीं हुए हैं। जम्मू-कश्मीर पुलिस ने एडवाइजरी जारी कर साफ किया है कि सरकारी अनुमति मिलने तक कोई भी व्यक्ति अपने गांव में न लौटे। आम लोगों को ऐसे हालत में भारत और पाकिस्तान के डीजीएमओ स्तर की वार्ता से खासी उम्मीदें हैं, जिससे आगे की स्थिति को लेकर तस्वीर साफ हो सकती है। सेना की रिपोर्ट के अनुसार, अखनूर, राजौरी, पुंछ, उरी, श्रीनगर और जम्मू जैसे संवेदनशील क्षेत्रों में भी बीती रात कोई गोलीबारी नहीं हुई और हालात सामान्य नजर आए। पंजाब के अमृतसर, राजस्थान और गुजरात के सीमावर्ती इलाकों में भी शांति बनी रही। इससे पहले इन क्षेत्रों में पाकिस्तानी मिसाइलों और ड्रोन के हमले हुए थे, जिनमें कई गांव प्रभावित हुए थे। सेना ने स्पष्ट किया है कि ऑपरेशन सिंदूर अभी जारी है, और अगर पाकिस्तान ने कोई नई हरकत की, तो उसका जवाब पूरी ताकत से दिया जाएगा। सेना और सुरक्षा एजेंसियां हाई अलर्ट पर हैं और स्थिति पर पैनी नजर बनाए हुए हैं।

देश की सुरक्षा के लिए 10 उपग्रह तैनात

पांच वर्षों में 52 उपग्रह लॉन्च करेगा भारत

इसरो प्रमुख वी. नारायणन का बड़ा खुलासा

इम्फाल।

भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) के चेयरमैन डॉ. वी. नारायणन ने एक बड़ी घोषणा की है। उन्होंने बताया कि भारत की सुरक्षा को मजबूत बनाने के लिए 10 उपग्रह लगातार देश की निगरानी कर रहे हैं। यह उपग्रह देश की सुरक्षा और निगरानी में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं, खासकर सीमा क्षेत्रों पर। यह बयान उन्होंने मणिपुर के इम्फाल में केंद्रीय कृषि विश्वविद्यालय के 5वें दीक्षांत समारोह के दौरान दिया। डॉ. वी. नारायणन ने बताया कि इन उपग्रहों का उपयोग रणनीतिक उद्देश्यों के लिए किया जा रहा है, विशेष रूप से पाकिस्तान के साथ तनाव के समय में देश की सुरक्षा को मजबूत करने के लिए। इन उपग्रहों के माध्यम से सीमा की निगरानी, प्राकृतिक आपदाओं का प्रबंधन और सुरक्षा बलों को सूचनाएं उपलब्ध कराई जा रही हैं।

इसरो प्रमुख ने एक और बड़ी योजना का खुलासा किया कि भारत 2040 तक अपना पहला अंतरिक्ष स्टेशन स्थापित करने की दिशा में काम कर रहा है। यह अंतरिक्ष में भारत की उपस्थिति को और मजबूत करेगा और देश को एक वैश्विक अंतरिक्ष शक्ति बनाएगा। डॉ. नारायणन ने बताया कि इसरो अब तक 34 देशों के 433 उपग्रहों को सफलतापूर्वक लॉन्च कर चुका है।

यह भारत की अंतरिक्ष तकनीक में बढ़ती क्षमता और वैश्विक विश्वास का प्रतीक है। उन्होंने कहा कि इसरो का उद्देश्य न केवल भारत की सुरक्षा को मजबूत करना है, बल्कि वैश्विक स्तर पर अंतरिक्ष प्रौद्योगिकी में भारत की स्थिति को भी मजबूत करना है। हाल ही में लॉन्च किए गए ईओएस-09 (रिसैट-1बी) उपग्रह का भी जिक्र करते हुए उन्होंने बताया कि यह उपग्रह दिन-रात और हर मौसम में इमेजिंग क्षमता रखता है। यह उपग्रह न केवल सुरक्षा बल्कि कृषि, आपदा प्रबंधन और अन्य नागरिक कार्यों में भी मददगार साबित हो रहा है। डॉ. नारायणन ने बताया कि इसरो अगले पांच वर्षों में 52 उपग्रहों का एक समूह लॉन्च करने की योजना बना रहा है। इनमें से कई उपग्रह सुरक्षा और रणनीतिक उद्देश्यों के लिए होंगे। इसके अलावा, इन उपग्रहों को लॉन्च करने में निजी क्षेत्र की भी महत्वपूर्ण भागीदारी होगी, जिससे देश में अंतरिक्ष तकनीक के क्षेत्र में नए अवसर उत्पन्न होंगे।

इसरो की यह पहल राष्ट्रीय सुरक्षा को बढ़ाने के लिए अंतरिक्ष प्रौद्योगिकी के उपयोग को दर्शाती है।

सीमा सुरक्षा से लेकर आपदा प्रबंधन तक, भारत के उपग्रह देश की सुरक्षा और विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं। इसरो की यह पहल भारत को अंतरिक्ष में और मजबूत बनाएगी।

बिना अनुमति ड्रोन उड़ाया, मुंबई पुलिस ने मामला दर्ज कर युवकों को हिरासत में लिया

मुंबई।

महाराष्ट्र के पवई में पुलिस ने एक युवक के खिलाफ ड्रोन उड़ाने के आरोप में एफआईआर दर्ज की है। आरोपी ने मुंबई पुलिस आयुक्त के आदेशों का उल्लंघन किया।

दरअसल भारत और पाकिस्तान के बीच चल रहे तनाव के कारण मुंबई पुलिस आयुक्त ने शहर में अनधिकृत ड्रोन संचालन पर प्रतिबंध लगाया हुआ है।

सूत्रों के अनुसार, शहर के नियंत्रण कक्ष को 12 मई को सुबह 12:30 बजे एक कॉल आई, जिसमें बताया गया कि पवई इलाके में साकी विहार रोड पर स्थित एक ड्रोन दुर्घटनाग्रस्त हो गया है। अलर्ट पर त्वरित कार्रवाई कर पवई पुलिस मौके पर पहुंची और अधिक जानकारी जुटाने के लिए कॉल करने वाले से बात की।

प्रारंभिक जांच में पता चला कि ड्रोन को पवई निवासी 23 वर्षीय अंकित ठाकुर चला रहा था, जो मूल रूप से हैदराबाद का निवासी है। पुलिस ने ड्रोन सहित युवक को हिरासत में लेकर पूछताछ के लिए थाने ले गई।

पूछताछ के दौरान अंकित ने बताया कि उसने एक साल पहले ड्रोन खरीदा था, लेकिन वह काम नहीं कर रहा था। हाल ही में ठीक करने के बाद ड्रोन का परीक्षण करते समय उसमें खराबी आ गई, जिसके कारण वह गिर गया। अंकित ने स्वीकार किया कि ड्रोन उड़ाने के लिए अधिकारियों से कोई अनुमति नहीं ली थी, जिससे मुंबई पुलिस आयुक्त द्वारा ड्रोन संचालन के संबंध में जारी निषेधाज्ञा का उल्लंघन हुआ। इसके आधार पर पवई पुलिस स्टेशन में उनके खिलाफ भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की धारा 223 के तहत एफआईआर दर्ज की गई।

मोदी सरकार का बड़ा फैसला, ऐतिहासिक सिंधु जल संधि स्थगित रहेगी

नई दिल्ली।

भारत ने पाकिस्तान के साथ 1960 की ऐतिहासिक सिंधु जल संधि को स्थगित रखने का बड़ा फैसला किया है। यह निर्णय 10 मई के युद्धविराम के बाद भी हुआ है। इसका मुख्य कारण पाकिस्तान द्वारा सीमा पार आतंकवाद को समर्थन देना बताया गया है। उच्चस्तरीय सुरक्षा बैठक और ऑपरेशन सिंदूर की समीक्षा के बाद यह स्पष्ट किया है कि सिर्फ युद्धविराम पर्याप्त नहीं, पाकिस्तान को पहले आतंकवाद के समर्थन से स्पष्ट और अपरिवर्तनीय दूरी बनानी होगी।

पाकिस्तान पर क्यों बढ़ा दबाव?

सरकार के सूत्रों के मुताबिक, भारत ने सिंधु संधि की सद्भावना और अच्छे पड़ोसी संबंधों वाली प्रस्तावना के उल्लंघन का हवाला देकर संधि को स्थगित किया है। पाकिस्तान द्वारा किए गए ड्रोन हमलों, मिसाइल हमलों और पहलगाम में हुए आतंकी हमले (जिसमें 26 निर्दोष नागरिक मारे गए) ने भारत को यह सख्त कदम उठाने पर मजबूर किया।

भारत का स्पष्ट संदेश-

भारत पाकिस्तान के साथ बातचीत के लिए तैयार नहीं, क्योंकि बात करने को कुछ है ही नहीं। डीजीएमओ स्तर की वार्ता ही एकमात्र सैन्य संवाद माध्यम बना हुआ है। यदि इसके बाद भी पाकिस्तान ने किसी भी प्रकार की आक्रामकता दिखाई, तब भारत सैन्य जवाब देने से नहीं हिचकेगा।

वहीं सिंधु संधि की पुनर्बहाली तब ही होगी जब पाकिस्तान आतंकवाद के समर्थन को सार्वजनिक और स्थायी रूप से त्याग देगा। भारत चाहता है कि पाकिस्तान यह दिखाए कि वह एक जिम्मेदार पड़ोसी और अंतरराष्ट्रीय साझेदार है।

भारत ने पाक के एयर डिफेंस सिस्टम तबाह किए तो पाक मांगने लगा माफी

पाक डीजीएमओ का भारत डीजीएमओ को आया फोन, हमले बंद करने की कही बात

नई दिल्ली।

भारत और पाकिस्तान के बीच शनिवार सैन्य कार्रवाई रोकने पर सहमति बनने के कुछ ही घंटों बाद पाकिस्तान ने सीजफायर का उल्लंघन कर दिया। इस को लेकर विदेश सचिव विक्रम मिसरी ने पाकिस्तान से इन उल्लंघनों को दूर करने के लिए उचित कदम उठाने और स्थिति से गंभीरता से निपटने का आह्वान किया। हालांकि भारतीय वायुसेना ने बीते 4 दिनों पाकिस्तान के लाहौर स्थित एयर डिफेंस सिस्टम को तबाह कर दिया।

इसके अलावा उसके 3 एयरबेस पर भी हमले किए और पाकिस्तान की कमर तोड़ दी। पाकिस्तान को बर्बाद होता देख पीएम शहबाज शरीफ माफी मांगने लगे और सीजयफायर की अपील की। भारत ने पाकिस्तान के जिन चार एयरबेस को निशाना बनाया, इनमें मुरीद चकवाल एयरबेस, नूर खान एयरबेस, रहीम यार खान एयरबेस और रफीकी एयरबेस शामिल थे। भारत के एयर डिफेंस सिस्टम एस-400 ने पाकिस्तान के हवाई हमलों को नाकाम कर दिया, जिसकी वजह से पाकिस्तान डर गया। इस बीच शनिवार दोपहर को पाकिस्तान डीजीएमओ का भारत के डीजीएमओ फोन आया। दोनों के बीच सहमति बनी की कि कोई हमला नहीं करेगा। 12 मई को फिर से दोनों देशों के डीजीएमओ बात करेंगे। भारत-पाकिस्तान की सीजफायर की घोषणा सबसे पहले अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने ट्रुथ पर एक पोस्ट के जरिए की थी। उन्होंने लिखा कि अमेरिका की मध्यस्थता में एक लंबी रात तक चली बातचीत के बाद, मुझे यह घोषणा करते हुए खुशी हो रही है कि भारत और पाकिस्तान युद्धविराम पर सहमत हो गए हैं। हालांकि, भारत ने सीजफायर के लिए अपनी शर्त भी रखी, जिसको अमेरिका ने माना। इससे पहले भारत ने साफ शब्दों में कहा था कि अगर सीमा पर से कोई भी हमला होता है तो उसे युद्ध माना जाएगा।वहीं भारत के हमले को देखकर पाकिस्तानी रक्षा मंत्री ख्वाजा आसिफ अमेरिका को फोन लगाकर सीजफायर की मांग करने लगे, जिसके बाद मार्को रोबियो ने भारत कॉल लगाकर सारी बात बताई और सीजफायर पर सहमति मांगी।

सीजफायरः अमेरिका को थी अर्थव्यवस्था की चिंता, तभी ट्रंप बीच में आए

नई दिल्ली।

भारत जिस तरह से पाकिस्तान को मटियामेट कर रहा था उससे अमेरिका की चूलें हिल गईं। उसे लगा कि इससे कई देशों की इकॉनोमी बैठ जाएगी। कई वजहों में से एक वजह इकॉनोमी चिंता भी अमेरिका को बीच में खींच लाई और बातचीत के बाद सीजफायर करा दिया गया। टेंशन के बीच अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने शनिवार को अचानक बड़ा ऐलान किया। उन्होंने कहा कि अमेरिका की मध्यस्थता से हुई वार्ता के बाद भारत और पाकिस्तान तत्काल और पूर्ण संघर्ष विराम पर सहमत हो गए हैं।अमेरिका के राष्ट्रपति ट्रंप ने 'ट्रुथ सोशल' पर एक पोस्ट में यह घोषणा की। ट्रंप ने यह घोषणा अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो के विदेश मंत्री एस जयशंकर, पाकिस्तान के विदेश मंत्री इशाक डार और पाकिस्तान के सेना प्रमुख जनरल असीम मुनीर से बातचीत के बाद की। पहलगाम हमले के जवाब में पाकिस्तान के खिलाफ भारत के कड़े तेवरों के बाद पूरी दुनिया टेंशन में आ गई थी। ऐसे में अमेरिका का बीच-बचाव के लिए आना लाजिमी हो गया था। इसके बहुत सारे आर्थिक पहलू हैं। वैश्विक अर्थव्यवस्था पहले से ही चुनौतियों का सामना कर रही है। अमेरिका पर मंदी के बादल छाए हुए हैं। ऐसे समय में भारत और पाकिस्तान के बीच संघर्ष वैश्विक आर्थिक अनिश्चितता को और बढ़ा सकता था। इससे अमेरिका सहित तमाम देशों की अर्थव्यवस्थाओं पर नकारात्मक प्रभाव पड़ता। अपनी तरक्की से भारत ग्लोबल ग्रोथ का इंजन बना हुआ है। भारत तेजी से बढ़ती हुई अर्थव्यवस्था है। अमेरिका के लिए वह एक महत्वपूर्ण व्यापारिक भागीदार है। इसके उलट पाकिस्तान की अर्थव्यवस्था संकटग्रस्त है। ऐसे हालात में अमेरिका के लिए भारत के साथ अच्छे संबंध बनाए रखना आर्थिक रूप से अधिक फायदेमंद है। अमेरिका नहीं चाहता था कि भारत संघर्ष में पाकिस्तान से उलझ जाए। यह क्षेत्रीय अस्थिरता को बढ़ा सकता था। अमेरिका भारत के साथ बहुत जल्द एक समझौता करने वाला है। किसी भी तरह का तनाव भारत में निवेश के माहौल को बिगाड़ सकता था। ट्रंप ने बताया, अमेरिका की मध्यस्थता में पूरी रात चली बातचीत के बाद मुझे यह घोषणा करते हुए खुशी हो

रही है कि भारत और पाकिस्तान तत्काल और पूर्ण संघर्ष विराम पर सहमत हो गए हैं। आतंकवाद और आतंकियों को बढ़ावा देने वाले पाकिस्तान के खिलाफ भारत के दृढ़ रुख ने अंतरराष्ट्रीय स्तर पर चिंता पैदा कर दी थी। ऑपरेशन सिंदूर के तहत भारत ने पिछले कुछ दिनों में पाकिस्तान के खिलाफ जिस तरह की कार्रवाई की, वह अलग ही लेवल की थी। इससे बढ़ता तनाव वैश्विक शांति और सुरक्षा के लिए खतरा माना जा रहा था। इससे स्वाभाविक रूप से दुनिया चिंतित हो गई थी। अमेरिका का हस्तक्षेप बिना किसी कारण के नहीं था। पाकिस्तान के साथ भारत के बढ़ते संघर्ष से अमेरिका के आर्थिक हित प्रभावित हो सकते थे। अस्थिरता के कारण व्यापार और निवेश पर नकारात्मक असर पड़ सकता था। इसके अलावा, क्षेत्र में संघर्ष बढ़ने से तेल की कीमतें भी प्रभावित हो सकती थीं। इसका वैश्विक अर्थव्यवस्था पर बुरा प्रभाव पड़ता।

बदहाल पाकिस्तान की चाटुकारिता करने में कसर नहीं छोड़ रहा चीन, बोल रहा है झूठ

नई दिल्ली।

पाकिस्तान तो जाना माना कंगाल और बदहाल है। उसके पास न तो खोने के लिए कुछ है और न ही किसी को कुछ देने के लिए। इसके बाद भी चीन अपने स्वार्थों के कारण के आगे दुम हिलाने में भी संकोच नहीं कर रहा है।

उसकी हां में हां और झूठ में झूठ बोलकर पूरी दुनिया के आगे अपनी छवि खराब कर रहा है। भारत और पाकिस्तान के बीच चार दिन चले संघर्ष के बाद सीजफायर लागू हो गया है। यह सीजफायर भारत की शर्तों पर लागू हुआ और सिंधु जल समझौता अभी भी सस्पेंड है। भारत ने दो टूक शब्दों में कहा कि किसी भी हरकत का हम पूरी ताकत से जवाब देंगे। उधर, चीन सीजफायर को लेकर पाकिस्तान को शाबाशी दे चुका है और अब उसने भारत के खिलाफ प्रोपेगेंडा में पाकिस्तान की भाषा बोलनी शुरू कर दी है। चीन के मुखपत्र ने पाक सेना के हवाले से दावा किया है कि पाकिस्तान के साइबर हमले में भारत की 70 प्रतिशत बिजली आपूर्ति बाधित हुई है। चीनी मीडिया भी इस दावे से इनकार नहीं कर रहा है। हालांकि भारतीय दूतावास ने इसे झूठा बताते हुए अपने आधिकारिक सिना वेइबो अकाउंट पर इसका खंडन किया। इससे पहले चीनी विदेश मंत्री वांग यी ने पाकिस्तान के उप प्रधानमंत्री और विदेश मंत्री मोहम्मद इशाक डार से फोन पर बात की, जिसमें उन्होंने पाकिस्तान की संप्रभुता की रक्षा के लिए समर्थन की बात की। वांग ने कहा कि पाकिस्तान ने आतंकवाद के खिलाफ महत्वपूर्ण योगदान दिया है और चीन हमेशा पाकिस्तान के साथ खड़ा रहेगा। चीन का दोगला चेहरा इससे पता चलता है कि वह कुछ दिन पहले आतंकवाद की कड़ी निंदा कर चुका है। उसने कहा था वह किसी भी सूरत में आतंकवाद का समर्थन नहीं करता है।चीन ने अब एक बार फिर पाकिस्तान के पक्ष में बयान जारी किया है।

संक्षिप्त समाचार

भारत की लड़ाई आतंकवाद के खिलाफ जारी रहेगीः सीएम माणिक साहा

गोमती। त्रिपुरा के मुख्यमंत्री माणिक साहा ने कहा कि भारत की लड़ाई आतंकवाद के खिलाफ भविष्य में भी जारी रहेगी। साहा ने बताया कि सुरक्षा और अन्य एजेंसियां स्थिति पर बारीकी से नजर रख रही हैं और उचित कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने भारत-पाकिस्तान तनाव के मद्देनजर राज्य और केंद्र सरकार के साथ समन्वय के साथ काम करने का अनुरोध किया। मुख्यमंत्री ने वरिष्ठ सुरक्षा अधिकारियों से भारत और पाकिस्तान के बीच तनाव के मद्देनजर सीमा सुरक्षा में समन्वय बनाए रखने का अनुरोध किया। साहा ने कहा कि उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार के साथ काम कर रहे हैं और स्थिति से निपटने के लिए तैयार हैं। त्रिपुरा में स्थिति सामान्य है, लेकिन सीमा सुरक्षा जोरदार है। बीएसएफ के अधिकारी ने बताया कि सीमा सुरक्षा बलों ने हिंसा और अशांति शुरू होने के बाद सतर्कता बढ़ाई है। वे बताए कि पहलगाम हमले के बाद सुरक्षा मजबूत कर दी गई है और सीमा की स्थिति पर नजर रखी जा रही है। अधिकारी ने बताया कि बीएसएफ के वरिष्ठ अधिकारी सीमावर्ती इलाकों का दौरा करते हैं और सुरक्षा को मजबूत कर रहे हैं।

भुज में देश विरोधी पोस्ट पर कार्रवाई, आरोपी को गिरफ्तार किया

कच्छ। गुजरात के कच्छ जिले के भुज में साइबर क्राइम पुलिस ने एक युवक को गिरफ्तार कर लिया है, जो सोशल मीडिया पर पाकिस्तान के समर्थन में पोस्ट करने के आरोपी थे। आरोपी अनीस बाबिद अली भान ने भारत के हित में नहीं बल्कि देश के विरुद्ध भावना फैलाने का प्रयास किया था। पुलिस के अनुसार, यह स्टेटस पोस्ट उस समय किया गया था, जब हाल ही में हुए हमले के बाद दोनों देशों के बीच संवेदनशील स्थिति थी। गिरफ्तारी के बाद युवक के खिलाफ धारा 152 के तहत अपराध पंजीकृत किया गया है। इसके पहले झारखंड में भी एक युवक गिरफ्तार किया गया था, जिसने सोशल मीडिया पर आतंकवादी संगठन का झंडा लहराया था। यह मामला भाजपा विधायक चंद्रेश्वर प्रसाद सिंह की शिकायत पर उठाया गया था। गिरफ्तार युवक के खिलाफ एफआईआर दर्ज किया गया है और पुलिस द्वारा जांच जारी है। ये घटनाएं सोशल मीडिया पर आपत्तिजनक पोस्ट करने के खिलाफ सख्त कार्रवाई करने के संदेश के रूप में प्रमुख उदाहरण हैं।

उत्तर प्रदेश में बड़ा अभियान- अवैध धार्मिक स्थलों पर चला बुलडोजर

नेपाल सीमा से सटे जिलों में 350 से अधिक अवैध धार्मिक स्थलों पर की कार्रवाई

लखनऊ। उत्तर प्रदेश की भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) सरकार ने नेपाल सीमा से सटे जिलों में अवैध धार्मिक स्थलों के खिलाफ एक महत्वपूर्ण अभियान शुरू किया है। पिछले कुछ दिनों में सैकड़ों मदरसों, मस्जिदों, मजारों और ईदगाहों को चिह्नित कर उन्हें सील करने और ढहाने की कार्रवाई की गई है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के निर्देश पर इस अभियान को व्यापक रूप से लागू किया गया है। अभियान के तहत पीलीभीत, श्रावस्ती, बलरामपुर, बहराइच, सिद्धार्थनगर और महराजगंज जिलों में कई अवैध धार्मिक स्थलों पर कार्रवाई की गई है। सार्वजनिक और निजी भूमि पर अवैध रूप से निर्मित मदरसों, मस्जिदों, मजारों और ईदगाहों को सील किया गया है। मुख्यमंत्री योगी का कहना है कि धर्म के नाम पर भूमि पर अतिक्रमण बर्दाश्त नहीं किया जाएगा और नियमों की अनदेखी करने वालों पर कानूनी कार्रवाई होगी। यह अभियान नेपाल सीमा से सटे जिलों में 350 से अधिक अवैध धार्मिक स्थलों पर कार्रवाई की गई है। सरकार द्वारा यह कदम उचित माना जा रहा है और इसका मकसद सार्वजनिक सुरक्षा और कानून एवं नियमों का पालन बनाए रखना है।

सीजफायर के बाद जनजीवन पटरी पर लौटा, गुजरात से राजस्थान जाने वाली ट्रेनें भी बहाल

अहमदाबाद। भारत-पाकिस्तान के बीच शनिवार को हुई सीजफायर डील के बाद रविवार को गुजरात के सीमावर्ती इलाकों में हालात सामान्य रहे। सरहदी गांवों और कस्बों में दुकानें और होटलें दोबारा खुलने लगी हैं और सड़कों पर लोगों की आवाजाही में इज़ाफा हुआ है। लोग अब धीरे-धीरे सामान्य जीवन की ओर लौटते दिखाई दे रहे हैं। सुरक्षा कारणों के चलते गुजरात से राजस्थान जाने वाली कई नाइट ट्रेनें शनिवार को रद्द कर दी गई थीं, लेकिन अब इन्हें फिर से बहाल कर दिया गया है। इससे दोनों राज्यों के बीच संपर्क पुनः सामान्य हो गया है। रविवार को किसी भी शहर में ब्लैकआउट के निर्देश नहीं दिए गए, जिससे लोगों ने राहत की सांस ली। हालांकि, शनिवार शाम सीजफायर की घोषणा के कुछ ही घंटों बाद पाकिस्तान ने गुजरात के कच्छ इलाके में फिर से हमला करने की कोशिश की थी, जिसके चलते भुज, जामनगर और द्वारका के 94 गांवों में रातभर ब्लैकआउट रखा गया था।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

संक्षिप्त समाचार

म्यांमार को चीन ने दिया गृहयुद्ध समाप्ति का भरोसा

नाएप्यीडॉ, एजेंसी। म्यांमार की सैन्य सरकार के प्रमुख, वरिष्ठ जनरल मिन आंग ह्लाइंग ने चार साल पहले सत्ता हथियाने के बाद पहली बार चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग से मुलाकात की। दोनों नेताओं ने मॉस्को में शुक्रवार को मुलाकात की। शी ने उन्हें म्यांमार के भीषण भूकंप के बाद रिकवरी के लिए मदद देने और देश के गृहयुद्ध को खत्म करने के प्रयासों में सहायता करने का वचन दिया।

पाकिस्तानी चेक पोस्ट पर 9 सुरक्षाकर्मियों की हत्या

इस्लामाबाद, एजेंसी। उत्तर-पश्चिम पाकिस्तान में एक चेक पोस्ट पर हुए हमले के बाद आतंकवादियों से लड़ते हुए नौ सुरक्षाकर्मियों की मौत हो गई। उर्दू भाषा के दैनिक 'मशरिक' ने बताया कि आतंकियों ने अफगानिस्तान की सीमा से लगे खैबर-पख्तूनख्वा प्रांत के दक्षिण वजीरिस्तान जिले की शाकाई तहसील में डांडा चेक पोस्ट पर हमला किया। हमले के बारे में सेना का कोई आधिकारिक बयान नहीं आया है। अखबार ने कहा, घायलों को त्वरित प्रतिक्रिया इकाई द्वारा तुरंत अस्पताल पहुंचाया गया। मालूम हो कि पिछले काफी समय से पाकिस्तान आंतरिक संघर्ष से जूझ रहा है।

ट्रंप प्रशासन की कर्मचारी कटौती योजना पर अदालत ने लगाई रोक

कैलिफोर्निया, एजेंसी। कैलिफोर्निया के न्यायाधीश ने अपने आदेश में रिपब्लिकन प्रशासन को संघीय कार्यबल में नाटकीय कटौती रोकने को कहा है। सान फ्रांसिस्को में न्यायाधीश सुसान इल्स्टन का आदेश, फरवरी में राष्ट्रपति के कार्यबल कार्यकारी आदेश और सरकारी दक्षता विभाग तथा कार्मिक प्रबंधन मंत्रालय द्वारा जारी किए गए ज्ञापन पर कार्रवाई रोकने का निर्देश देता है। जज ने कहा, कार्यबल में बड़े पैमाने पर कटौती को रोकने के लिए एक अस्थायी निरोधक आदेश जारी करना चाहिए। श्रमिक संघों और शहरों द्वारा पिछले सप्ताह दायर मुकदमे में अदालत ने यह आपातकालीन आदेश जारी किया, जो राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के संघीय सरकार का आकार घटाने के प्रयासों के लिए कई कानूनी चुनौतियों में से एक है।

पोप लियो 14वें ने अपने कार्यकाल का दृष्टिकोण प्रस्तुत किया, एआई को मानवता के लिए मुख्य चुनौती बताया

वेटिकन सिटी, एजेंसी। पोप लियो 14वें ने अपना पहला संबोधन देते हुए कैथोलिक चर्च के भविष्य के लिए अपना दृष्टिकोण साझा किया। उन्होंने एआई को मानवता के सामने आने वाली सबसे बड़ी चुनौतियों में से एक बताया।पोप ने चेतावनी दी कि इंडस्ट्री प्रगति ला सकती है, लेकिन यह गंभीर चिंताएं भी लाती है। विशेष रूप से जब मानव सम्मान की रक्षा, निष्पक्षता सुनिश्चित करने, और कार्य के मूल्य की सुरक्षा की बात आती है। नव-निर्वाचित पोप ने अपने पूर्ववर्ती पोप फ्रांसिस के शुरू किए गए आधुनिक सुधारों को जारी रखने की भी बात कही। उन्होंने चर्च को एक ऐसी संस्था के रूप में बनाने का आह्वान किया जो अधिक खुली, अधिक दयालु हो और जो अस्वीकार किए गए लोगों के साथ दृढ़ता से खड़ी रहती हो। दुनिया को कैथोलिक चर्च का नया पोप मिलने के बाद लियो-14 अब एक्शन मोड में आ चुके हैं। उनके काम करने के तरीके से स्पष्ट है कि वह अपने पूर्ववर्ती पोप फ्रांसिस का अनुकरण करने जा रहे हैं। इसी के तहत उनसे अमेजन वर्षा वन की रक्षा की उम्मीदें कॉर्डिनल समूह ने जताई हैं। पोप लियो-14 ने भी अमेजन वर्षा वनों के अहम हिस्से के रूप में पेरू के उत्तरी जंगलों के बारे में गंभीरता से सुना और कहा, यह एक बहुत ही महत्वपूर्ण विश्वव्यापी पत्र है, इस पर कार्रवाई की जाएगी।

सूडान में जेल पर ड्रोन हमला, 19 कैदियों की मौत

खार्तूम, एजेंसी। सूडान के पश्चिमी हिस्से नॉर्थ कोर्दोफान राज्य के एल ओबैद शहर में स्थित केंद्रीय जेल पर शनिवार को ड्रोन हमले हुए। इसमें कम से कम 19 कैदियों की मौत हो गई और 45 से अधिक घायल हो गए। यह जानकारी एक चिकित्सा सूत्र और चश्मदीदों ने दी। एल ओबैद अस्पताल के एक चिकित्सा सूत्र ने नाम न छापने की शर्त पर बताया कि अस्पताल में 19 शव और 45 घायल लाए गए हैं। उसने कहा कि मृतकों की संख्या बढ़ने की आशंका है। जेल भवन के पास मौजूद एक चश्मदीद ने बताया, तीन ड्रोन ने पांच मिसाइलें दागीं, जिनमें से तीन सीधे जेल भवन और कैदियों के रहने वाले हिस्से पर गिरीं। एक अन्य चश्मदीद ने कहा, जेल के अंदर राहत और बचाव कार्य अब भी जारी है और मृतकों और घायलों की संख्या आधिकारिक आंकड़ों से अधिक हो सकती है।卐 अब तक इस घटना को लेकर कोई आधिकारिक बयान जारी नहीं किया गया है। बताया जा रहा है कि अर्धसैनिक बल रैपिड सपोर्ट फोर्सेज (आरएसएफ) ने हाल ही में सूडानी सशस्त्र बलों (एसएएफ) के नियंत्रण वाले क्षेत्रों में सैन्य ठिकानों और प्रमुख सुविधाओं पर ड्रोन हमले तेज कर दिए हैं, जिनमें एल ओबैद भी शामिल है।स्थानीय मीडिया के अनुसार, आरएसएफ ने पोर्ट सूडान पर सातवें दिन भी ड्रोन हमला जारी रखा। यह शहर मई 2023 से देश की प्रशासनिक राजधानी बन चुका है। हालांकि, आरएसएफ ने इस हमले पर कोई टिप्पणी नहीं की है। गौरतलब है कि अप्रैल 2023 के मध्य से सूडान में एसएएफ और आरएसएफ के बीच भीषण संघर्ष चल रहा है, जिसमें अब तक हजारों लोग मारे जा चुके हैं।

पुतिन ने यूक्रेन को सीधी बातचीत का ऑफर दिया 30 दिन के सीजफायर प्रस्ताव को खारिज किया

मॉस्को, एजेंसी। रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने रविवार को यूक्रेन के साथ सीधी बातचीत का प्रस्ताव रखा है। पुतिन ने कहा कि 15 मई को इस्तांबुल में यूक्रेन के साथ बात कर सकते है। यह प्रस्ताव कीव और यूरोपीय नेताओं के 12 मई से बिना शर्त 30 दिन के सीजफायर के ऐलान करने के कुछ घंटों बाद आया है। हालांकि, पुतिन ने यूक्रेन के साथ सीजफायर पर सहमत होने के अल्टीमेटम को अस्वीकार कर दिया है। यूक्रेन, ब्रिटेन, फ्रांस, जर्मनी और पोलैंड के नेताओं ने शनिवार को कीव में रूसी राष्ट्रपति को धमकी दी थी कि अगर वे सीजफायर पर हस्ताक्षर नहीं करते हैं तो बाकी देश यूक्रेन को सैन्य समर्थन देंगे।इस पर पुतिन ने कहा- यूक्रेन से 2022 से बंद हुई बातचीत बिना किसी पूर्व शर्त के फिर से शुरू करेंगे। रूसी और यूक्रेनी वार्ताकारों ने पहले भी बात की थी, लेकिन तब लड़ाई रोकने पर सहमति नहीं बन पाई थी।

ट्रम्प बोले- ये दोनों देशों के लिए महान दिन : यूक्रेन के साथ रूस की बातचीत की पेशकश को अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने इसे दोनों देशों के लिए महान दिन बताया। ट्रम्प ने कहा- इससे लाखों लोगों की जिंदगी बचेगी। उन्होंने दोनों देशों के साथ काम जारी रखने की भी बात कही। उन्होंने कहा अमेरिका जंग के बजाय पुनर्निर्माण और बाजार पर फोकस करेगा।

जेलेंस्की की मांग, बिना शर्त युद्ध विराम हो : यूक्रेनी राष्ट्रपति वोलोदिमिर जेलेंस्की ने एक्स पर एक पोस्ट साझा करते हुए लिखा- सोमवार, 12 मई से, कम से कम 30 दिनों के लिए पूर्ण और बिना शर्त युद्ध विराम होना चाहिए। हम एक साथ रूस से इसकी मांग करते हैं। बिना शर्त युद्ध विराम का मतलब है बिना किसी शर्त के। जेलेंस्की ने अपनी बात रखते हुए कहा कि कोई भी शर्त या शर्तें निर्धारित करने की कोशिश लड़ाई को लम्बा खींचने और कूटनीति को कमजोर करने का संकेत माना जाएगा।

ब्रिटिश प्रधानमंत्री बोले- पुतिन ने शांति से मुंह मोड़ा तो जवाब देंगे : ब्रिटेन के प्रधानमंत्री कीर स्टारमर ने यूक्रेन के कीव में आयोजित संयुक्त प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा- ÷हम सभी यहां, अमेरिका के साथ मिलकर पुतिन को चुनौती दे रहे हैं। अगर वह शांति के बारे में गंभीर हैं, तो उनके पास अब यह दिखाने का मौका है।÷ स्टार्मर ने कहा कि अगर पुतिन शांति से मुंह मोड़ते हैं, तो हम जवाब देंगे। उन्होंने राष्ट्रपति ट्रम्प और दूसरे सहयोगियों के साथ मिलकर रूस पर प्रतिबंध बढ़ाने और यूक्रेन को सैन्य सहायता देने की भी बात कही।

पुतिन ने 3 दिन के एकतरफा सीजफायर का ऐलान किया था : 29 अप्रैल को रूसी राष्ट्रपति पुतिन ने यूक्रेन के साथ 3 दिन के एक तरफा सीजफायर का ऐलान किया था। यह सीजफायर 8 मई से लागू हुआ था। इससे पहले रूस ने ईस्टर के मौके पर 20 अप्रैल को एक दिन के सीजफायर का ऐलान किया था। यह सीजफायर रूस के 80वें विक्ट्री डे के मौके पर किया गया था। रूस सेकेंड वर्ल्ड वॉर में नाजी जर्मनी पर जीत के जश्न के तौर पर हर साल 8 मई को विक्ट्री डे परेड का आयोजन करता है। रूसी राष्ट्रपति कार्यालय क्रेमलिन ने कहा था कि यह सीजफायर मानवीय आधार पर किया जा रहा है। इसकी शुरुआत 7-8 मई की रात से हुई और 10-11 मई को आधी रात यह सीजफायर खत्म हो गया।

फरवरी 2022- रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के हमले का ऐलान करते ही यूक्रेन में रूसी टैंक धड़धड़ाते हुए घुसने लगे। तब के अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन बोले- पुतिन से बातचीत का कोई प्लान नहीं है। उन्होंने पूरी दुनिया को खतरे में डाल दिया है। रूस को यूक्रेन पर हमले की गंभीर कीमत चुकानी होगी। फरवरी 2025- अमेरिका के नए राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने पुतिन से फोन पर 90 मिनट तक बात की। इसके बाद सऊदी अरब में यूक्रेन युद्ध को लेकर रूस और अमेरिकी के बीच हाई लेवल मीटिंग हुई। इसमें यूक्रेन को नहीं रखा गया। ट्रम्प ने पुतिन की तारीफ की और यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमिर जेलेंस्की को 'तानाशाह' कह दिया।व्लादिमीर पुतिन ने रूस ने संघर्षविराम पर रूस का रुख स्पष्ट करते हुए कहा कि रूस ने बार-बार संघर्षविराम का प्रस्ताव दिया, लेकिन यूक्रेन और पश्चिमी देशों ने उनकी बातों को नजरअंदाज कर दिया। इसके साथ ही उन्होंने दावा किया कि एक बार तो दोनों देशों ने एक संयुक्त मसौदा भी तैयार किया था, जिसे कीव ने पश्चिमी दबाव में खारिज कर दिया। इस बीच रूस द्वारा घोषित 72 घंटे के एकतरफा युद्धविराम की अवधि रविवार को समाप्त हो गई, जिसके बाद पुतिन ने यूक्रेन पर आरोप लगाया कि इस दौरान कीव ने पांच बार रूस की सीमा पर हमला करने की कोशिश की।

परमाणु अधिकारों से पीछे नहीं हटेगा ईरान, ईरान के विदेश मंत्री अब्बास अराघची का अमेरिका को दो टूक

दोहा, एजेंसी। ईरान के विदेश मंत्री अब्बास अराघची ने अमेरिका के साथ परमाणु कार्यक्रम को लेकर चल रहे विवाद के बीच अपना रुख पूरी तरह से साफ कर दिया है। शनिवार को उन्होंने अमेरिका को कड़ा संदेश देते हुए कहा कि अगर अमेरिका का मकसद ईरान को उसके परमाणु अधिकारों से वंचित करना है, तो ईरान कभी पीछे नहीं हटेगा। बता दें कि यह बयान उन्होंने कतर की राजधानी दोहा में दिया, जहां ईरान और अमेरिका के बीच ओमान में होने वाली अगली परमाणु वार्ता से एक दिन पहले वे पत्रकारों से बात कर रहे थे। अराघची ने साफ कहा कि अगर बातचीत का उद्देश्य ईरान के परमाणु अधिकार छीनना है, तो हम बिल्कुल भी पीछे नहीं हटेंगे।

अमेरिका और इस्राइल परमाणु समझौते को लेकर लगातार ईरान को धमकी देता रहा है। हालांकि ईरान ने हमेशा कहा है कि उसका परमाणु कार्यक्रम शांतिपूर्ण और नागरिक उद्देश्यों के लिए है, न कि हथियार बनाने के लिए। इसको लेकर अराघची ने कहा कि हम अमेरिका से सीधी बातचीत नहीं कर रहे हैं, लेकिन अपने अधिकारों पर जोर दे रहे हैं। अगर बातचीत का मकसद यह सुनिश्चित करना है कि ईरान परमाणु हथियार नहीं बनाएगा, तो समझौता संभव है। लेकिन अगर हमारा अधिकार छीनने की कोशिश हुई, तो हम कभी नहीं मानेंगे।

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के विशेष दूत स्टीव विटकॉफ ने शुक्रवार को कहा था कि ईरान के नवाचार केंद्रों को पूरी तरह खत्म करना होगा, तभी कोई समझौता संभव है। गौरतलब है कि ट्रंप ने अमेरिका को 2015 में हुए परमाणु समझौते से अलग कर लिया था और धमकी दी थी कि अगर नया समझौता नहीं हुआ, तो ईरान पर सैन्य हमला किया जा सकता है।ईरान और अमेरिका के बीच परमाणु कार्यक्रम को लेकर विवाद के कारण पर प्रकाश डाले तो अमेरिका चाहता है कि ईरान अपने अत्यधिक संवर्धित यूरेनियम का उत्पादन बंद करे, क्योंकि उसे शक है कि इसका इस्तेमाल परमाणु हथियार बनाने में किया जा सकता है। दूसरी ओर ईरान का कहना है कि उसे शांतिपूर्ण उद्देश्यों के लिए यूरेनियम संवर्धन का अधिकार है। लेकिन वह मानता है कि उसकी अर्थव्यवस्था पर लगे अंतरराष्ट्रीय प्रतिबंधों को हटाने के लिए वह कुछ समझौते करने को तैयार है।

गहराता जा रहा चीन-ताइवान विवाद, रक्षा मंत्रालय का दावा- सीमा में दिखे चीनी लड़ाकू विमान

ताइपे , एजेंसी। चीन और ताइवान के बीच तनाव दिन-प्रतिदिन और बढ़ते ही जा रहे है। इसी बीच ताइवान के रक्षा मंत्रालय का बड़ा बयान सामने आया है। इसके तहत मंत्रालय ने बताया कि चीन के पांच सैन्य विमान, नौ नौसेना जहाज और एक सरकारी जहाज ताइवान के आसपास देखे गए, जिसके बाद ताइवान की सेना ने इन गतिविधियों पर नजर रखी और स्थिति के अनुसार कार्रवाई की।

बता दें कि इससे पहले शुक्रवार को भी सात चीनी लड़ाकू विमान, आठ जहाज़ और एक सरकारी पोत ताइवान के आसपास ऑपरेट करते देखे गए थे। इनमें से चार विमान ताइवान के दक्षिण-पश्चिमी हवाई रक्षा क्षेत्र में दाखिल हुए और 'मीडियन लाइन' को पार किया, जो ताइवान जलडमरूमध्य में एक अनौपचारिक सीमा मानी जाती है।

इस बीच, ताइवान की आदिवासी समुदायों की परिषद ने चीन में हुए एक कार्यक्रम के दौरान दिए गए एक बयान को लेकर कड़ी आपत्ति जताई है। यह बयान पूर्व विधायक और नेशनल डोंग हुआ यूनिवर्सिटी के प्रोफेसर योसी ताकुन ने चीन के यूनान मिन्जू यूनिवर्सिटी में आयोजित कार्यक्रम में दिया था। कार्यक्रम में एक बैनर पर लिखा था कि दोनों किनारे एक ही पूर्वज और संस्कृति से जुड़े हैं, हम एक ही परिवार हैं।

पाकिस्तानी पीएम ने अमेरिका, सऊदी और चीन का जताया आभार

शहबाज बोले- भारत ने पहले हमला किया, ट्रम्प और जिनपिंग का शुक्रिया अदा किया

इस्लामाबाद, एजेंसी। पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने भारतीय समय के मुताबिक शनिवार रात 11:30 बजे फिर झूठा दावा किया। उन्होंने कहा कि भारत ने पाकिस्तान पर पहले हमला किया। शहबाज ने भारत और पाकिस्तान के बीच संघर्ष रुकवाने में अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रम्प का शुक्रिया अदा किया। उन्होंने भारत के खिलाफ साथ देने के लिए सऊदी अरब, तुर्किए और चीन को भी धन्यवाद दिया।

भारत-पाकिस्तान के बीच शाम 5 बजे सीजफायर का ऐलान हुआ

भारत और पाकिस्तान के बीच 4 दिन से जारी जंग के बाद शनिवार शाम 5.30 बजे सीजफायर का ऐलान हुआ था। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने कहा था कि दोनों देशों के बीच सीजफायर के लिए अमेरिका ने मध्यस्थता की। उन्होंने लिखा, यूएसए की मध्यस्थता में रातभर चली लंबी बातचीत के बाद मुझे यह बताते हुए खुशी हो रही है कि भारत और पाकिस्तान तुरंत और पूरी तरह हमले रोकने के लिए तैयार हो गए हैं। मैं दोनों देशों को कॉमनसेंस, समझदारी से भरा फैसला लेने के लिए बधाई देता हूं।

शहबाज ने कहा- जंग को अंजाम तक पहुंचाएंगे, 6 बड़ी बातें

हम दुश्मन पर फिर से भारी पड़े हैं। मैं असीम मुनीर (पाकिस्तान आर्मी चीफ) समेत सभी अफसरों को सलाम पेश करता हूं। हमें आप पर नाज है। हम इस जंग को अंजाम तक पहुंचाकर दम लेंगे। पाकिस्तान की इज्जत के लिए फौज और अवाम दोनों काबिल हैं। हम लश्कर बनकर दुश्मन का मुकाबला करेंगे और दुश्मन को शिकस्त देंगे। हम आपके जज्बे को सलाम पेश करते हैं,

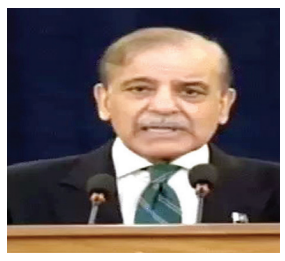

क्योंकि आप (सेना) सच्चाई के लिए लड़ रहे हैं।

भारत बेशक 100 प्रतिशत एकतरफा फैसले कर ले मगर उससे हकीकत नहीं बदलेगी। दहशतगर्दी से सबसे ज्यादा परेशान मुल्क पाकिस्तान है। हमने दहशतगर्दी के खिलाफ जंग में 90 हजार लोगों को गंवाया। 152 अरब डॉलर का नुकसान बर्दाश्त किया है। पहलगाम हमले की आड़ में पाकिस्तान पर हमला बेबुनियाद है। अमन पसंद मुल्क के तौर पर पाकिस्तान ने पहलगाम वाकये की जांच की पेशकश की थी, लेकिन भारत ने कानून न मानते हुए गलत रास्ता अख्तियार किया। जम्मू-कश्मीर एक मुसलमा तनाजा था, है और उस वक्त तक रहेगा, जब तक कश्मीरी भाइयों को उनका हक नहीं मिल जाता। दुश्मनों ने निहत्थे लोगों पर हमला कर खुद को ताकतवर समझा, लेकिन पाकिस्तान मुंहतोड़ जवाब देना जानता है। हम अपनी सेना की दिलेरी को सलाम करते हैं,, जिन्होंने भारत को जवाब दिया है। पाकिस्तानी वायु सेना ने अपने सरहद के भीतर रहते हुए दुश्मनों के जहाजों के परखच्चे उड़ा दिए। पाकिस्तान के पीएम शरीफ ने फिर झूठ बोला, हमारी सेना ने दुश्मन को ऐसा घाव दिया है जो कभी भर नहीं पाएगा। भारत के बुजदिलाना हमले में पाकिस्तान के 26 मासूम शहीद हुए हैं। इनमें बच्चे और औरतें हैं।

भारत में विदेश मंत्रालय ने शाम 6 बजे सीजफायर होने की जानकारी दी थी, लेकिन पाकिस्तान ने इसके 3 घंटे बाद ही भारत के कई शहरों में गोलाबारी और ड्रोन अटैक शुरू कर दिया। इस वजह से कई शहरों में ब्लैकआउट करना पड़ा। दूसरी तरफ पाकिस्तान ने दावा किया कि पेशावर में भारतीय ड्रोन दिखाई दिया है। इसके बाद पाकिस्तानी एयर डिफेंस सिस्टम एक्टिव कर दिया गया। इस सिस्टम ने भारतीय ड्रोन को मार गिराया।

पाकिस्तान के विदेश मंत्रालय के मुताबिक चीन के विदेश मंत्री वांग यी ने शनिवार को कहा कि उनका देश पाकिस्तान की संप्रभुता, क्षेत्रीय अखंडता और आजादी की रक्षा में उसके साथ खड़ा रहेगा।

धरती पर गिरा अंतरिक्ष में 53 साल से फंसा यान, शुक्र ग्रह की खोज के लिए वीनस मिशन पर हुआ था रवाना

केप कैनावेरल , एजेंसी। सोवियत संघ का 53 साल से पृथ्वी की कक्षा में फंसा हुआ कोसमोस 482 नाम का अंतरिक्ष यान आखिरकार अब पूरी तरह पृथ्वी पर गिर गया है। इसकी पुष्टि रूसी अंतरिक्ष एजेंसी और यूरोपीय संघ अंतरिक्ष निगरानी और ट्रैकिंग ने की। रूस ने कहा कि यह हिंद महासागर के ऊपर गिरा, लेकिन कुछ विशेषज्ञ अभी भी यह तय नहीं कर पाए हैं कि यह ठीक कहां गिरा। यह भी तुरंत पता नहीं चल पाया है कि आधे टन के अंतरिक्ष यान का कितना हिस्सा कक्षा से आग की लपटों से जलने से बचा। विशेषज्ञों ने पहले ही कहा था कि इसका कुछ हिस्सा नीचे गिर सकता है, क्योंकि इसे सौर मंडल के सबसे गर्म ग्रह शुक्र पर उतरने के लिए बनाया गया था। वैज्ञानिकों ने यह भी कहा अंतरिक्ष यान के मलबे से किसी के भी टकराने की संभावना बहुत कम है।

1972 में वीनस मिशन पर भेजा गया था यान : सोवियत संघ द्वारा इसे 1972 में शुक्र ग्रह की खोज के लिए वीनस मिशन पर भेजा गया था, लेकिन रॉकेट में खराबी के कारण यह पृथ्वी की कक्षा से बाहर नहीं निकल सका था। शनिवार को विशेषज्ञों ने पुष्टि की कि यह अंतरिक्ष यान बगैर किसी नियंत्रण

के पृथ्वी के वायुमंडल में प्रवेश कर गया। इसका मतलब है कि इसे सुरक्षित रूप से नीचे नहीं लाया गया और किसी को भी ठीक से नहीं पता था कि यह कब और कहां गिरेगा।

यान अब पृथ्वी की कक्षा में नहीं है- ईयूएसएसटी : यूरोपीय संघ की अंतरिक्ष निगरानी और ट्रैकिंग प्रणाली (ईयूएसएसटी) ने कहा कि यह यान अब पृथ्वी की कक्षा में नहीं है। इससे इसकी वायुमंडल में बगैर नियंत्रण की वापसी की पुष्टि होती है। वहीं, यूरोपीय अंतरिक्ष एजेंसी के अंतरिक्ष मलबा कार्यालय ने भी यान की वापसी को पुख्ता किया है। एजेंसी ने संकेत दिया कि जर्मन रडार स्टेशन पर दिखाई न देने के बाद अंतरिक्ष यान धरती के वायुमंडल में दोबारा प्रवेश कर गया।

पहले ही धरती पर आ चुका यान का ज्यादातर हिस्सा : अंतरिक्ष यान का ज्यादातर हिस्सा पहले ही धरती पर वापस आ चुका था। अब जो हिस्सा गिरा है, वह इसका लैंडर था, जो एक मीटर (लगभग 3 फीट) चौड़ा और टाइटेनियम धातु से बना हुआ था। इसका वजन करीब 495 किलोग्राम था। इस यान के गिरने का सही समय और जगह कोई भी पहले से नहीं जानता था, क्योंकि यह बिना नियंत्रण के गिरा और सूरज की गतिविधियों ने इसकी दिशा तय करने में और मुश्किलें पैदा कर दी थीं।

एक रात में 23 फिलिस्तीनियों की मौतें; इजराइली सेना कर रही है गाजा पर कब्जा

गाजा , एजेंसी। शुक्रवार रात और शनिवार सुबह तक इजरायल के हवाई हमलों में ग़ाज़ा में कम से कम 23 फिलिस्तीनियों की मौत हुई है। मरने वालों में तीन बच्चे और उनके माता-पिता भी शामिल हैं, जिनकी मौत ग़ाज़ा सिटी के सबरा इलाके में एक तंबू पर हुए बम हमले में हुई है। ग़ाज़ा हेल्थ मिनिस्ट्री ने बताया कि बीते 24 घंटों में अस्पतालों में 23 लाशें लाई गईं। इनमें 5 लोगों का एक पूरा परिवार शामिल है।

गाजा में हालात गंभीर : उत्तर ग़ाज़ा के जबालिया इलाके में इजराइल ने संयुक्त राष्ट्र की फिलिस्तीनी शरणार्थी एजेंसी के एक गोदाम को निशाना बनाया गया था। इस हमले में 4 लोगों की मौत हुई थी। इंडोनेशियन अस्पताल ने इस बात की पुष्टि की है। एपी के जरिए ली गई वीडियो में इमारत में आग लगी दिखाई दे रही थी। स्थानीय लोगों का कहना है कि यह गोदाम पहले से खाली था और पहले भी कई बार हमलों का निशाना बन चुका था।

इजरायली सेना ने कहा कि शुक्रवार रात ग़ाज़ा सिटी के शिज़ैयाह इलाके में तलाशी के दौरान एक विस्फोटक से 9 सैनिक घायल हुए थे। इजरायल ने 18 मार्च को हमास के खिलाफ हमले फिर शुरू कर दिए थे, जिससे दो महीने का सीजफायर टूट गया था। अब तक इजरायली सेना ग़ाज़ा के आधे से ज्यादा हिस्से पर कब्ज़ा कर चुकी है और उत्तर ग़ाज़ा और दक्षिण के रफ़ा शहर में ऑपरेशन चला रही है इन इलाकों का बड़ा

हिस्सा मलबे में तब्दील हो चुका है।

इजराइल की घेराबंदी : इजरायल की घेराबंदी (ब्लॉकेड) की वजह से गाजा के लोगों को खाना मिलना मुश्किल हो गया है। वहां के राहत रसोईघर (चैरिटी किचन) ही एकमात्र भोजन स्रोत बचे थे, लेकिन अब दर्जनों बंद हो चुके हैं क्योंकि खाने का सामान खत्म हो रहा है। इजरायल का कहना है कि वह हमास पर दबाव डालने के लिए ब्लॉकेड कर रहा है ताकि वह बंधकों को रिहा करे और हथियार छोड़े। जबकि मानवाधिकार संगठनों ने भूख को हथियार बनाने को वॉर क्राइम करार दिया है।

इजराइल का गंभीर आरोप : इजरायल का आरोप है कि हमास और अन्य आतंकी समूह ग़ाज़ा में भेजी जाने वाली राहत सामग्री को हड़प लेते हैं, लेकिन उसने इसके कोई सबूत नहीं दिए हैं। युनाइटेड नेशन्स ने इन आरोपों को नकारा है और कहा है कि वह खाना बांटने पर पूरी तरह से निगरानी रखता है।

बीएलए ने ली बलूचिस्तान में 39 हमलों की जिम्मेदारी, कुछ पुलिस थानों पर कब्जा करने का दावा

क्वेटा , एजेंसी। बलूच लिबरेशन आर्मी (बीएलए) ने बलूचिस्तान में 39 अलग-अलग जगहों पर समन्वित हमले करने की जिम्मेदारी ली है। बीएलए ने दावा किया है कि उन्होंने कुछ पुलिस स्टेशनों पर कब्जा कर लिया है और क्षेत्र की प्रमुख सड़कों पर नाकाबंदी कर दी है। बीएलए ने एक प्रेस बयान जारी कर कहा कि ये अभियान अभी भी जारी है। उनके कुछ खास मकसद हैं, जिन्हें वे हासिल करना चाहते हैं।

बीएलए के प्रवक्ता जीयंद बलूच ने बताया कि जिन 39 जगहों पर समन्वित हमले किए गए हैं, उनमें पुलिस स्टेशन, सैन्य काफिले और प्रमुख राजमार्गों के साथ बुनियादी ढांचे समेत कई अन्य जगह शामिल हैं। बलूच ने कहा कि बीएलए ने कुछ पुलिस स्टेशनों पर कब्जा कर लिया है और क्षेत्र की प्रमुख सड़कों पर नाकाबंदी की गई है। उन्होंने कहा कि हमलों के बारे में जल्द ही मीडिया

को अधिक जानकारी दी जाएगी।

बलूचिस्तान में लंबे समय से चल रहे अलगाववादी आंदोलन

दरअसल, बलूचिस्तान में लंबे समय से आजादी की मांग करने वाले अलगाववादी आंदोलन चल रहे हैं। कई वर्षों से चल रहे संघर्ष के कारण यहां बहुत से लोग मारे गए हैं। इसके अलावा, इन संघर्षों के चलते बहुत लोग विस्थापित भी हुए हैं। स्वायत्तता और स्थानीय संसाधनों पर नियंत्रण के लिए बीएलए की हालिया गतिविधियां इस संघर्ष में तनाव को और बढ़ा रही हैं। दरअसल, बलूच लिबरेशन आर्मी (बीएलए) पाकिस्तान के बलूचिस्तान में स्थित एक हथियारबंद अलगाववादी समूह है, जो बलूच लोगों के लिए आजादी चाहता है। बीएलए का आरोप है कि पाकिस्तान सरकार बलूच लोगों के साथ अन्याय कर रही है। उनके राजनीतिक अधिकारों से वंचित किया जा रहा है। उनके इलाकों के प्राकृतिक संसाधनों (जैसे गैस और खनिज का इस्तेमाल किया जा रहा है। हालांकि, उन्हें इसका कोई फायदा नहीं दिया जा रहा। आर्थिक शोषण और सैन्य दमन पर लंबे समय से चली आ रही शिकायतों के जवाब में बीएलए उभरा है।

बीएलए ने अब तक पाकिस्तानी सुरक्षा बलों, सरकारी इमारतों और विकास परियोजनाओं पर कई हमले किए हैं। बीएलए ने खासकर चीन-पाकिस्तान आर्थिक गलियारे (सीपीईसी) से जुड़ी परियोजनाओं को नुकसान पहुंचाया है, जिसे वह शोषणकारी मानता है।

बलूचिस्तान के पास गैस, खनिज और तटीय संपत्तियों जैसे प्राकृतिक संसाधन हैं, फिर भी यह पाकिस्तान का सबसे गरीब और सबसे अविकसित इलाका है। ह्यूमन राइट्स वॉच और एमनेस्टी इंटरनेशनल जैसे संगठनों का कहना है कि यहां पिछले कुछ सालों में पाकिस्तानी सुरक्षा बलों और खुफिया एजेंसियों द्वारा हजारों बलूच कार्यकर्ताओं, छात्रों, पत्रकारों और राजनीतिक कार्यकर्ताओं को अगवा कर उनकी हत्या कर दी गई है। सरकार इन पीड़ितों को अक्सर आतंकवादी या विदेशी एजेंट कहती है, जबकि परिवारों को कोई जवाब या कानूनी सहारा नहीं दिया जाता है।

स्वामी,मुद्रक व् प्रकाशकः सुरेश मौर्या द्वारा अष्ठ विनायक ओफ़्सेट एफपी,149 प्लोट 26 खोडीयारनगर,सिद्धिविनायक मंदीर के पास ,भाटेना) हो.सो अंजना सुरत गुजरात से मुद्रित एवं 191 महादेव नगर उधना सुरत गुजरात से प्रकाशित संपादक : सुरेश मौया (M) 9879141480 RNI No.:GUJHIN/2018/75100 (Subject to Surat jurisdiction)

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

महंगी गाड़ियों के शौकिन व्यापारी को हनीट्रैप में फंसाया।

लड़की की फेक आईडी,बाद में पुलिस की वर्दी पहनकर झूठे केस के नाम पर 1.60 करोड़ ठग लिए

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

डेटिंग ऐप से युवकों को हनीट्रैप में फंसाने के बाद दुष्कर्म और मारपीट जैसी झूठी शिकायतों की धमकी देकर पैसे वसूलने वाली गैंग को अहमदाबाद क्राइम ब्रांच ने पकड़ लिया है। अहमदाबाद के व्यापारी को दिल्ली बुलाकर झूठे केस में फंसाने के नाम पर 1.60 करोड़ रुपए वसूल किए गए थे। इस मामले में अहमदाबाद क्राइम ब्रांच ने जांच के दौरान चौंकाने वाला खुलासा किया है। ठगबाज युवती ने फर्जी आईडी बनाकर चैटिंग की, फिर पुलिस बनकर पीड़ित से पैसे वसूले। अहमदाबाद क्राइम ब्रांच ने हनीट्रैप में फंसाने वाली गैंग के दो आरोपियों को पकड़कर आगे की जांच शुरू कर दी है। क्राइम ब्रांच के एसीपी भरत पटेल ने बताया कि डेटिंग ऐप के जरिए हनीट्रैप करके 1.60 करोड़ रुपये वसूलने वाले आरोपी कौशलेन्द्र सिंह और उसके साथी अरुण सिंह को गिरफ्तार किया गया है। आरोपी कौशलेन्द्र मूल रूप से बिहार का रहने वाला है और पहले वह अपने परिवार के साथ दिल्ली में रहता था। उसके पिता सरकारी नौकरी से रिटायर हो चुके हैं। कौशलेन्द्र मेल एस्कॉर्ट के तौर पर सर्विस प्रदान करता था। वह जिन महिलाओं के संपर्क में था, उनके फोटो का उपयोग करके टिंडर पर फर्जी आईडी बनाता था और लोगों को फंसाता था। इस मामले में भी उसने लड़की के नाम से पीड़ित से बात की और फिर दिल्ली के होटल में बुलाकर एक अन्य लड़की को भेजकर उसे मारपीट करने का झूठा आरोप लगाकर पैसे मांगने लगा था। शुरुआत में उसने 1.50 लाख रुपये वसूले और बाद में वीडियो कॉल के जरिए पुलिस की वर्दी पहनकर खुद को पुलिसकर्मी बता कर कुल 1.60 करोड़ रुपये छोटे-छोटे भागों में वसूल किए थे। आरोपी को महंगी गाड़ी रखने का शौक था, इसलिए उसने जो पैसे वसूले थे, उनका इस्तेमाल महंगी गाड़ी और शौक पूरे करने में किया। दूसरे आरोपी अरुण ने जो पैसे आते थे, उन्हें अलग-अलग खातों में ट्रांसफर करने का काम किया था।

क्या था पूरा मामला?

डेटिंग एप्लिकेशन के माध्यम से युवती व्यापारी से संपर्क में आई थी। अहमदाबाद शहर के पांजारापोल इलाके में रहने वाले एक व्यापारी युवक ने हनीट्रैप में फंसकर 1.59 करोड़ रुपये दे दिए, जिससे मामला क्राइम ब्रांच तक पहुंचा। डेटिंग एप के जरिए युवक का संपर्क एक युवती से हुआ था और बाद में दिल्ली में हनीट्रैप का खेल खेला गया था। युवक की शादी टूट चुकी थी और उसने दूसरी शादी नहीं की थी, इसलिए उसने युवतियों के साथ चैट करने के लिए टिंडर एप्लिकेशन डाउनलोड की थी। युवक एप्लिकेशन के माध्यम से जहान्वी नाम की युवती से संपर्क में आया था। जहान्वी ने युवक से उसका नंबर मांगा था, जिसे उसने दे दिया था। दोनों ने एक-दूसरे से नंबर शेयर किया और व्हाट्सएप पर बात करने लगे थे। इस दौरान जहान्वी ने मिलने के लिए बुलाया, तो युवक ने उसे बताया कि वह अहमदाबाद में रहता है। युवक दिल्ली काम से अक्सर जाता रहता था, लेकिन जहान्वी उसे मिलने के लिए बार-बार जोर देती थी।

जहांवी ने किसी दूसरी युवती को मिलने के लिए भेजा 2022 में जब युवक दिल्ली गया था, तो वह एक होटल में रुका था, जहां उसने जहांवी को मिलने के लिए बुलाया था। युवक होटल के कमरे में था, जब जहांवी ने किसी दूसरी युवती को मिलने के लिए भेज दिया था। युवक ने उस युवती से बात की और उसे 25 हजार रुपये दिए थे। 20 मिनट बाद वह युवती होटल से चली गई थी। बाद में रात के समय युवक के व्हाट्सएप पर जहांवी का मैसेज आया था, जिसमें उसने कहा था कि होटल में जो युवती आई थी, उसे उसने मारा है और खून बहा है, जिससे उसके खिलाफ पुलिस में शिकायत दर्ज हो रही है। इस घटना के बाद, जहांवी और उसकी गैंग ने युवक से करोड़ों रुपये निकलवाए थे।

PSI कोसलेंद्र ने युवक को डराकर 1.50 लाख रुपये निकलवाए

युवती ने युवक के खिलाफ DLF फेज-1 पुलिस स्टेशन, गुड़गांव में पुलिस शिकायत दर्ज करवाई थी। इस दौरान युवक के व्हाट्सएप पर कोसलेंद्र नाम के व्यक्ति का कॉल आया और उसने कहा कि, "मैं DLF फेज-1 पुलिस स्टेशन से सब इंस्पेक्टर बोल रहा हूं, आपके खिलाफ शिकायत आई है, आपको पुलिस स्टेशन आना पड़ेगा।" युवक तुरंत ही DLF फेज-1 पुलिस स्टेशन पहुंचा, जहां एक पुलिस कर्मचारी ने उसे पहले मंजिल पर ले जाकर धमकाया और कहा कि, "आपके खिलाफ महिला को होटल के कमरे में बुलाकर मारपीट करने की शिकायत आई है, जिसके तहत आपके खिलाफ कई धाराओं में केस दर्ज होगा।"

इसके बाद PSI कोसलेंद्र ने युवक को पुलिस स्टेशन के बाहर ले जाकर दो घंटे तक डराया और 1.5 लाख रुपये निकलवाए। इसके बाद दिल्ली क्राइम ब्रांच के नाम पर भी रुपये लिए गए थे।

पुलिस ने बिहार से दो आरोपियों को गिरफ्तार किया

युवती ने दिल्ली के पुलिस स्टेशन में आवेदन किया था, जहां उनका समझौता भी हो गया था, लेकिन आरोपियों ने पुलिस की पहचान का इस्तेमाल करते हुए युवक से करोड़ों रुपये निकलवाए थे। रुपये वसूलने के लिए इस गैंग ने दिल्ली पुलिस का भी इस्तेमाल किया था। मारपीट सहित अन्य आरोपों वाली शिकायत कर रुपये हड़प लिए थे। क्राइम ब्रांच ने पूरे मामले की जांच शुरू की और यह भी जांच कर रही है कि दिल्ली पुलिस की संलिप्तता है या नहीं।

करोड़ों रुपये वसूलने के बाद आरोपियों ने अपने नंबर बदल लिए थे, लेकिन क्राइम ब्रांच ने तकनीकी निगरानी के आधार पर दोनों आरोपियों को बिहार से गिरफ्तार किया है। दोनों आरोपी अब रिमांड पर हैं और संभावना है कि इस मामले में और भी लोग शामिल हो सकते हैं।

हाईकोर्ट ने 203 सिविल जज और 200 सीनियर सिविल जज का ट्रांसफर किया, जिले के कैडर के 63 जजों को अन्य जिलों में नियुक्त

गुजरात हाईकोर्ट द्वारा सिविल जज, सीनियर जज और डिस्ट्रिक्ट जज की तबादला की गई है। इसमें 203 सिविल जजों का अंतर जिला ट्रांसफर किया गया है। इसके अलावा, 95 सिविल जजों का सेम कोर्ट में ट्रांसफर किया गया है। जिनमें अहमदाबाद में 07, आनंद 05, अरवल्ली 01, बनासकांठा 05, भरूच 07, भावनगर 02, बोटाद 03, गांधीनगर 04, जामनगर 02, जूनागढ़ 01, कच्छ 04, खेड़ा 01, महेसाणा 07, पंचमहल 01, पोरबंदर 02, राजकोट 07, साबरकांठा 03, सूरत 08, सुबेंद्रनगर 03, वडोदरा 10 और वलसाड 02 का समावेश है।

हाईकोर्ट ने 200 सीनियर सिविल जजों का अन्य जिलों में ट्रांसफर किया है। इसके अलावा, 46 जजों का सेम कोर्ट में ट्रांसफर किया गया है। जिनमें अहमदाबाद में 15, अरवल्ली 04, बनासकांठा 01, भावनगर 01, छोटा उदेपुर 01, द्वारका 01, गांधीनगर 01, गीर सोमनाथ 01, जामनगर 01, जूनागढ़ 01, कच्छ 02, महेसाणा 01, नवसारी 01, पंचमहल 01, पोरबंदर 01, राजकोट 03, सूरत 02, वडोदरा 07, और वलसाड 01 का समावेश है।

हाईकोर्ट ने 48 ज्यूडिशियल ऑफिसरों को सेशन्स जज के रूप में नियुक्त किया है। इसके साथ ही, डिस्टिक्ट जज केडर के 63 जजों का अन्य जिलों में ट्रांसफर किया गया है। डिस्टिक्ट जज केडर में सेम कोर्ट ट्रांसफर के तहत कुल 93 जजों का समावेश किया गया है।

जिनमें अहमदाबाद में 06, आनंद 06, बनासकांठा 03, भरूच 03, भावनगर 04, छोटा उदेपुर 01, दाहोद 03, गांधीनगर 03, गीर सोमनाथ 02, जामनगर 04, जूनागढ़ 03, कच्छ 07, महेसाणा 05, नवसारी 01, पंचमहल 03, पाटन 05, राजकोट 07, सूरत 15, सुबेंद्रनगर 04, और वडोदरा 08 का समावेश है।

उत्राण रेलवे स्टेशन के विकास को लेकर मांग सांसद से अनुरोध किया 10 ट्रेनों का ठहराव दिया जाए।

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत के उत्राण इलाके में स्थित रेलवे स्टेशन के विकास के लिए मांग की गई है। उत्राण रेलवे स्टेशन राज्य के सबसे पुराने रेलवे स्टेशनों में से एक है, लेकिन ट्रेनों के रुकाव नहीं होने के कारण इसका अपेक्षित विकास नहीं हो पाया है। इसी कारण कांग्रेस प्रवक्ता द्वारा सूरत के सांसद को उत्राण रेलवे स्टेशन के विकास को लेकर पत्र लिखा गया है।

ZRUCC सदस्य कल्पेश बारोट द्वारा एक पत्र लिखा गया है, जिसमें उत्राण और आसपास के क्षेत्रों के विकास की बात की गई है। उन्होंने बताया कि इस इलाके में सौराष्ट्र, उत्तर गुजरात और देश के अन्य हिस्सों के बड़ी संख्या में लोग निवास करते हैं, और लगभग 20 किलोमीटर क्षेत्र में करीब 15 लाख की आबादी रहती है। इसलिए उत्राण रेलवे स्टेशन का तात्कालिक रूप से विकास किया जाए, ऐसी मांग की गई है। साथ ही मेल, एक्सप्रेस और सुपरफास्ट ट्रेनों के स्टॉपेज देने की भी बात कही गई है। इससे रेलवे विभाग की आय बढ़ेगी, स्थानीय लोगों को लाभ होगा, उधना और सूरत रेलवे स्टेशनों का भार कम होगा और यात्रियों को दूर नहीं जाना पड़ेगा—इस उद्देश्य से यह मांग की गई है।

सूरत के सांसद से मांग की गई है कि 10 ट्रेनों को उत्राण रेलवे स्टेशन पर रुकने की अनुमति दी जाए। इसमें इंटरसिटी, मेमू, एक्सप्रेस और मेल ट्रेनों का समावेश है।

कल्पेश बारोट ने कहा कि अब तक अन्य रेलवे स्टेशनों का विकास किया गया है, जो एक अच्छी बात है, लेकिन उत्राण रेलवे स्टेशन पर किसी का ध्यान नहीं गया है। यदि उत्राण रेलवे स्टेशन का विकास किया जाए तो इससे न केवल जनता की सुविधा बढ़ेगी, बल्कि रेलवे को भी अच्छी आय प्राप्त होने की संभावना है।

सुरत में मध्यप्रदेश से अवैध हथियार बेचने का आरोपी युवक से पिस्टल बरामद की और उसे गिरफ्तार किया

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सुरत में मध्यप्रदेश से पिस्तोल लाकर उसे घुसाने की योजना को सारोली पुलिस ने नाकाम कर दिया। पुलिस ने एक व्यक्ति को नियोल चेकपोस्ट से गिरफ्तार किया, जिसके पास दो देसी निर्मित पिस्तोल, चार मैगजीन और दो जिंदा कारतूस थे।

यह महत्वपूर्ण है कि आरोपी इंस्टाग्राम पर एक कुख्यात अपराधी से संपर्क में आया था और उससे पिस्तोल लेकर उसे सुरत में बेचने के लिए आया था। पुलिस ने पिस्तोल देने वाले और खरीदने वाले दोनों को वांछित घोषित कर दिया है

सारोली पुलिस को सूचना मिली थी कि कडोदरा से नवाबअली नाम का एक व्यक्ति सुरत शहर की ओर आ रहा है और उसकी बैग में देसी हथियार की दो पिस्तोल रखी हुई हैं। पुलिस को यह भी बताया गया था कि वह व्यक्ति काले रंग की हाफ बाय टी-शर्ट और नीले रंग की नाइट पैंट पहने हुए है।

सूचना के आधार पर सारोली पुलिस ने नियोल चेक पोस्ट पर एक निगरानी टीम तैनात की थी। इस दौरान पुलिस ने आरोपी से देसी हथियार की दो पिस्तोल, दो जीवित कारतूस, 1000 रुपये की दो खाली मैगजीन, 10,000 रुपये का मोबाइल और कुल 31,100 रुपये का सामान जब्त किया।

सारोली पुलिस ने आरोपी नवाबअली दोसतअली (उम्र 24, व्यवसाय - मज़दूरी, निवासी जीयाणी की धानी, मीठीसर बोला, ता. जिला बाड़मेर, राजस्थान) को गिरफ्तार किया है। वहीं, पिस्तोल देने वाले लवकुश कुशवाह और सुरत में पिस्तोल लेने वाले नक्सा नामक व्यक्ति को वॉन्टेड घोषित किया गया है। पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई शुरू कर दी है।

गिरफ्तार आरोपी नवाबअली ने चार साल पहले सर्दार मार्केट के पास स्थित अशोका होटल में वेटर के रूप में चार महीने काम किया था। वर्तमान में वह अपने घर राजस्थान में छोटी-मोटी प्लंबिंग का काम करता है। उसने आठवीं कक्षा तक पढ़ाई की है।

दोनों आरोपियों की पहचान इंस्टाग्राम सोशल मीडिया के माध्यम से हुई थी। इस दौरान, मनावरगाम इंदौर, मध्यप्रदेश से लवकुश कुशवाह ने दो पिस्तोल, मैगज़ीन और दो जिंदा कारतूस के साथ 60,000 रुपये में खरीदी थीं। आरोपी नवाबअली और नक्सा की पहचान एक शादी समारोह के दौरान हुई थी। नक्सा को सुरत में दो पिस्तोल, मैगज़ीन, दो जिंदा कारतूस और दो मैगज़ीन 80,000 रुपये में बेचने वाले थे। इससे नवाबअली को मध्यप्रदेश से सुरत तक पिस्तोल बेचकर 20,000 रुपये की कमाई होनी थी। दो वॉन्टेड आरोपियों को ढूंढने के लिए पुलिस ने ताबड़तोड़ प्रयास शुरू कर दिए हैं। नवाबअली ने 17 अप्रैल को मनावरगाम, इंदौर, मध्यप्रदेश से लवकुश कुशवाह से देशी हथियार से बनी दो पिस्तोल, दो जिंदा कारतूस और दो खाली मैगज़ीन 60,000 रुपये में खरीदी थीं। इसमें से 45,000 रुपये नकद और 15,000 रुपये लवकुश कुशवाह के मोबाइल नंबर पर फोन पे के माध्यम से ऑनलाइन ट्रांसफर किए गए थे। पिस्तोल नक्सा नामक आरोपी को सरदार शाकभाजी मार्केट में देने थे। नवाबअली के मोबाइल में व्हाट्सएप चैट से नक्सा के साथ की चैट भी मिली थी, जिसमें नवाबअली ने नक्सा से कहा था, "मैं आ गया, मैं सुरत में हूं, भाई घंटे भर में वो लोग भी यहां पहुंच जाएंगे।"

कामरेज में स्पा की आड़ में चल रहा देह व्यापार का भंडाफोड़, तीन महिलाएं और तीन पुरुष पकड़े गए।

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत के विभिन्न इलाकों में स्पा की आड़ में देह व्यापार चलाए जाने की घटनाएं सामने आ रही हैं। इस बार कामरेज पुलिस ने उमा कॉम्प्लेक्स की तीसरी मंजिल पर चल रहे देह व्यापार के अड्डे का पर्दाफाश किया है। पुलिस ने छापा मारकर तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है और तीन महिलाओं को मुक्त कराया है।

पुलिस को मिली सूचना के आधार पर, दुकान में लकड़ी के पार्टीशन बनाकर देह व्यापार चलाया जा रहा था। पकड़े गए आरोपियों में उमाशंकर रसपाल वर्मा, मोहम्मद शाबाद मुनीसअली इदरेशी और गौरव मजमेरसिंह डंडोतिया शामिल हैं। जांच में सामने आया है कि अमरोली का शाबाद मुनीसअली महिलाओं को बाहर से बुलाया करता था।

मुक्त कराई गई महिलाएं सूरत के डिंडोली और भेस्तान इलाके की रहने वाली हैं। पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ अनैतिक व्यापार निवारण अधिनियम की धारा 143(1)(एफ) और 143(3) के तहत मामला दर्ज किया है। कामरेज पुलिस स्टेशन इस मामले में शिकायतकर्ता बना है और आगे की जांच जारी है।

"आतंकवादियों का गुरू भारत में ही रहता है" ऐसी सोशल मीडिया पर पोस्ट डालने वाला सूरत का युवक पकड़ा गया।

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत शहर पुलिस की सोशल मीडिया निगरानी टीम की "बाज़ नज़र" एक बार फिर साबित हुई है। हाल ही में पहलगाम में हुए आतंकी हमले को लेकर सोशल मीडिया पर आपत्तिजनक वीडियो पोस्ट करने वाले शख्स के खिलाफ अमरोली पुलिस स्टेशन में मामला दर्ज कर कानूनी कार्रवाई की गई है। दीपेन्सिंह परमार, जो खुद को गौरक्षक और मोटिवेशनल स्पीकर बताते हैं, ने अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर एक वीडियो पोस्ट किया था, जिसमें उन्होंने पाकिस्तान को लेकर विवादास्पद भाषा का उपयोग किया था।

संदिग्ध भाषा में वीडियो बनाया दीपेन्सिंह परमार ने एक वीडियो में भारत विरोधी बयान दिया था, जिसमें उन्होंने च्आतंकवाद के गुरु भारत में ही रहते हैंज् जैसे आरोप लगाए थे, जिससे राष्ट्रीय सुरक्षा को लेकर लोगों में उत्तेजना फैलाने की कोशिश की गई थी। वीडियो वायरल होने के बाद, सूरत शहर पुलिस के सोशल मीडिया मॉनिटरिंग सेल ने तुरंत इसकी जानकारी अमरोली पुलिस को दी। पुलिस ने बिना किसी देरी के जांच शुरू की और दीपेन्सिंह परमार के खिलाफ भारतीय सरकार की शांति और सुरक्षा को खतरे में डालने के प्रयास के तहत IPC की संबंधित धाराओं में मामला दर्ज किया और उसे गिरफ्तार कर लिया।

पुलिस की नजर सूरत पुलिस के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा, "इस तरह के वीडियो देश की सामाजिक तानाबाना को नुकसान पहुंचा सकते हैं। हमारी टीम लगातार सोशल मीडिया पर चिंताजनक गतिविधियों पर नजर रखती है और ऐसे तत्वों के खिलाफ सख्त कदम उठाए जाएंगे।"

हाल ही में देशभर में सोशल मीडिया के जरिए भ्रामक जानकारी फैलाकर देशविरोधी तत्वों को समर्थन दिया जा रहा था, ऐसे में सूरत पुलिस की यह कार्रवाई महत्वपूर्ण मानी जा रही है।

वीर नर्मद दक्षिण गुजरात विश्वविद्यालय में कार्यरत कर्मचारियों के बच्चों के सम्मान समारोह का आयोजन

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत, वीर नर्मद दक्षिण गुजरात विश्वविद्यालय द्वारा 12 मई 2023 को विश्वविद्यालय में कार्यरत कर्मचारियों के 10वीं और 12वीं कक्षा में उत्तीर्ण हुए पुत्रों और पुत्रियों के सम्मान हेतु एक समारोह का आयोजन किया गया। कंप्यूटर विज्ञान विभाग के सेमिनार हॉल में सुबह 11:30 बजे यह कार्यक्रम आयोजित किया गया था।

इस कार्यक्रम में वीर नर्मद दक्षिण गुजरात विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. किशोरसिंह चावड़ा, विश्वविद्यालय के अधिकारीगण और कर्मचारीगण उपस्थित थे।

इस अवसर पर 10वीं और 12वीं पास करने वाले कर्मचारियों के बच्चों को पुस्तकों से सम्मानित किया गया। अंत में कुलपति डॉ. किशोरसिंह चावड़ा ने विद्यार्थियों और उनके माता-पिता को बधाई दी और उनके उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं दी।